School of Planning and Architecture, Vijayawada.
S.No. 71/1, NH 5, Nidamanuru, Vijayawada - 521 104,
Andhra Pradesh, India.
Established by Ministry of Human Resource Development, GOI.

Annual Report
2012-13

वार्षिक रिपोर्ट

वर्ष 2012-13

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

(भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित)

वर्तमान कैम्पस: सर्वे सं. 71/1, राष्ट्रीय राजमार्ग-5, निडमानूरू, विजयवाड़ा-521 104, आंध्र प्रदेश, भारत

विषयवस्तु

1.0 *बोर्ड और समितियां* 5

1.1 *दिनांक 31.03.2013 की स्थिति के अनुसार शासी बोर्ड* 5

1.2 *वित्त समिति* 6

1.3 *भवन तथा कार्य समिति* 7

1.4 *शैक्षणिक परिषद* 8

1.5 *अध्ययन बोर्ड* 9

1.5.1 *वास्तुकला शैक्षणिक मंडल* 9

1.5.2 *आयोजना शैक्षणिक मंडल* 10

2.0 शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टॉफ 11

3.0 संकाय द्वारा किया गया शिक्षण कार्य 17

4.0 अकादमिक कार्यक्रम 22

5.0 विद्यार्थियों का विवरण 22

6.0 परिसर विकास 24

7.0 परिसर में अवसंरचना सुविधाएं 27

7.1 *पुस्तकालय* 27

7.2 *कला प्रयोगशाला* 28

7.3 *कम्प्यूटर प्रयोगशाला* 30

7.4 *खेलकूद* सुविधाएं 31

7.5 *अन्य सुविधाएं* 32

8.0 परिसर वृत्तांत (गैर-अकादमिक) 33

8.1 *स्वतंत्रता दिवस 2012* 33

8.2 *गणतंत्र दिवस 2013* 33

8.3 *हिंदी सप्ताह* 33

8.4 *वार्षिक दिवस (इनयान 2013) समारोह* 34

8.5 *ओणम समारोह* 35

8.6 *जन्माष्टमी समारोह* 35

8.7 *निदेशक का अभिनंदन कार्यक्रम* 36

8.8 *निदेशक का दौरा* 36

8.9 *एसपीएवी समाचारों में* 37

9.0 विद्यार्थी कार्यकलाप 38

9.1 खेल-कूद सप्ताह 38

9.2 फैशन शो.....39

9.3 विद्यार्थी क्लब कार्यकलाप.....39

10.0 अतिथि व्याख्यान/कार्यशालाएं.....40

10.1 *मेरे शब्दों में मेरी दुनिया*.....40

10.2 *अतिथि व्याख्यान - वास्तुकला विभाग*.....40

10.3 *अतिथि व्याख्यान - आयोजना विभाग*.....41

11.0 अकादमिक अभ्यास.....*42*

11.1 *वास्तुकला*.....42

11.2 आयोजना.....55

12.0 छात्र प्रशिक्षण और नियोजन.....64

अध्यक्ष की ओर से

मुझे यह बताते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है कि योजना एवं वास्तुकला विद्यालय प्रति वर्ष सशक्तीकरण, प्रसिद्धी तथा गुणवत्ता की ओर बढ़ रहा है और राष्ट्र के उन युवाओं के लिए जिनका वास्तुकला और आयोजना की ओर रूझान है, एक लक्ष्य बन रहा है। वर्ष की प्रमुख घटनाओं में आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा अतिरिक्त भूमि का आवंटन और परिसर हेतु सांबोधिक डिजाइनों और अनुमानों को अंतिम रूप दिया जाना है। संस्थागत व्यवस्थाएं – जैसे चयनित परामर्शी वास्तुकार से करार किया जाना और परिसर भवन कार्यों के निष्पादन हेतु केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ संगमज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाना – प्रक्रियाधीन हैं। परिसर विकास को तेजी से किए जाने पर ध्यान देने हेतु भवन कार्य उप समिति का गठन किया गया। अक्टूबर, 2012 में प्रो. डा. शोवन के. साहा, निदेशक अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए और डा. श्रीनिवासन सुंदरराजन, निदेशक, एनआईटी, त्रिचिरापल्ली ने निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

वर्ष 2012-13 के दौरान, विद्यालय ने अनुसंधान के आयामों को जोड़ते हुए आयोजना और वास्तुकला दोनों में डॉक्टोरल कार्यक्रम आरंभ करते हुए वास्तुकला और योजना के क्षेत्र में देश में एक सुप्रसिद्ध संस्थान बने रहने के प्रयासों को जारी रखा है। अगले वर्ष से मास्टर्स कार्यक्रम आरंभ करने हेतु कार्यढ़ांचा तैयार किया गया है। विद्यालय की अकादमिक अवसंरचना को और सुदृढ़ किया गया है। अस्थायी परिसर में 120 सीटों की क्षमता और अच्छी संख्या में राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय पुस्तकों तथा ऑनलाइन पत्रिकाओं द्वारा पुस्तकालय को विकसित किया गया। युवाओं की कला संबंधी प्रतिभा को सुधारने के लिए कला प्रयोगशाला और मॉडल तैयार करने की प्रयोगशाला की स्थापना की गई। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत समर्पित एक अवलोकन कक्ष तैयार किया गया जिससे एसपीएवी राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के साथ सम्पर्क करने में समर्थ हो सके तथा प्रसिद्ध शैक्षणिक एवं उद्योग जगत के महान व्यक्तियों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यानों की सुलभता प्राप्त कर सके। इस अवधि के दौरान निर्माण अहाता (यार्ड) तथा बढ़ईगिरी (कारपेंटरी) कार्यशालाएं भी आयोजित की गई। परिसर में क्रिकेट पिचें, बास्केटबॉल तथा शटल कोर्ट निर्मित करके खेल-कूद की सुविधाएं विकसित की गई।

यह कहना आनंददायक है कि बी. प्लान के प्रथम बैच के विद्यार्थी सफलतापूर्वक पास हुए हैंऔर वे रोजगार में स्थापित हो गए हैं अथवा देश और विदेश में विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय के विकास के लिए समर्पित प्रयासों हेतु मैं संकाय और स्टॉफ के प्रयासों की सराहना करता हूं और उन्हें उनके प्रयासों में सफल होने की कामना करता हूं। मैं आशा करता हूं और मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में योजना और वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा आयोजना और वास्तुकला पाठ्यक्रमों में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सर्वश्रेष्ठ अवसर प्रदान करेगा।

प्रो. डा. एस.के. खन्ना

1.0 बोर्ड और समितियां

1.1 दिनांक 31.03.2013 की स्थिति के अनुसार शासी बोर्ड

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
1.	डॉ एस के खन्ना मार्फत जेपी सूचना और प्राद्योगिकी संस्थान विश्वविद्यालय ए-10, सेक्टर 62, नोएडा, उत्तर प्रदेश भारत	अध्यक्ष
2.	श्री एम एस गोपाल, आई.ए.एस. प्रधान सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, उच्चतर शिक्षा विभाग, कमरा संख्या 407, चौथी मंजिल, जे. ब्लॉक आंध्र प्रदेश, सचिवालय, हैदराबाद, भारत	सदस्य
3.	श्री डी.एस.मेश्राम अध्यक्ष, इंस्टिट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, भारत 4 ए, रिंग रोड, आई.पी. इस्टेट, नई दिल्ली-110002, भारत	सदस्य
4.	श्री प्रफुल्ल कारखानिस अध्यक्ष, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्टस प्रॉस्पेक्ट चैंबर्स एजेक्सी, 5वां तल, फोर्ट, मुम्बई-400001, भारत	सदस्य
5.	डॉ के.पी. इसाक सदस्य सचिव, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् चंद्रलोक भवन, जनपथ, नई दिल्ली-110001, भारत	सदस्य
6.	डॉ देव स्वरूप संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, भारत	सदस्य
7.	सुश्री अमिता शर्मा, आई.ए.एस. अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली-110002, भारत	सदस्य
8.	श्री योगेन्द्र त्रिपाठी संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, एकीकृत वित्त प्रभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली - 110 001, भारत	सदस्य
9.	श्री महेन्द्र राज महेन्द्र राज असोशिएट्स क्यू 24, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110024, भारत	सदस्य

10.	श्री बलबीर वर्मा बलबीर वर्मा असोशिएट्स, एफ-49, पहली मंजिल, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065, भारत	सदस्य
11.	श्री जे.पी. क्षीर सागर मुख्य योजनाकार, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ऑगनाइजेशन विकास भवन, आई.पी. इस्टेट, नई दिल्ली-110002, भारत	सदस्य
12.	प्रो. डॉ शोवन के. साहा निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य (पदेन)
13.	प्रो. डॉ रमेश श्रीकोंडा आचार्य एवं अध्यक्ष, योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
14.	प्रो. डॉ आयोन के तरफदार सह आचार्य एवं अध्यक्ष, योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा	सदस्य
15.	प्रो. वैंकट कृष्णकुमार साधू प्रभारी कुलसचिव योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सचिव

1.2 वित्त समिति

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
1.	डॉ एस के खन्ना मार्फत जेपी सूचना और प्राद्योगिकी संस्थान विश्वविद्यालय ए-10, सेक्टर 62, नोएडा, उत्तर प्रदेश भारत	अध्यक्ष
2.	डा. देव स्वरूप संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002	सदस्य
3.	श्री प्रफुल्ल कारखानिस अध्यक्ष, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, प्रोस्पेक्ट चैम्बर्स एजेक्सी, पांचवां तल, डा. डी.एन. रोड, फोर्ट, मुंबई-1	सदस्य
4.	श्री राजेश सिंह, निदेशक, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली - 110 001.	सदस्य

5.	श्री नवीन सोइ निदेशक (वित्त), एकीकृत वित्त प्रभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली - 110 001.	सदस्य
6.	प्रो. (डा.) शोवन के. साहा निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य (पदेन)
7.	श्री वेंकट कृष्ण कुमार साधू प्रभारी कुलसचिव, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सचिव

1.3 भवन तथा कार्य समिति

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
1.	श्री महेन्द्र राज महेन्द्र राज असोशिएट्स क्यू 24, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110024, भारत	अध्यक्ष
2.	श्री बलबीर वर्मा बलबीर वर्मा असोशिएट्स, एफ-49, पहली मंजिल, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065, भारत	सदस्य
3.	श्री डी.एस. मेश्राम अध्यक्ष, इंस्टिट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, भारत 4 ए, रिंग रोड, आई.पी. इस्टेट, नई दिल्ली-110002, भारत	सदस्य
4.	श्री याक मडुरी सी.ई.ओ. (शिक्षा) तथा अध्यक्ष जेपी सूचना और प्रौद्योगिकी संस्थान विश्वविद्यालय नोएडा-201307, उत्तर प्रदेश, भारत	सदस्य
5.	श्री एन.के. सिन्हा अपर सचिव तकनीकी शिक्षा उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली-110002, भारत	सदस्य
6.	श्री ए.एन. झा संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली-110015, भारत	सदस्य
7.	प्रो. डा. शोवन के. साहा निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य (पदेन)
8.	श्री वेंकट कृष्ण कुमार साधू सह आचार्य, वास्तुकला, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सचिव

1.4 शैक्षणिक परिषद

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
1.	प्रो. डा. शोवन के. साहा, निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	अध्यक्ष (पदेन)
2.	आकि. जसबीर साहनी, वास्तुकार, डी 2, दि कुतुब, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110016	सदस्य
3.	आकि. अभिजीत रे इम्म. पास्ट चारिमान, नार्टर्न चैप्टर, आईआईए, 25-सी, एमआईजी, फलैट्स, शेख सराय-1, नई दिल्ली-110017	सदस्य
4.	श्री सुशांत बलिगा अपर महानिदेशक सीपीडब्ल्यूडी प्रशिक्षण संस्थान, ई-विंग, निर्माण भवन, नई दिल्ली-08	सदस्य
5.	आकि. विद्याधर वोडेयार वास्तुकार-आयोजनाकार नं. 17, 12 मेन प्रथम ब्लॉक, राजाजी नगर, बैंगलूर-560010	सदस्य
6.	सुश्री अंबिका अनंत कवि एवं संपादक, नं. 22, साई मारूति, 13वां क्रॉस, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-560003	सदस्य
7.	प्रो. डॉ. पी.एस.एन. राव विभागाध्यक्ष, आवास, योजना और वास्तुकला विद्यालय, 4, ब्लॉक-बी, आई.वी. एस्टेट, नई दिल्ली-110002	सदस्य
8.	डा. के.आर.के. प्रसाद मकान नं. 59 ए-21/3-10, विजयानगर कॉलोनी, विजयवाड़ा-520010	सदस्य
9.	प्रो. डॉ. राजीव मिश्रा प्रधानाचार्य, सर जे.जे. कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, 778/3, डा. डी.एन. रोड, फोर्ट, मुंबई-400001	सदस्य
10.	प्रो. डॉ. अशोक कुमार विभागाध्यक्ष, भौतिक आयोजना विभाग, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली-110002	सदस्य
11.	प्रो. (डा.) रमेश श्रीकोंडा, विभागाध्यक्ष, वास्तुकला, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
12.	डॉ. आयोन के तरफदार उप सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, योजना, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
13.	श्री वैंकट कृष्ण कुमार साधू सह आचार्य, वास्तुकला, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
14.	श्री विजयानंद उदयकुमार, सहायक प्रोफेसर, वास्तुकला, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
15.	श्री नागराजू काजा, सहायक प्रोफेसर, वास्तुकला योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
16.	श्री भास्कर गौड सुदागानी, सहायक प्रोफेसर आयोजना, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य

1.5 अध्ययन बोर्ड

1.5.1 *वास्तुकला शैक्षणिक मंडल*

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
विभाग		
1.	प्रो.(डा.) रमेश श्रीकोंडा आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	अध्यक्ष
2.	श्री वेंकट कृष्ण कुमार साधू उप आचार्य, वास्तुकला विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
3.	श्री विजयानंद उदयकुमार उप आचार्य, वास्तुकला विभाग योजना तथ वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
4.	श्रीनागराजू काजा सहायक आचार्य, वास्तुकला विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
5.	श्री कार्तिक जी, सहायक आचार्य, वास्तुकला विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
बाह्य शैक्षणिक विशेषज्ञ		
6.	प्रो. जयदीप बर्मन, आचार्य एवं अध्यक्ष, वास्तुकला एवं क्षेत्रीय योजना विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, भारत	सदस्य
7.	प्रो. डॉ. टी. श्रीनिवास, आचार्य, वास्तुकला विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिचिरापल्ली, तमिलनाडु-620015, भारत	सदस्य

8.	प्रो. डा. ओ.पी. बवाने प्रोफेसर एवं डीन (प्रशा.), वास्तुकला कॉलेज, आरवीसीई, बैंगलौर-560098, भारत	सदस्य
व्यावसायिक विशेषज्ञ		
9.	श्री यतिन पांड्या, फुटप्रिंटस - अर्थ (पर्यावरण वास्तुकला अनुसंधान प्रौद्योगिकी आवास) मिलन बंगला, सरगम फ्लैट लेन, गिरिवर सोसायटी के पास, नवजीवन पोस्ट, अहमदाबाद-380014, गुजरात, भारत	सदस्य
10.	श्री स्नेहांशु मुखर्जी टी.ई.ए.एम. (टीम फॉर इंजीनियरिंग आर्किटेक्चर एंड मैनेजमेंट) 1820, बह्मपुत्र अपार्टमेंट्स, सेक्टर 29, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश, भारत	सदस्य
11.	श्री एड्गर डिमेली मुख्य वास्तुकार, एड्गर डिमेली आर्किटेक्ट्स 5/7 मिल्टन स्ट्री, कूक टाउन, बैंगलूरू-560005, भारत	

1.5.2 आयोजना शैक्षणिक मंडल

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
विभाग		
1.	डा. आयोन के. तरफदार उप आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	अध्यक्ष
2.	श्री भास्कार गौड़ सुदागनी सहायक आचार्य, योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य
3.	श्री वल्लियप्पन ए. एल सहायक आचार्य, योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा	सदस्य (सितम्बर, 2011 से)
बाह्य शैक्षणिक विशेषज्ञ		
4.	प्रो. (डा.) महावीर आचार्य, भौतिक योजना विभाग योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य
5.	प्रो. रवि आनंद कमल, अध्यक्ष, वास्तुकला, जे.एन.टी.यू. एंड एफ.ए. यूनिवर्सिटी, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, हैदराबाद	सदस्य

6.	प्रो. डा. सोमनाथ सेन, प्रोफेसर, वास्तुकला, जे.एन.टी.यू. एंड एफ.ए. यूनिवर्सिटी योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, हैदराबाद	सदस्य
व्यावसायिक विशेषज्ञ		
7.	श्री बी.आर. बालचंद्रन एम.डी. अलकैमी कंसलटेंट्स, बैंगलूरू	सदस्य
8.	श्री देबाशीष पॉल वरिष्ठ योजनाकार, कोलकाता महानगर विकास प्राधिकरण, कोलकाता	सदस्य
9.	श्री ए. गीतकुमार मुख्य शहरी योजनाकार, मणिपुर राज्य सरकार, इंफाल, भारत	सदस्य

2.0 शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टॉफ

संस्थान के अध्यक्ष

प्रो. डा. सुंदर राजन एस
निदेशक (26.10.2012 से)

प्रो. डा. शोवन के. साहा
निदेशक (25.10.2012 तक)

प्रो. डा. साहा एसपीएवी के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टॉफ के साथ

2.1. 31.03.2013 की स्थिति के अनुसार संकाय सदस्य

वास्तुकला विभाग

प्रो. डा. रमेश श्री कोन्डा
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, वास्तुकला विभाग,
अर्हताएं: बी. ऑर्क, एम. प्लॉन, आईआईटी, नई दिल्ली से भवन ऊर्जा अध्ययन में पीएच.डी

वर्ष के दौरान प्रकाशित पत्र/लेख:-

- भारतीय राष्ट्रीय सहकारी आवासीय फैडरेशन, 2012 द्वारा संवर्धित विश्व आवास दिवस बुलेटिन/जर्नल में "एजिंग पॉप्यूलेशन इन चैंजिंग सिटीज एंड बिल्ट एन्वॉयरनमेंट"
- आगामी पीढ़ी की शिक्षा सह पत्रिका, 2013 - द हिन्दु में प्रकाशित "द मदर ऑफ ऑल आर्टस"

सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशालाओं में उपस्थिति:-

- अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक अनुसंधान प्रतिष्ठान, विजयवाड़ा द्वारा फरवरी, 2013 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सूचना एवं इंजीनियरी सेवा सम्मेलन (आईसीआईईएस) में मुख्य अतिथि।

- जुलाई, 2012 में अनुसंधान केन्द्र, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में पीएच.डी की मौखिक परीक्षा (वायवा-वोस) में ज्यूरी सदस्य

विजय आनंद उदयकुमार
एसोसिएट प्रोफेसर, वास्तुकला
अर्हताएं: बी. ऑर्क, एम. ऑर्क.
विशेषज्ञता क्षेत्र: वास्तुकला सुविधा, स्वास्थ्य डिजाइन, परियोजना प्रबंधन

वेंकट कृष्ण कुमार साधु,
एसोसिएट प्रोफेसर, वास्तुकला
अर्हताएं: बी. ऑर्क, एम. प्लॉन (आवासीय)
विशेषज्ञता क्षेत्र: वास्तुकला, आवासीय, रियल एस्टेट अध्ययन

नागराजू काजा
सहायक प्रोफेसर,
अर्हताएं: बी. ऑर्क, एम.ई. (निर्माण प्रबंधन),
विशेषज्ञता क्षेत्र: निर्माण प्रबंधन, भवन सेवा

वर्ष के दौरान प्रकाशित पत्र:-

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

- वास्तुकला और सिविल इंजीनियरी में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एएआरसीवी 2012), आईबीएसएन 978-93-82338-01-7, एमएसआरआईटी, बंगलौर की सम्मेलन कार्यवाही में प्रकाशित "सस्टेनेबल कांक्रीट विद वेस्ट मैटिरियल एंड द इकॉनॉमिक्स इन्वोल्वड"

- सिविल, संरचनात्मक, पर्यावरणीय तथा अवसंरचनात्मक इंजीनियरी अनुसंधान एवं विकास के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेसीएसईआईईआरडी), आईएसएसएन सं. 2249-6866, खंड 2, अंक 3, चेन्नई, पी.पी. 42-51 में प्रकाशित "रिव्यू ऑफ बिल्ट एन्वॉयरनमेंट इम्पैट ऑन क्लाइमेट चैंज, डिजाइन स्ट्रैटिजिस फॉर रिडक्शन'

- मानविकी तथा समाज विज्ञान समीक्षा, आईएसएसएन: 2165-6258, खंड 1, सं. 3, 477-482, 2012 में प्रकाशित "रि-इंवेंटिंग ट्रेडिशनल टैक्नॉलॉजी फॉर द सस्टेनेबिलिटी ऑफ एन्वॉयरनमेंट इन ट्रॉपिकल एरियाज ऑफ इंडिया"

- अंतर्राष्ट्रीय सूचना और इंजीनियरी विज्ञान सम्मेलन (आईसीआईईएस-2013), आईएसबीएन-978-93-81538-92-0, विजयवाड़ा, फरवरी, 2013 पी.पी. 22-23 की सम्मेलन कार्यवाही में प्रकाशित "एडॉप्शन इशुज इन अर्बन सैटलमेंटस फॉर क्लाइमेट चैंज इंपैक्टस"

सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशालाओं में उपस्थिति:-

- **30** अगस्त - 01 सितम्बर, 2012 के दौरान ऑरोविले, पुद्दुचेरी में ऊर्जा समर्थित आवास पर कार्यशाला

- 30 अक्तूबर - 01 नवम्बर, 2012 के दौरान हैदराबाद में एसपीए, विजयवाड़ा का प्रतिनिधित्व करते हुए आईजीबीसी द्वारा आयोजित ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2012

- **20** फरवरी, 2013 को विजयवाड़ा में एसपीए, विजयवाड़ा का प्रतिनिधित्व करते हुए सीआईआई, सीआरईडीएआई द्वारा आयोजित ग्रीन बिल्डिंग सेमिनार

अनिल कुमार चौ.
सहायक प्रोफेसर
अर्हताएं: बी. ऑर्क, एम. ऑर्क
विशेषज्ञता क्षेत्र: वास्तुकला, शहरी डिजाइन

सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशालाओं में उपस्थिति:-

- 30 अक्तूबर - 01 नवम्बर, 2012 के दौरान हैदराबाद में एसपीए, विजयवाड़ा का प्रतिनिधित्व करते हुए आईजीबीसी द्वारा आयोजित ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2012
- **20** फरवरी, 2013 को विजयवाड़ा में एसपीए, विजयवाड़ा का प्रतिनिधित्व करते हुए सीआईआई, सीआरईडीएआई द्वारा आयोजित ग्रीन बिल्डिंग सेमिनार

कार्तिक जी.
सहायक प्रोफेसर
अर्हताएं: बी. ऑर्क, एम. ऑर्क (शहरी डिजाइन)
विशेषज्ञता क्षेत्र: वास्तुकला, शहरी डिजाइन

वर्ष के दौरान प्रकाशित पत्र:-

- वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रकाशन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 2, अंक 12, दिसम्बर, 2012 अंक, आईएसएसएन सं. 2250-3153 में प्रकाशित "यूजर रिफान्मेंटस इन आर्किटेक्चरल स्पेस"

- **22-23** फरवरी, 2013 के दौरान विजयवाड़ा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सूचना और इंजीनियरी सेवा सम्मेलन में और अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरी विज्ञान अनुसंधान जर्नल, आईएसएसएन सं. 2320-4338, खंड-1, अंक-1, विजयवाड़ा, 2013 में प्रकाशित "एक्सप्लोरिंग सोशल एंड इकॉनॉमिक इंपैक्ट ऑन द बिल्ट स्पेस इन द टैलीकॉम

- **18-19** मार्च, 2013 के दौरान सिंगापुर में हुए पहले वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वास्तुकला और सिविल इंजीनियरी सम्मेलन में तथा पहले वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वास्तुकला और सिविल इंजीनियरी सम्मेलन, सिंगापुर, आईएसएसएन सं. 2301-394 X की कार्यवाही में प्रकाशित "टैक्नॉलॉजी एंड द फ्यूचर ऑफ सिटीज"

सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशालाओं में उपस्थिति:-

- 30 अगस्त - 01 सितम्बर, 2012 के दौरान पुद्दुचेरी में ऊर्जा समर्थित आवास पर कार्यशाला

आरएनएस मूर्ति
सहायक प्रोफेसर,
अर्हताएं: बी. ऑर्क.
विशेषज्ञता क्षेत्र: वास्तुकला, पर्यावरणीय आयोजना

वर्ष के दौरान प्रकाशित पत्र:-

- **22-23** फरवरी, 2013 के दौरान विजयवाड़ा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सूचना और इंजीनियरी सेवा सम्मेलन में और अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरी विज्ञान अनुसंधान जर्नल, आईएसएसएन सं. 2320-4338, खंड-1, अंक-1, विजयवाड़ा, 2013 में प्रकाशित "द सैंसिबल यूटीलॉइजेशन ऑफ अर्बन वॉटर रिसोर्स"

श्रीनिवास डी
सहायक प्रोफेसर,
अर्हताएं: बी. ऑक, एम. प्लॉनिंग (आवासीय)
विशेषज्ञता क्षेत्र: वास्तुकला, आवासीय

वर्ष के दौरान प्रकाशित पत्र:-

- 17-19 अगस्त, 2012 के दौरान आयोजित बीआरसी प्रोन्नत विज्ञान और इंजीनियरी टैक्नॉलॉजी विश्व सम्मेलन में और अंतर्राष्ट्रीय भू-विज्ञान तथा इंजीनियरी जर्नल, आईएसएसएन 0974-5904, खंड-5, सं. 04(01), विजयवाड़ा 2012 में प्रकाशित "चैंजिंग ट्रैंडस इन फ्केड्स: एन ओवरव्यू - एन अप्रोच थ्रू स्टाइल, मूवमेंटस, करैक्टर, मैटीरियल, टैक्नॉलॉजी और ट्रांसफॉरमेंशन"

- 22-23 फरवरी, 2013 के दौरान आयोजित बीआरसी प्रोन्नत विज्ञान और इंजीनियरी टैक्नॉलॉजी विश्व सम्मेलन में और अंतर्राष्ट्रीय भू-विज्ञान तथा इंजीनियरी जर्नल, आईएसएसएन 2320-4338, खंड-1, सं. 1, विजयवाड़ा 2013 में प्रकाशित "एप्लीकेशन ऑफ ट्रैडिशनल डिजाइन, फॉर्म, स्टाइल एंड कन्सैप्टस इन कन्टैम्पोरी इंटीरियर्स"

- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार अनुसंधान जर्नल, आईएसएसएन सं. 2320-6942, खंड 1, अंक 1, विजयवाड़ा-2013 में प्रकाशित "रोल ऑफ विमन इन द प्रोफेशन ऑफ आर्किटेक्चर"

सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशालाओं में उपस्थिति:-

- 20 फरवरी, 2013 को विजयवाड़ा में एसपीए, विजयवाड़ा का प्रतिनिधित्व करते हुए सीआईआई, सीआरईडीएआई द्वारा आयोजित ग्रीन बिल्डिंग सेमिनार

क्रांति कुमार एम.
सहायक प्रोफेसर,
अर्हताएं: बी. ऑर्क, एम.एस. (निर्माण प्रबंधन)
विशेषज्ञता क्षेत्र: वास्तुकला, परियोजना प्रबंधन

जगत कुमारी डी
सहायक प्रोफेसर,
अर्हताएं: बी.ई. (सिविल), एम.ई. (संरचनाएं)
विशेषज्ञता क्षेत्र: संरचनात्मक इंजीनियरी

वर्ष के दौरान प्रकाशित पत्र:-

- 07-08 जुलाई, 2012 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सिविल इंजीयिरी और सामग्री सम्मेलन में और सिविल इंजीनियरी सामग्री जर्नल, पेरिस, 2012 में प्रकाशित "ए सोल्यूशन फॉर कोरोसन इफैक्ट ऑफ इयूरेबल कांक्रीट स्ट्रक्चर्स"

- इंजीनियरी और प्रोन्नत विज्ञान के वैश्विक जर्नल, खंड 2, सं. 3, जुलाई, 2012, आईएसएसएन 2249-2631 (ऑनलाइन), आईएसएसएन 2249-2623 (मुद्रित), पी.पी. 283-285 में "रीसाइकलिंग एंड रीयूज ऑफ वेस्ट वॉटर फॉर सस्टेनेबल अर्बनिजम" "

- अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरी विज्ञान अनुसंधान जर्नल, आईएसएसएन सं. 2320-4338, खंड 1, 2013 में "स्टडीज ऑन स्ट्रेन्थिनिंग ऑफ स्ट्रक्चर्स विद एफआरसी"

आयोजना विभाग

डा. आयोन के. तरफदार
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, आयोजना विभाग,
अर्हताएं: बी. प्लॉन, एम.एस. (शहरी पारिस्थितिकी आयोजना), पीएच.डी (नार्वे)
विशेषज्ञता क्षेत्र: शहरी आयोजना, पर्यावरणीय आयोजना

वर्ष के दौरान प्रकाशित पत्र:-

- फिटजराल्ड जे. और माइकल एम. जू. (ईडीएस) - सिटीज एंड सस्टेनेबिलिटी में "सस्टेनेबिलिटी इन प्रैक्टिस" (पुस्तक का अध्याय 26)। आईएसबीएन: 978-0-415-67099-9, राउटलैज, 2012

एस. भास्कर गौड
सहायक प्रोफेसर,
अर्हताएं: बी.टेक, एम. प्लॉन (परिवहन आयोजना)
विशेषज्ञता क्षेत्र: सिविल इंजीनियरी, परिवहन आयोजना

वलीयप्पन एएल
सहायक प्रोफेसर,
अर्हताएं: बी. ऑर्क, एम. प्लॉन (आवासीय),
विशेषज्ञता क्षेत्र: वास्तुकला, आवासीय

2.2 . 31.03.2013 की स्थिति के अनुसार प्रशासन

1. डा. एस. सुंदरराजन
   निदेशक

2. डा. पी. कृष्ण मोहन
   कुलसचिव

3. पी. वी. एस. श्याम कुमार
   सहायक कुलसचिव (वित्त, स्थापना)

4. एम. जनार्दन रेड्डी
   बहु-कौशल सहायक

5. नरेन्द्र सिंह बिष्ट
   बहु-कौशल सहायक

6. सुश्री नीलम भट्ट
   बहु-कौशल सहायक

7. पी. लीला वारा प्रसाद,
   लेखाकार

8. वी. पवन कुमार
   लेखाकार

9. वेंकट नारायण वल्लूरू
   प्रयोगशाला परिचायक

3.0 संकाय द्वारा किया गया शिक्षण कार्य

3.1 वास्तुकला संकाय

क्र.सं.	संकाय का नाम	I चरण (सेमेस्टर)	II चरण (सेमस्टर)
1	डा. रमेश एस	III वर्ष -वास्तुकला इतिहास V वर्ष -वास्तुशिल्पीय डिजाइन	III वर्ष - वास्तुकला इतिहास IV वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन
2	एस. वेंकट कृष्ण कुमार	I वर्ष -भवन निर्माण III वर्ष -व्यवस्थापन थ्यौरी II वर्ष -वास्तुकला इतिहास	III वर्ष -वास्तुकला इतिहास II वर्ष -भवन निर्माण IV वर्ष -वास्तुशिल्पीय डिजाइन
3	विजयानंद यू.	II वर्ष -भवन निर्माण II वर्ष -वास्तुशिल्पीय डिजाइन	IV वर्ष -भवन निर्माण III वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन
4	नागाराजू काजा	III वर्ष -भवन विज्ञान और सेवा (लाइटिंग और ध्वनि विज्ञान) V वर्ष -परियोजना प्रबंधन I वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन	III वर्ष -भवन निर्माण III वर्ष -सुरक्षा और संप्रेषण II वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन
5	अनिल कुमार चौ.	V वर्ष -सेमिनार II वर्ष -कला अभिमूल्यन III वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन	II वर्ष -भवन निर्माण II वर्ष -कला अभिमूल्यन I वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन

6	श्रीनिवास डी.	II वर्ष -व्यवस्थापना थ्योरी V वर्ष -उन्नत भवन प्रौद्योगिकी III वर्ष -भवन निर्माण I वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन	V वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन थिसिस I वर्ष -डिजाइन थ्योरी I वर्ष -भवन निर्माण
7	कार्तिक जी.	V वर्ष -सेमिनार III वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन III वर्ष -डिजाइन थ्योरी	III वर्ष -डिजाइन थ्योरी I वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन IV वर्ष -शहरी डिजाइन (इलैक्टिव) III वर्ष -व्यवस्थापन आयोजना थ्योरी
8	मूर्ति आरएनएस	II वर्ष -भवन विज्ञान और सेवा (पानी एवं वेस्ट प्रबंधन) I वर्ष -ग्राफिक्स III वर्ष -भवन निर्माण	I वर्ष -ग्राफिक्स III वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन III वर्ष -भवन निर्माण
9	क्रांति कुमार एम.	I वर्ष -भवन निर्माण II वर्ष -कला अभिमूल्यन II वर्ष -वास्तुशिल्पीय डिजाइन	V वर्ष - वास्तुशिल्पीय डिजाइन थिसिस I वर्ष -भवन निर्माण II वर्ष -कला अभिमूल्यन
10	जगत कुमारी	I वर्ष -संरचना थ्योरी II वर्ष -संरचना थ्योरी	II वर्ष -संरचना थ्योरी III वर्ष -अनुमान लगाना

3.2 आयोजना संकाय

क्र.सं.	संकाय का नाम	I चरण (सेमेस्टर)	II चरण (सेमस्टर)
1	डा. आयोन तरफदार	I वर्ष- संप्रेक्षण कौशलों की प्रस्तावना II वर्ष – जियोइंफारमेटिक्स II वर्ष -आयोजना तकनीके-II वर्ष IV वर्ष –ग्रामीण और संसाधन आयोजना IV वर्ष – आयोजना सूचना प्रणाली IV वर्ष – शहरी प्रबंधन II वर्ष –उप-सिटी अंचल योजना तैयार करना-वैल्लाचेरी तथा टी.नगर चेन्नई हेतु क्षेत्र विकास योजना	II वर्ष – औपचारिक क्षेत्र की आयोजन प्रबंधन II वर्ष – आयोजना थ्योरी II III वर्ष - औपचारिक क्षेत्र की आयोजना और प्रबंधन IV वर्ष – तकनीकी रिपोर्ट लेखन III वर्ष - छोटे टाउन हेतु मास्टर प्लान तैयार करना - उदगमंडलम

		IV वर्ष –जिला विकास योजना तैयार करना - उडूपी III वर्ष –छोटे टाउन हेतु मास्टर प्लान तैयार करना - पुरी	
2	वलीयप्पन एएल	I वर्ष –भवन सामग्री, निर्माण और संरचना II वर्ष –आयोजना थ्योरी –I III वर्ष -छोटे टाउन हेतु मास्टर प्लान तैयार करना - पुरी	I वर्ष – जनसांख्यिकी, शहरीकरण तथा व्यवस्थापन भूगोल II वर्ष – आयोजना थ्योरी III वर्ष – शहरी डिजाइन और संरक्षण
3	भास्कर गौड	II वर्ष –आयोजना तकनीके II II वर्ष – पर्यावरण विज्ञान I वर्ष - जनसांख्यिकी, शहरीकरण तथा व्यवस्थापन भूगोल	II वर्ष –ट्रैफिक और परिवहन आयोजना I III वर्ष - जनसांख्यिकी तथा शहरीकरण III वर्ष - ट्रैफिक और परिवहन आयोजना II वर्ष - जियोइंफारमेटिक्स I II वर्ष –आयोजना तकनीकें II वर्ष –मानव व्यवस्थापन हेतु अवसंरचना प्रस्तावना

3.3 अतिथि संकाय

विद्यालय अपने विद्यार्थियों को आंतरिक संकाय के साथ-साथ अतिथि/बाह्य संकाय के दौरे भी सुलभ कराता है। कई कार्यरत वास्तुकार एवं आयोजनाकार थ्योरी तथा स्टूडियो विषयों की कक्षा लेते हैं।

3.3.1 <u>वास्तुकला विभाग</u>

क्र.सं.	नाम	विवरण	विशेषज्ञता विषय
1	प्रो. मनोज माथुर	प्रोफेसर, एसपीए, दिल्ली	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, डिजाइन थ्योरी
2	श्री जी. विवेकानंद स्वामी	कार्यरत वास्तुकार, विजयवाड़ा	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, भवन निर्माण

3	श्री ल्योनार्ड हार्पर	कार्यरत वास्तुकार, विजयवाड़ा	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, भवन निर्माण
4	सुश्री वंदना शौरी	चित्रकार एवं कार्यरत वास्तुकार, नई दिल्ली	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, वास्तुशिल्पीय ग्राफिक्स
5	श्री गणेश कुमार	कार्यरत वास्तुकार, चेन्नई	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, भवन निर्माण, भवन सामग्री
6	प्रो. अनुराग रॉय	विभागाध्यक्ष, सुशांत स्कूल, गुडगांव	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, भवन निर्माण, भवन सामग्री
7	श्री यू.एस. मणिविल्वन	कार्यरत वास्तुकार, चेन्नई	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, भवन निर्माण
8	श्री काकूलाल सोहनी	कार्यरत वास्तुकार	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, भवन निर्माण
9	श्री उदय पलनीतकर	चित्रकार और आंतरिक डिजाइनर, बैंगलौर	वास्तुशिल्पीय ग्राफिक्स
10	डा. बाला रत्नाकर	अतिथि संकाय, एएनयू	कम्प्यूटर ग्राफिक्स, गणित
11	श्री के.एस. चेतन	कार्यरत वास्तुकार, बैंगलौर	वास्तुशिल्पीय डिजाइन
12	श्री परिसुता राजन	कार्यरत वास्तुकार, पांडिचेरी	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, लैंडस्केप वास्तुकला
13	सुश्री चौ. विजया लक्ष्मी	कार्यरत वास्तुकार	भवन निर्माण
14	सुरी बी.वी. लक्ष्मी	कार्यरत वास्तुकार	भवन निर्माण
15	श्री के.एम. राजन	कार्यरत वास्तुकार, चेन्नई	वास्तुशिल्पीय डिजाइन
16	श्री एस.वी. गिरि बाबू	व्याख्याता, राजकीय पॉलिटेनिक कॉलेज, विजयवाडा	संरचनात्मक इंजीनियरी, सर्वेक्षण
17	श्री आर.वेणु	व्याख्याता, राजकीय पॉलिटेनिक कॉलेज, विजयवाडा	संरचनात्मक इंजीनियरी, सर्वेक्षण

18	श्री डाम्मिक हार्पर	कार्यरत वास्तुकार, विजयावाड़ा	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, वास्तुशिल्पीय ग्राफिक्स तथा भवन निर्माण
19	श्री के.प्रसन्ना कुमार	कार्यरत वास्तुकार एवं उत्पाद डिजाइनर हैदराबाद	वास्तुशिल्पीय डिजाइन, वास्तुशिल्पीय ग्राफिक्स तथा भवन निर्माण
20	सुश्री ज्योत्सना कल्याणी	कार्यरत वास्तुकार, गुंटूर	भवन निर्माण
21	सुरी वी.करूणा कुमार	एसएआर वास्तुकला कॉलेज, विजयवाड़ा	भवन निर्माण
22	श्री योगेश पारिख	कार्यरत वास्तुकार, विजयवाड़ा	भवन निर्माण, वास्तुशिलीय ग्राफिक्स, डिजाइन थ्योरी

3.3.2 आयोजना विभाग

क्र.सं.	नाम	विवरण	पढ़ाया गया विषय
1.	श्री पी.पवन कुमार	सह.प्रोफेसर, वास्तुकला विभाग, बैंगलोर वि.वि.	मानव व्यवस्थापन का विकास, परिदृश्य आयोजना, समाजशास्त्र
2.	श्री एम.वी. सरमा	वरिष्ठ प्लॉनर, वीजीटीएम यूडीए, विजयवाड़ा	व्यवस्थापन भूगोल, विकास आयोजना, शहरी प्रबंधन, अर्थशास्त्र तत्व, आयोजना विधान
3.	श्री चौ. किशोर कुमार	कार्यरत चार्टर्ड एकाउंटेंट, मछलीपट्टनम	परियोजना आयोजना एवं नियंत्रण, सार्वजनिक वित्त
4.	डा. पी. सरथ बाबू	व्याख्याता, आचार्य नागार्जुन वि.वि., गुंटूर	अनुप्रयुक्त भू-विज्ञान और जल-विज्ञान
5.	श्री रामाणी वेणु	व्याख्याता, राजकीय पॉलिटेक्निक, विजयवाड़ा	फोटोग्रामेट्री सर्वेक्षण, संरचनाएं, मात्रा सर्वेक्षण और निर्दिष्टीकरण
6.	श्री काकूलाल सोहनी	कार्यरत वास्तुकार, हैदराबाद	आवासीय एवं समुदाय आयोजना, सुविधाएं एवं सेवाएं आयोजना, समाजशास्त्र तत्व, समाजशास्त्र व्यवस्थापन तत्व
7.	श्री वाई. विजय कुमार	कार्यरत वास्तुकार, हैदराबाद	आयोजना एवं डिजाइन लैब-1, ग्राफिक्स एवं प्रस्तुतिकरण तकनीकें

8.	श्री वी. अंजी रेड्डी	सहायक प्रोफेसर, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर	राजनैतिक प्रणालियां और आयोजना
9.	श्री कोमाली महीजा एस	व्याख्याता, नोबल कॉलेज, मछलीपट्टनम	मात्रात्मक पद्धतियां
10.	श्री डोमिनीक हार्पर	कार्यरत वास्तुकार, विजयवाड़ा	कम्प्यूटर एप्लीकेशनस
11.	प्रो. डा. आई.वी. मुरली कृष्णा	प्रोफेसर एवं डीन (सेवानिवृत्त) जेएनटीयू, हैदराबाद	जियोइंफोर्मेटिक्स-।।
12.	सुश्री गौरी शांति	कार्यरत प्लॉनर, विजयवाड़ा	शहरी और क्षेत्रीय आयोजना की भूमिका, पारिस्थितिकी और पर्यावरण, अनौपचारिक क्षेत्र की आयोजना एवं प्रबंधन
13.	श्री वेंकेटेश्वर राव	कार्यरत प्लॉनर	आयोजना अभ्यास-।, व्यावसायिक अभ्यास

4.0 अकादमिक कार्यक्रम

अवर स्नातक कार्यक्रम	**वार्षिक क्षमता**
वास्तुकला में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम (5 वर्ष)	75
आयोजना में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम (4 वर्ष)	30
वास्तुकला और आयोजना में डॉक्टरोल कार्यक्रम	**20**

5.0 विद्यार्थियों का विवरण

सारणी-1: 2008-09 से 2012-13 तक दाखिल विद्यार्थियों की संख्या

पाठ्यक्रम	**प्रथम वर्ष (2008-09)**	**द्वितीय वर्ष (2009-10)**	**तृतीय वर्ष (2010-11)**	**चतुर्थ वर्ष (2011-12)**	**पंचम वर्ष (2012-13)**
बी.आर्क.	69	67	64	73	73
बी.प्लॉन	27	17	16	29	29
कुल	**96**	**84**	**80**	**102**	**102**

सारणी 2: 2012-13 के दौरान विभिन्न श्रेणियों के तहत् भरी गई सीटों की संख्या

पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणियां									कुल
	ओजी	ओजी - पीएच	एस सी	एससी-पीएच	एसटी	एसटी - पीएच	ओबी सी	ओबी सी-पीएच	विशेष श्रेणी	
वास्तुकला में स्नातक	36	01	11	0	05	0	19	01	01	**73**
आयोजना में स्नातक	14	01	04	0	02	0	08	0	-	**29**
कुल:	**50**	**02**	**15**	**0**	**07**	**0**	**27**	**01**	**01**	**102**

ओजी – मुक्त सामान्य एससी – अनुसूचित जाति एसटी – अनुसूचित जनजाति ओबीसी – अन्य पिछड़ा वर्ग एससीपीएच – अनुसूचित जाति शारीरिक विक्लांग एसटीपीएच – अनुसूचित जनजाति शारीरिक विक्लांग ओजीपीएच – मुक्त सामान्य शारीरिक विक्लांग ओबीसीपीएच – अन्य पिछड़ा वर्ग शारीरिक विक्लांग

सारणी 3: 2008-09 से 2012-13 तक महिला-पुरूष विद्यार्थियों की संख्या

वर्ष	बी.आर्क.			बी.प्लॉनिंग			कुल लड़के	कुल लड़कियां	कुल विद्यार्थी
	लड़के	लड़कियां	कुल	लड़के	लड़कियां	कुल			
2008-09	**49**	**20**	**69**	**20**	**7**	**27**	**69**	**27**	**96**
2009-10	**46**	**21**	**67**	**13**	**4**	**17**	**59**	**25**	**84**
2010-11	**41**	**23**	**64**	**11**	**5**	**16**	**52**	**28**	**80**
2011-12	**52**	**21**	**73**	**21**	**08**	**29**	**73**	**29**	**102**
2012-13	**55**	**18**	**73**	**18**	**11**	**29**	**73**	**29**	**102**
कुल विद्यार्थी									**464**

6.0 परिसर विकास

प्रस्तावित एसपीएवी परिसर

आईआईटी रोड विजयवाड़ा में सात एकड़ पर प्रस्ताविक एसपीएवी के लिए प्रवेश वर्ष 2011 के दौरान दो स्टेज की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के माध्यम से चुना गया। ईनाम जीतने वाली प्रतियोगिता मुम्बई स्थित वास्तुविद शांतनु पोरेडी से थी। परिणामस्वरूप चर्चा और बातचीत के पश्चात् एसपीएवी और वास्तुविद शांतनु पोरेडी के बीच 23 अप्रैल, 2012 को करार पर हस्ताक्षर किए गए और एसपीएवी और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (निष्पादित अधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर भी 10 जुलाई 2012 को हस्ताक्षर किए गए। डिजाइन और निष्पादन के काम को बढ़ाने के लिए श्री बलवीर वर्मा (अध्यक्ष), समिति का श्री शांतनु बलिगा, डा. एस. रमेश और श्री जी.के. कार्तिक से युक्त समिति का गठन किया गया।

विस्तृत चर्चा व बैठकों के पश्चात् अधिशासी बोर्ड द्वारा 08 जनवरी 2013 को हुई बैठक के दौरान आईएनआर 130 करोड़ की अनुमानित परियोजना लागत के साथ परिसर के लिए स्टेज-। अवधारणा योजना का अनुमोदन किया। विजय प्रविष्टी में आपसी अंतरालों के बहुसंख्यक संगम के भीतर सामूहिक अधिगम संस्कृति पर फोकस किया।

AERIAL VIEW OF MODEL – NORTH WEST

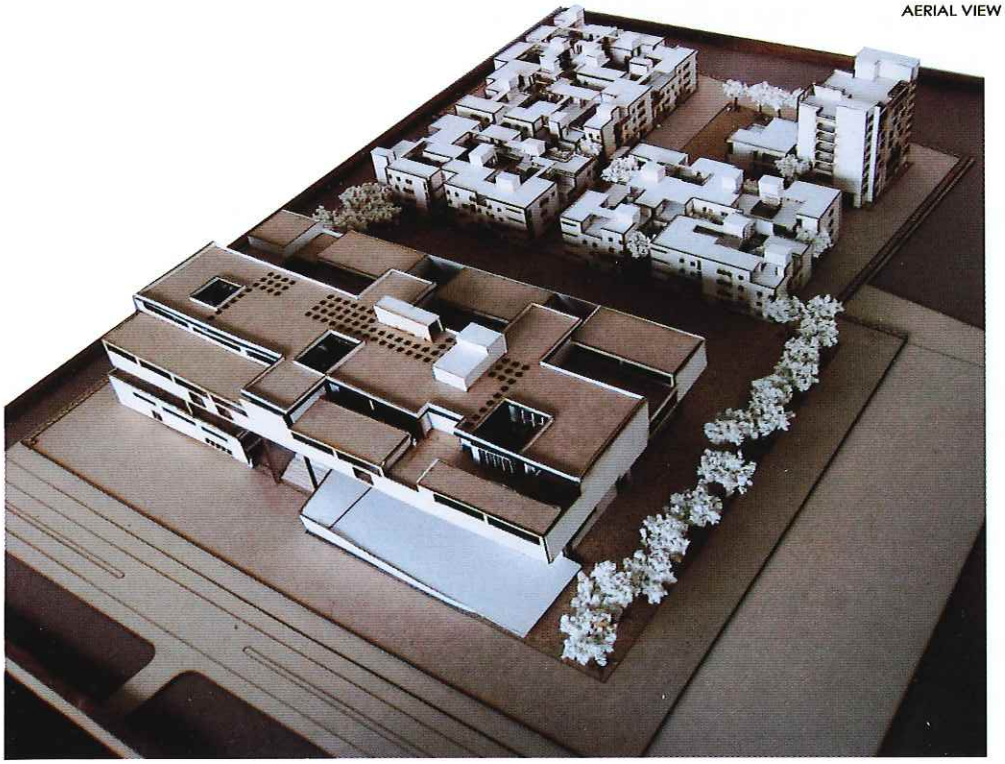

संकल्पना: सामूहिक अधिगम संस्कृति

ज्ञान के विस्तार की परम्परा नानाविध सामुदायिक अनुमान में स्थित होती हे। समुदाय और व्यक्ति की एक दूसरे पर निर्भरता शैक्षिक संस्था की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है जिसमें विभिन्नता और अधिगम के सुअवसरों का सृजन होता है। एक दूसरे पर निर्भर होने का कार्यक्रम बहुयायत में पारस्परिक गुंजाइश प्रदान करता है जिससे सामुदायिक अनुभव विकसित होता है।

ये संबंध विमितीम समूह में संरचित हुए हैं जो विभिन्न कार्यक्रमों की एकान्तता के चलन और विभिन्न स्तरों द्वारा सूचित होते हैं। यह प्रमुख विचार तंग गलियों वाले पारम्परिक भारतीय कस्बे से लिया गया है जो आधुनिक वास्तुशिल्प छात्र समुदाय के वास्तुशिल्प और शहरीकरण के पारम्परिक सिद्धांतों की पुष्टि करता है। इसकी संभावना सूक्ष्म और किसी समय क केन्द्रीय स्थानिक अनुभव के भीतर पाई जाती है।

मास्टर प्लान में परिसर को विजयवाड़ा शहरी में एक सांस्थानिक केन्द्र बनाने का प्रयास किया गया है। सांस्थानिक भवन सम्पूर्ण परिसर के प्रवेश द्वार और अंतरापृष्ट के रूप में कार्य करता है जिसमें लोगों को मध्यस्थता, निस्थ्दकता और माध्यम से जन कार्यकलाप के स्तर से अर्द्धजन कार्यक्रमों में ले जाया जाता है।

आवास मास्टर प्लान को अगली सतह है जिसमें छात्र के लिए एकांतता और संकाय आवास के अलग-अलग स्तर हैं। ये स्थल प्रतिरोधक और छोटे-छोटे प्रांगण तथा बड़ी खुली-खुली मनोरंजन हैं।

संस्थान ब्लॉक

भवन में विभिन्न किस्म की प्रवृत्ति है जिसमें गतिशील शिक्षण की सशक्त अभिव्यक्ति बनती है। भवन को खंड में विभाजित किया गया है जिसमें तीन बड़े भाग हैं, जो दिन के भिन्न-भिन्न समय में सक्रिय होते हैं।

पैरासोल रूफ - भवन का सबसे ऊपर का खंड में शिक्षण का प्रात: कालीन पाठ्यचर्या के लिए है जैसे कि कक्षा-कक्ष और स्टूडियो। यह निचले फ्लोरों के लिए वालूमैट्रिक पैरासोल रूफ के रूप में भी कार्य करता है।

सम्मिलन – भवन का मध्यवर्ती खंड सिटलर का बना प्लेटफार्म है जिसमें छात्र-कार्यकलाप करने की अनुमति होती हे। एक सेक्शनल प्लाजा है-अनौपचारिक, सामाजिक, बौद्धिक और सृजनात्म्क आदान-प्रदान के लिए केन्द्रीय स्थल है-यह भवन का केन्द्र है। सम्मेलन स्थल का खंड वस्तुत: ऊपरी और निचले भाग से अपने-अपने स्तरों पर शून्य समच्चयों के माध्यम से जुड़ा है। यह सर्वव्यापक स्थल है जो संकाय, छात्रों, प्रशासक और आगंतुकों के कब्जे में रहता है। इस स्तर पर एक बनावटी मैदान बनता है जिसकी ऊंची छत और ओपन एयर एट्रियम है जिसमें भवन के संयोजन से प्राकृतिक रोशनी मिलती है।

भविष्य के अकादमिक ब्लाक का दृश्य

प्लेटफार्म - नीचे की योजना तैरने वाली कैनॉपी के भारी तल जैसी लगती है। यह जगह अधिगम पाठ्यचर्या के दोपहर बाद के कार्यक्रमों के लिए है जैसे कि कार्यशालाओं और प्रयोगशालाओं के लिए। ठोस प्लेटफार्म में रिक्तियां होती हैं जिनसे गर्म हवा निकल जाती है।

आवासीय

कम ऊंचे उच्च घनत्व वाले घर – घर बहुविध छोटे भवन किस्म के संतुलित क्लस्टरों में फैले हुए, विभिन्न प्रकार के आकार के इर्द-गिर्द प्रांगणों से घिरे हैं। घर में परतों की कड़ी परिभाषा को

छात्र आवास दृश्य

गलियों, बरामदों, कोर्टगार्डों और अन्य सामान्य कार्यक्रमों द्वारा विखंडित करते हैं, फिर भी वे स्थनिक कंटीनम और संयोजक स्थलों के कारण जीवनरहत विचलित होते हैं।

छात्र आवास विखंडित हैं: - डॉर्मिटरी या छात्रावास संगठनों से दूर हटकर स्थित है जो सामाजिक नियंत्रण के संगठित रूप से पोषित करते हैं। यह विखण्डन उन फर्श पर सतत है जिसके ऊपर टेरेसों और ब्रिजों के रूप में अर्द्ध प्राइवेट क्षेत्रों की जगह है जिस पर आपसी विचार-विमर्श होता है। सामान्य कक्ष बनाने और उसे छात्रों में विभाजित करने की योजना भी है जिससे कि छोटे पैमाने पर पड़ोसी के सशक्त बंधन का ध्यान रखा जाए।

संकाय आवास में एकान्नता की विभिन्न मात्राओं में लिविंग परिषद के विचार को आगे बढ़ाया गया है। गैर-शिक्षण स्टाफ परिषद के भीतर प्रोफेसरों के मुकाबले अधिक विचार-विमर्श करता है क्योंकि परिषदें निजी है और उनके प्रयोक्ता समर्पित हैं।

7.0 परिसर में अवसंरचना सुविधाएं

7.1 पुस्तकालय

मिशन

सूचना की वास्तविक और बौद्धिक सुलभता प्रदान करने द्वारा विद्यालय के शैक्षणिक और अनुसंधान कार्य-कलापों में सहायता करना।

एसपीए, विजयवाड़ा का पुस्तकालय, राष्ट्रीय ख्याति के संस्थान के लिए उपयुक्त संसाधनों से सुसज्जित है। पुस्त्कालय परिषद के प्रथम फ्लोर पर लगभग 800 वर्ग मीटर के क्षेत्र में स्थित है। पुस्तकों के स्टाफ में वास्तुशिल्प का इतिहास, प्ररिक्षण, निर्माण प्रबंधन, शहरी योजना, परिवहन योजना, संरचनाएं, वास्तुशिल्प, भू-दृश्य, भवन सेवाएं इत्यादि शामिल हैं।

वर्तमान में पुस्तकालय में 3192 पुस्तकें, 51 पत्रिकाएं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तथा 26 सामान्य मैगजीनें और सीडी का अच्छा संग्रह मौजूद है। वर्ष 2006-2013 के परिवहन अनुसंधान रिकार्ड तथा संकाय विद्वानों और दोनों के लिए आस्ट्रॉड्स की आनलाईन सुलभता उपलब्ध है। पुस्तकालय में ओपन सुलभता प्रणाली अपनाई जाती है।

सामान्य सूचना	
सीटिंग क्षमता	120
पुस्तकों की कुल संख्या	3192
परियोजना रिपोर्टें	20
राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं	51
सामान्य मैगजीनें	26

पुस्तकालय रीडिंग स्थल

पुस्तकालय इंटरनेट सेवा

डिजीटल पुस्तकालय:

पुस्तकालय में ऑनलाइन जर्नलों तक पहुंच हेतु मल्टीमीडिया और इंटरनेट सुविधा वाले 08 समर्पित कम्प्यूटर हैं।

पुस्तकालय सेवाएं:

- पठन
- तुरंत संदर्भ और परामर्श
- रेप्रोग्राफी सेवा
- उधार सेवा
- मोजूदा जागरूकता सेवा
- चयनित प्रसार सूचना सेवा
- इंटरनेट सुविधा

पुस्तकालय रीडिंग स्थल

7.2 कला प्रयोगशाला

कला प्रयोगशाला की स्थापना कला और शिल्प माध्यमों की सीमाओं के भीतर कार्य करने की आकर्षक संभावनाएं खोजने और उन्हें प्रोत्साहन देने, ड्राइंग, स्केचिंग, चित्रकारी, सेरेमिक्स, मूर्तिकला इत्यादि में तकनीकी कौशल और मूल सृजनात्मक डिजाइन विकसित करने के लिए की गई है। कला में उत्तम कौशल वाले बहुत से छात्र हैं जो विभिन्न मीडिया जैसे कोयला, पानी वाले रंगों, तेल और अक्रेलिक के साथ कार्य करते हैं। कला प्रयोगशाला मृदा मॉडल तैयार करने और विभिन्न मीडिया हेतु रंगों के साथ चित्रफलकों, कैनवास, ड्राइंग शीट, हस्तनिर्मित शीट, कोयला, पेंसिलों, ब्रश, उपकरणों से सुसज्जित है।

प्रो. डा. शोवन के. साहा, निदेशक, एसपीएवी द्वारा कला प्रयोगशाला का उद्घाटन

कला-प्रेमी चर्चा हेतु यहां इकट्ठे होते हैं और प्रयोगशाला में अपना कार्य करते हैं वे कला प्रयोगशाला में अपना कार्य करते हैं, वे कला प्रयोगशाला का कार्यशालाओं के लिए उपयोग करते हैं। इस प्रयोगशाला के भाग के रूप में, इसमें अधिक सुविधाएं और फोटोग्राफी जोड़ने हेतु सुधार करने का प्रस्ताव किया जा रहा है।

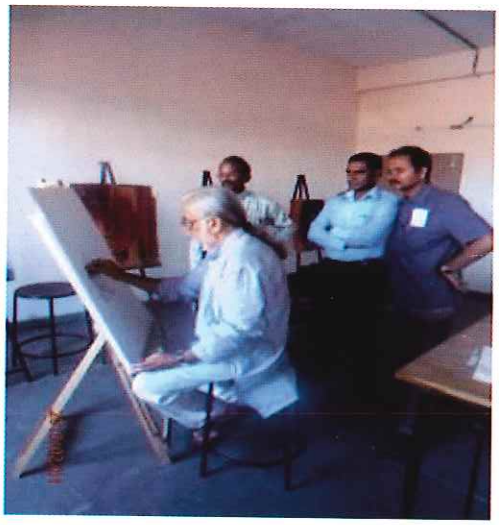

चित्रकार उदय पालनिटकर द्वारा पेंटिंग कार्यशाला

7.3 कम्प्यूटर प्रयोगशाला

नियमित कक्षा-कक्षों के अलावा, छात्रों को सीएडी और जीआईएस कार्य के लिए विभिन्न स्टूडियो और सुसज्जित, वातानुकूलित कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं सुलभ हैं। वास्तुशिल्पीय डिजाइन और शहरी आयोजना में अत्याधुनिक ग्राफिक्स तैयार करने में सक्षम अध्यातुन कम्प्यूटर प्रतिष्ठापित हैं। विद्यालय के पास आयोजना परियोजनाओं, परिवहन अध्ययनों, और स्थल माप तोल में आवश्यक नवीनतम सर्वेक्षण उपकरण भी हैं।

संस्थान ने दो कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं, वास्तुकला और आयोजना छात्रों प्रत्येक हेतु एक-एक, जिसमें क्रमश: 30 और 15 कार्यस्थान हैं, स्थापित की हैं। कक्षा-कक्ष और उद्योग के मध्य कुशल इंटरफेस को सशक्त बनाने हेतु प्रयोगशालाओं में कुछ नवीनतम लाइसेंसी सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर आधारित कार्यक्रम प्रतिष्ठापित किए गए हैं। प्रयोगशाला को संपूरक बनाने और अकादमिक/शोध आउटकम को सहयोग देने हेतु फोटोप्रति मशीनें, स्कैनर, प्रिंटर और नक्शे बनाने वाले उपलब्ध हैं। प्रयोगशाला में उपलब्ध सॉफ्टवेयरों और अन्य उपकरणों का विवरण नीचे दिया गया है।

श्रेणी	आज की तिथि के अनुसार संचयी अधिग्रहण
कम्प्यूटर	45 पीसी, 1 लेजर प्रिंटर, 1 फ्लाटर, 1 स्कैनर, 8 केवीए यूपीएस, 30 ग्राफिक कार्ड
सॉफ्टवेयर	125 ऑटोकैड 2010, 39 एमएस ऑफिस 2007, 39 कैस्पस्की बिजनेसस्पेस सिक्योरिटी

कम्प्यूटर प्रयोगशाला-I

कम्प्यूटर प्रयोगशाला-II

7.4 खेलकूद *सुविधाएं*

विद्यार्थियों के शारीरिक मनोरंजन के लिए एसपीएवी परिसर में कई खेलकूद सुविधाएं सृजित की गईं।

वॉलीबाल कोर्ट

क्रिकेट नेट

बास्केटबाल कोर्ट

7.5 अन्य सुविधाएं

भवन निर्माण अभ्यास के भाग के रूप में विद्यार्थियों की सहायता से निर्माण यार्ड का निर्माण किया गया। इस उद्देश्य के लिए कार्यशाला आयोजित करने हेतु बाह्य निर्माण विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। एनएमई-आईसीईटी के भाग के रूप में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क से संबंध होने के लिए एसपीएवी के संकाय और विद्यार्थियों को सक्षम बनाने हेतु और अकादमिक तथा उद्योग दोनों से विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यानों तक पहुंच सुलभ बनाने के लिए ए-व्यू रूम तैयार किया गया। विद्यार्थियों को स्टेशनरी, उपस्कर तथा अन्य दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए परिसर में एक स्थानीय सहकारी स्टोर की खुदरा शाखा उपलब्ध कराई गई।

प्रदर्शनी/क्रिट स्थान

निर्माण यार्ड/अहाता

अवलोकन कक्ष

सहकारी स्टोर

8.0 परिसर वृत्तांत (गैर-अकादमिक)

8.1 स्वतंत्रता दिवस 2012

15 अगस्त, 2012 को एसपीएवी परिसर में भारत का 66वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्रो. शोवन के. साहा, निदेशक ने ध्वजारोहण किया और स्वतंत्रता दिवस के महत्व के विषय में जनसभा को संबोधित किया।

विद्यार्थियों को अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु सतत् प्रयासों की आवश्यकता और एसपीएवी का उत्कृष्टता केन्द्र बनने की राह में एसपीएवी के सभी छात्रों/अधिकारियों की भूमिका के संबंध में बताया गया। सभी विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके पश्चात् एसपीएवी के विद्यार्थियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

8.2 गणतंत्र दिवस 2013

26 जनवरी, 2013 को एसपीएवी परिसर में भारत का 64वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। डा. रमेश श्री कोन्डा, विभागाध्यक्ष (वास्तुकला) ने ध्वजारोहण किया और छात्रों तथा स्टॉफ को गणतंत्र दिवस की महत्ता के साथ-साथ भारत के अच्छे नागरिक बनने के लिए समग्र व्यक्तित्व विकास की आवश्यकता के विषय में संबोधित किया। छात्रों और स्टॉफ ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके पश्चात् छात्रस्टॉफ खेल-कूद कार्यक्रम और छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

8.3 हिंदी सप्ताह

14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि 14 सितम्बर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। इस अवसर को मनाने के लिए, योजना और वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा ने 14-18 सितम्बर, 2012 के दौरान "हिंदी सप्ताह" मनाया।

विद्यालय के छात्रों के लिए सेमिनार, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, कविता-लेखन, वक्तृता कला प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्रों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की।

अंतिम दिन, डा. शोवन के. साहा, निदेशक ने छात्रों को संबोधित किया और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। श्री शिवानंदजी, हिंदी अध्यापक, राजभाषा गृह मंत्रालय को अतिथि और आयोजित प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन पर्यवेक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।

इसके अलावा, सितम्बर 2012 – नवंबर 2012 के दौरान विद्यालय में गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा, राजभाषा कार्यान्वयन यूनिट, विजयवाड़ा के परामर्श के साथ एसपीएवी के स्टॉफ हेतु कक्षाएं आयोजित की गई। श्री शिवानंद जी, हिंदी अध्यापक ने एसपीएवी में प्रबोध कक्षाएं पढ़ाई।

8.4 वार्षिक दिवस (इनयान 2013) समारोह

28 मार्च, 2013 को तुम्मलापल्ली कलाक्षेत्रम, विजयवाड़ा में योजना एवं वास्तुकला विद्यालय का वार्षिक दिवस मनाया गया। श्री इलामचिली रवि, विधायक, विजयवाड़ा इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। एसपीएवी के छात्रों और स्टॉफ ने इसमें भाग लिया और 2012-13 के स्पोर्टस दिवस के विजेताओं को पुरस्कार देने के साथ-साथ अकादमिक में एसपीएवी के मेधावी छात्रों को उनके प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। इसी दिन, छात्रों के अकादमिक कार्यों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसकी वार्षिक दिवस पर आगंतुकों और छात्रों के प्रदर्शन की सभी द्वारा अत्यधिक प्रशंसा की गई।

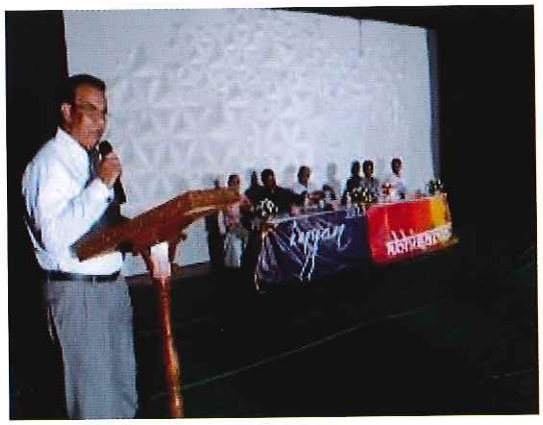

श्री लेयोनार्ड हार्पर जनसभा को संबोधित करते हुए

विद्यार्थियों द्वारा नृत्यप्रस्तुति

विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

मुख्य अतिथि मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरित करते हुए

8.5 ओणम समारोह

प्रतिवर्ष की भांति छात्रों द्वारा जोश और उत्साह के साथ ओणम पर्व मनाया गया। डा. शोवन साहा, एसपीएवी के निदेशक। एसपीएवी में, देश भर के सभी महत्वपूर्ण पर्व मनाए जाते हैं। न केवल केरल के, वरन् अन्य छात्रों ने भी अधिक संख्या में भाग लिया। छात्रों द्वारा केरल की संस्कृति और परंपराओं को दर्शाने वाले कार्यक्रम आयोजित किए गए।

8.6 जन्माष्टमी समारोह

एसपीए, विजयवाड़ा में विद्यार्थियों द्वारा देश भर के महत्वपूर्ण पर्व जैसे जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, दशहरा इत्यादि मनाए जाते हैं।

8.7 *निदेशक का अभिनंदन कार्यक्रम*

डा. साहा की विदाई

डा. साहा शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टॉफ के साथ

निदेशक, डा. प्रो. शोवन के. साहा सेवा से सेवानिवृत हुए और विद्यालय परिसर में 23 अक्टूबर, 2013 को अच्छी प्रकार से एक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विदाई समारोह के समस्त शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टॉफ ने भाग लिया। डा. साहा ने एसपीएवी में अपने कार्यकाल के दौरान अपने विचारों और अनुभव के विषय में बताया। उन्होंने आने वाले वर्षों में विद्यालय के लिए सर्वोत्तम होने की कामना की। समस्त स्टॉफ ने डा. साहा के कार्यकाल के दौरान अपनी भावनाएं साझा कीं और अधिवर्षिता के पश्चात् उनके स्वस्थ और लाभदायक जीवन की कामना की।

8.8 निदेशक का दौरा

डा. एस. सुंदरराजन एसपीएवी के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

निदेशक, डा. श्रीनिवासन सुंदर राजन ने 04 से 05 नवम्बर, 2012 के दौरान परिसर का दौरा किया। उन्होंने संकाय और गैर-संकाय के साथ बातचीत की। उन्होंने छात्रों को संबोधित किया और छात्रों की बात भी सुनी।

8.9 एसपीएवी समाचारों में

Design your future

The hype generated over the grand South India Shopping Mall at Kukatpally in Hyderabad, the impressive structure that was sealed by the Greater Hyderabad Municipal Corporation on the very next day of its formal inauguration, is still fresh in our minds. This happened sometime last month and for a valid reason. The mall did not have an occupancy certificate, mandatory for any building.

Violation of building laws is increasing by the day even while the authorities concerned have been constantly working on modalities to ensure that our buildings are safe, healthy, accessible and sustainable for current and future generations.

Living in this jet age, tucked in cosy confines of splendid buildings, we seldom find time to spare a thought for the person who plans and designs these buildings besides overseeing their construction.

The name of the breed is architect — a professional who is qualified to design and provide advice — both aesthetic and technical — on built objects in our public and private landscapes.

There is a growing concern over what is being seen as the diminishing charm of architecture courses. People associated with the subject attribute it to factors like lack of awareness among people and 'raw deal' meted out to this important area.

"Unlike in the north where a good number of students opt for architecture courses in places like Ahmedabad and Mumbai, the same can not be said about students of Andhra Pradesh. The scale of awareness about this course is relatively low here. Our students come from the AIEEE filter and so we do not have this problem of lack of required strength," admits Ramesh Srikonda, Head of the Department of Architecture in School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV).

SAVOURING AESTHETIC FUN *Students of School of Planning and Architecture, Vijayawada, share a lighter moment on the college campus.* PHOTO: RAJU V.

For reasons unknown, intake of students in institutions offering courses in architecture is abysmally low. "The situation is grim. We have only 14 architecture colleges in Andhra Pradesh against over 100 of them in states like Maharashtra. Even in these 14 colleges, more than 60 per cent of the seats are vacant. We have some 1300 odd architects across the State against the demand of at least 1 lakh of them. A bigger problem is that almost 90 per cent of architecture students from this State migrate to Saudi Arabia in search of greener pastures," rues M. Jitendra, Chairman of the city based SAR Architecture College.

Mr. Jitendra moots raising the scale of awareness. "We are living in most unfortunate situation where we do not have professionals to impart coaching in NATA (National Aptitude Test in Architecture). Some of the junior college Principals are not even aware of NATA exam conducted by the Council of Architecture (COA). This is mainly because the engineering courses hog the limelight, pushing architecture to the backburner," he laments.

To cater to the needs of the local crowd, Andhra Pradesh needs at least 50 colleges of architecture. The sooner this need is addressed by the authorities at the helm of affairs, the better it would be for the future of the student community, he opines.

What is NATA?

NATA is National Aptitude Test in Architecture. 10+2 or intermediate students who wish to pursue a career in architecture will have to qualify NATA for securing admission in any of the architecture college in the country. The test is conducted by the Council of Architecture (COA)

Taking the NATA Test

An aspirant can take the test from January 1 till September 30 every year at designated Test Centres. Appointments are scheduled on a first-come-first-served basis.

A Student can take NATA any number of times subject to availability of appointment at the Test Centre.

వారాంతం అదుర్స్

ఉత్సాహంగా 'ఇన్‌యాన్-13'

దేశాభివృద్ధికి ఆర్కిటెక్చర్లు అవసరం

స్కూల్ ఆఫ్ ప్లానింగ్, ఆర్కిటెక్చర్ వార్షికోత్సవం

9.0 विद्यार्थी कार्यकलाप

9.1 खेल-कूद सप्ताह

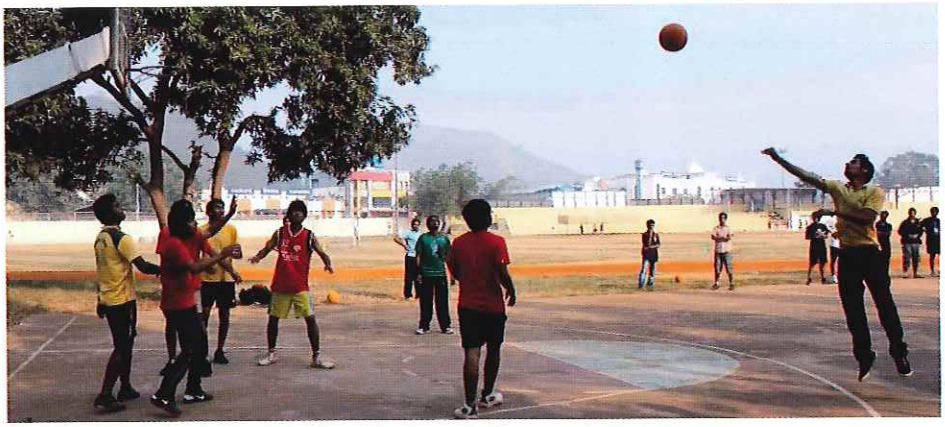

9.2 फैशन शो

9.3 विद्यार्थी क्लब कार्यकलाप

10.0 अतिथि व्याख्यान/कार्यशालाएं

10.1 मेरे शब्दों में मेरी दुनिया

एसपीए, विजयवाड़ा के छात्रों के लिए प्रख्यात व्यावसायियों और शिक्षाविदों द्वारा निम्नलिखित विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया:

क्र.सं.	अतिथि का नाम एवं विवरण	ब्यौरा	दिनांक
1	वा. अनिल लौल, नई दिल्ली में प्रेक्टिस करने वाले आर्किटेक्ट	कम लागत के आवास	22 अगस्त, 2012
2	वा. सुमित घोष, सर्वश्री सुमित्रा घोष नई दिल्ली में प्रेक्टिस करने वाले आर्किटेक्ट	वास्तुकला व्यवसाय	06 सितम्बर, 2012

10.2 अतिथि व्याख्यान - वास्तुकला विभाग

क्र.सं.	**अतिथि का नाम एवं विवरण**	**ब्यौरा**
1	आर्कि. सुप्रीति मित्तल, कार्यरत आर्किटेक्ट, पाण्डिचेरी	16 से 18 अगस्त, 2012 को III सेमेस्टर के छात्रों के लिए **मॉडल मेकिंग वर्कशॉप**
2	प्रो. पदमावती, पूर्व कुलपति, जेएनटीयू, हैदराबाद	22 अगस्त, 2012 को IX सेमेस्टर के छात्रों के लिए **बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट**
3	आर्कि. सुमित घोष, कार्यरत आर्किटेक्ट, नई दिल्ली	दिनांक 06-07 सितम्बर, 2012 को IX सेमेस्टर के छात्रों के लिए **एयरपोर्ट टर्मिनल प्रोजेक्ट**
4	आर्कि. चरणजीत शाह, कार्यरत आर्किटेक्ट, नई दिल्ली	09 अक्तूबर, 2012 को IX सेमेस्टर के छात्रों के लिए **एयरपोर्ट टर्मिनल प्रोजेक्ट**
5	श्री शेखर, आर्टिस्ट, हैदराबाद	23 नवम्बर, 2012 को II सेमेस्टर के छात्रों के लिए **क्ले मॉडलिंग वर्कशॉप**
6	प्रो. डा. के. एस. अनंतकृष्णा, प्रधानाध्यापक, आर. वी. आर्किटेक्चर कॉलेज, बंगलौर	14 दिसम्बर, 2012 को IX सेमेस्टर के छात्रों के लिए **आर्किटेक्चरल थिसीस - मेथोडोलौजिस एण्ड डिजायर्ड आउटकम एण्ड टिचिंग मेथोडोलॉजिस**
7	प्रो. आर. वी. कोल्हाटकर, निदेशक, वास्तुकला एवं डिजाइन संस्थान, राष्ट्रीय निर्माण अकादमी - हैदराबाद एवं रिटायर्ड प्रोफेसर, वास्तुकला, जेएनटीयू-	23 जनवरी, 2013 को IX के छात्रों के लिए **प्रोफेशनल प्रेक्टिस - आर्किटेक्ट रजिस्ट्रेशन, आर्किटेक्ट एक्ट, 1972, एग्रीमेंट्स एण्ड कांट्रेक्ट्स**

	आयोजना एवं वास्तुकला विद्यालय, हैदराबाद	
8	श्रीमती वी. वी. हेमा लक्ष्मी, वरिष्ठ वास्तुकार, एयर दूरदर्शन, चेन्नई	03 मई, 2013 को IX सेमेस्टर के छात्रों के लिए भवनों के लिए गृह रेटिंग

10.3 अतिथि व्याख्यान - आयोजना विभाग

1	प्रो. डा. विनायक एस. अदाने	प्रोफेसर, वास्तुकला और आयोजना विभाग, एनआईटी, नागपुर	प्लॉनिंग स्टूडियो (सेम. VI, VII मास्टर आयोजना, क्षेत्रीय आयोजना)
2	प्रो. डा. पी. के. सरकार	प्रोफेसर, परिवहन आयोजना विभाग, एसपीए, दिल्ली	ट्रैफिक तथा परिवहन थ्योरी
3	प्रो. रवि आनंद कमल	प्रोफेसर, वास्तुकला, जेएनएएंडएफए विश्वविद्यालय, हैदराबाद	प्लॉनिंग स्टूडियो (सेम. IV, VI आवासीय, मॉस्टर आयोजना)
4	प्रो. डा. मनमोहन कापशे	विभागाध्यक्ष - आयोजना विभाग, एसपीए, दिल्ली	प्लॉनिंग स्टूडियो (सेम. VII, क्षेत्रीय आयोजना)
5	डा. मयंक माथुर	एसोसिएट प्रोफेसर, आयोजना विभाग, एसपीए, दिल्ली	प्लॉनिंग स्टूडियो (सेम. IV, VI आवासीय, मास्टर आयोजना)
6	डा. पूनम प्रकाश	एसोसिएट प्रोफेसर, आयोजना विभाग, एसपीए, दिल्ली	आयोजना तकनीक
7	प्रो. डा. महावीर	प्रोफेसर, भौतिक आयोजना विभाग, एसपीए, दिल्ली	भौतिक आयोजना
8	श्री सुधीर के. माहोन	सेवानिवृत्त निदेशक, एचएमडीए	प्लॉनिंग स्टूडियो (सेम. IV आवासीय)
14	प्रो. डा. एस. डी. जोर्डार	पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर, भौतिक आयोजना विभाग, एसपीए, दिल्ली	टर्मिनल परियोजना
15	प्रो. जे. एच. अंसारी	पूर्व निदेशक, एसपीए, दिल्ली	मास्टर प्लॉन तैयार करना
16	श्री वी. राव	पूर्व निदेशक, एचएमडीए	क्षेत्र विकास आयोजना
17	श्री एम. थापर	एम. डी. एडप्ट टैक्नॉलॉजिस	मास्टर प्लॉन तैयार करना
18	श्री डी. भौमिक	क्रिसिल इंडिया	आयोजना तकनीक
19	प्रो. के. आर. एन. सरमा	प्रोफेसर, आईआईपीए, दिल्ली	आयोजना विधान

11.0 अकादमिक अभ्यास

11.1 वास्तुकला

क) <u>दिसंबर, 2012 में वास्तुकला में डॉक्टोरल कार्यक्रम आरंभ दिया गया:</u>

शासी बोर्ड की 05 अगस्त, 2011 को हुई Xवीं बैठक और एसपीएवी अकादमिक परिषद की 29-30 जुलाई, 2011 को हुई II बैठक में किए गए अनुमोदनानुसार, एसपीए, दिल्ली के डॉक्टोरल विनियम, 2009 को अपनाया गया और आवेदनों हेतु सार्वजनिक अधिसूचना दी गई। वास्तुकला विभाग की डॉक्टोरल अनुसंधान समिति ने अनेक आवेदनों की छंटनी की और डॉक्टोरल विद्यार्थियों के रूप में दाखिले हेतु आठ अभ्यर्थियों के चयन की अनुशंसा की। नियत अनुमोदनों के साथ दिसंबर 2012 में प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई और विभाग में पीएच.डी अभ्यर्थियों के रूप में आठ अभ्यर्थियों का पंजीकरण हुआ।

V वर्ष

<u>विषय: वास्तुकला डिजाइन</u>

जुलाई-दिसम्बर, 2012 के सत्र के दौरान बी. ऑर्क के अंतिम वर्ष के छात्रों को दो "अत्यधिक आवश्यक" परियोजनाएं अर्थात शॉपिंग मॉल सह मल्टीप्लैक्स (अल्पावधि परियोजना) तथा एयरपोर्ट वास्तुकला सौंपी गईं।

एयरपोर्ट वास्तुकला:

एयरपोर्ट टर्मिनल संकरे, कुछ परिवहन अंतर्विनिमय, कुछ फैक्टरी, कुछ वितरण केन्द्र, कुछ शॉपिंग मॉल हैं। ये गतिशीलता और स्थिरता का जिज्ञासु मिश्रण हैं। व्यक्ति वहां किसी भी साधन से पहुंचते हैं, वहां एक घंटे अथवा अधिक के लिए स्वयं को कैद में असहाय पाते हैं, तब कहीं जाकर हवाईजहाज की ओर भागते हैं। इसी बीच, विशेषकर सुविज्ञ मैकेनिकल प्रणालियां विभिन्न चैनलों के माध्यम से व्यक्तियों और सामान की जांच करती हैं, जबकि अन्य प्रणालियां हवाईजहाज की सफाई, रख-रखाव और उसे फिर से भरती हैं और उनके स्टॉफ को संभालती हैं। यह एक सही समय प्रणाली है, जो प्रस्थान स्लॉट के सावधानीपूर्वक आधिकारिक परिकलन के लिए इकट्ठे कार्य करती है। इसलिए, जब भी विलंब होता है, पूरे एयरपोर्ट पर समग्र प्रभाव और आसपास के हवाई दायरे में जाने पर विचार किया जाता है। मुख्य परियोजना के प्रयास के दौरान, छात्रों के निम्नानुसार (परंतु यहां तक सीमित नहीं) "डिजाइन पैरामीटरों" के विभिन्न पहलुओं को सीखने/अनुभव करने का अवसर था:

1) "अंदर की ओर" तथा "बाहर की ओर" क्षेत्रों/गतिविधियों का प्रभावी अलगाव
2) वाहनों और पैदलयात्रियों के आवागमन का प्रभावी अलगाव

3) "एयरक्राफ्ट" विवरण की गंभीर समझ जैसे: क्षमता, समग्र आयाम, मुड़ने की त्रिज्या, खींचने की आवश्यकता, भार और समान
4) विभिन्न "एयरक्रॉफ्टों" के प्रकार की गंभीर समझ
5) "गैर-सुरक्षित क्षेत्रों" "अर्ध-सुरक्षित क्षेत्रों" और "पूर्णत: सुरक्षित क्षेत्रों" के मध्य उपयुक्त तालमेल
6) आगमन और प्रस्थान यात्रियों का प्रभावी अलगाव

उपरोलिखित अधिगम प्रक्रिया पुस्तकालय/वेब अध्ययनों-सेमिनार प्रस्तुतियों के माध्यम से की गईं और इसके पश्चात 'चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों" और "गनावरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों", विजयवाड़ा पर विस्तृत "लाइव केस अध्ययन" आयोजित किया गया।

इसके अतिरिक्त, संस्थान ने उद्योग से प्रतिष्ठित व्यावसायिकों नामत: वास्तुकार सुमित घोष और वास्तुकाल सुमित्रा घोष, वास्तुकार प्रो. चरणजीत शाह और वास्तुकार सुदीप्तो को आमंत्रित कर "विशेषज्ञ व्याख्यान" भी आयोजित किए।

परियोजना का उद्देश्य केवल "यात्री टर्मिनल भवन" का "विस्तृत डिजाइन" तैयार करना था जो विजयवाड़ा में स्थित लगभग 2000 एकड़ में फैली साइट के मास्टर प्लान को तैयार करने के विषय में है।

IV वर्ष

<u>I. वास्तुकला डिजाइन-अकादमिक वर्ष 2012-2013 के दौरान किए गए स्टूडियो अभ्यास</u>

<u>स्टूडियो परियोजना: अजित सिंह नगर, विजयवाडा में उच्च घनत्व (500 पीपीएचए अर्थात 1500 व्यक्ति) वाले जनावास</u>

स्टूडियो संकाय: डा. एस. रमेश, एस. वेंकट कृष्ण कुमार, अतिथि संकाय- वा. एस. मणिवेल्लुवन, वा प्रसन्नाकुमार
लक्षित/लाभार्थी वर्ग (सामाजार्थिक समूह) - आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग और उच्च आय वर्ग
<u>छात्र भागीदारी: प्रति समूह 4-5 छात्रों के साथ समूह अभ्यास।</u>

<u>रूपरेखा</u>: विजयवाड़ा के पांच अलग-अलग स्थान जो उच्च घनत्व वाले, बड़े पैमाने के आवासीय समस्याओं के डिज़ाइन सामार्थिक निर्धारिक, वैधानिक एवं आर्थिक बाधाएं और तकनीकी विकल्पों को विस्तार से अध्ययन किए जाएंगे।

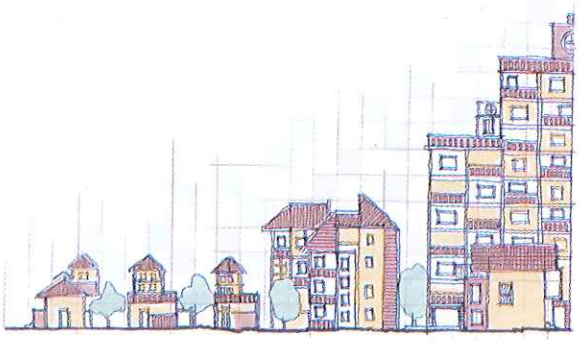

समुदाय प्रतिभागी के प्रत्ययों के पक्षों वित्तीय एवं निर्माण योजना को लागू किया जाएगा। परियोजना दस्तावेजीकरण के साथ मूल निर्माण आरेख, प्राथमिक प्राक्कलन, रूपरेखा विनिर्देशन और छात्रों को कार्यान्वयन प्रक्रिया के विस्तार समझने के साथ अन्य सूचियां लक्षित की गई। जनावास परियोजना अजितसिंह नगर, विजयवाड़ा, में स्थित 7 एकड़ के एक स्थल पर प्रस्तावित थी। यह स्थान प्रस्तावित वृद्धि कॉरीडोर के पास जिसमें 100 फुट चौड़ी सड़कें प्रस्तावित रिंग रोड के पास, दुग्ध फैक्टरी, जेएनएनयूआरएम की जकमपुडी आवासीय परियोजना, वैम्बे कॉलोनियों, पावर ग्रिड परियोजना शामिल हैं; और विजयवाड़ा शहर से दूर भी नहीं है। अन्य शब्दों में, स्थल भविष्य के विकास से संबंधित है जो आने वाले समय में भूगोल का भाग होंगे। डिजाइन पैसिव डिजाइन तरीकों/तकनीकों को ध्यान में रखकर किया जाना था ताकि संपूर्ण विकास ऊर्जा कुशल बनाया जा सके। स्टूडियो परियोजना के इस भाग के रूप में, संबौधिक प्रतिरूपण अभ्यास, निर्मित क्षेत्र तथा मुक्त क्षेत्र की अनुपातता इत्यादि आयोजित की गई और गंभीर मूल्यांकन के माध्यम से संचालित की गई। छात्रों को कार्यशालाओं और वा. काकूलाल सोनी, प्रो. मनोज माथुर तथा प्रो. आर. वी. कोल्हारकर जैसे प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्ति के माध्यम से विशेष व्याख्यानों के साथ-साथ आवधिक स्टूडियो समीक्षाओं की सहायता से

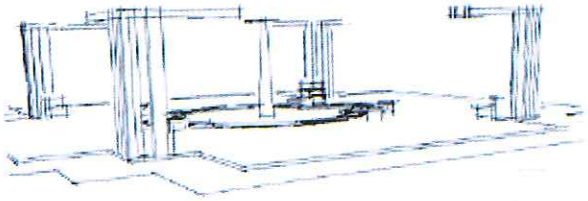

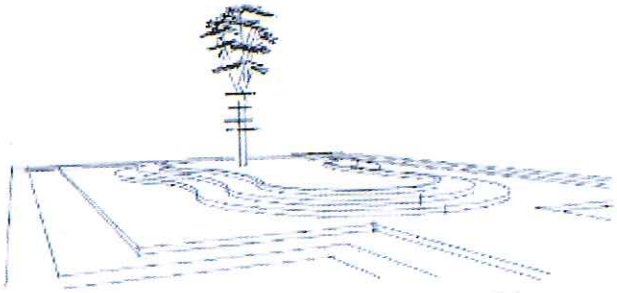

"आवासीय डिजाइन, स्थल आयोजना, समुदाय भागीदारी, फेजिंग इत्यादि में झुकाव" जैसे पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाया गया।

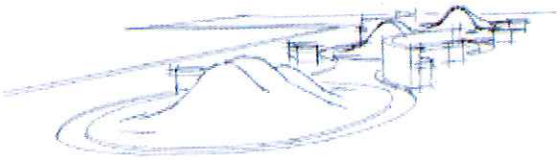

छात्रों ने भारत और विदेश के प्रख्यात वास्तुकारों के कार्यों का प्रलेखन और विश्लेषण भी किया और मुख्य निष्कर्ष तैयार किए। परिणामस्वरूप, छात्रों ने प्रौद्योगिकी अथवा डिजाइन दृष्टिकोण (जिसमें स्थान आयोजना शामिल है), इकाइयों का समूहीकरण, कम-मध्यम-अधिक वृद्धि का मिश्रण इत्यादि के रूप में एक विषय को अपनाते हुए विभिन्न डिजाइन योजनाओं का प्रस्ताव किया। समूह आयोजना, पंक्तिबद्ध आवास, सीढ़ीवार/पिरामीड टॉवर, हरे-भरे भवन की अवधारणा, ऊर्जा कुशल डिजाइन, परियोजना वित्त एवं

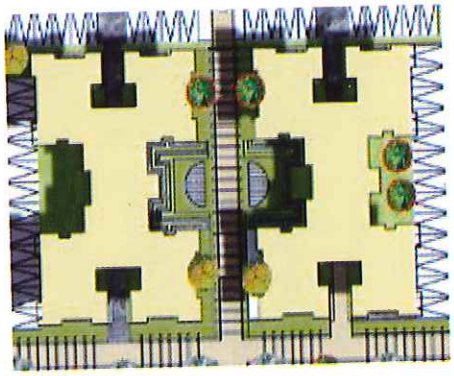

प्रबंधन मॉडल, कुछेक मुख्य दृष्टिकोण थे जिन्हौंने संबंधित समूहों द्वारा किए गए कार्यों में चार-चांद लगा दिए।

निम्न आर्थिक समूहों की दैनिक आवश्यकताओं हेतु जिसके लिए अधिक मात्रा में भूमि की आवश्यकता होती है, खुली भूमि पर निर्भरता के कारण उन्हें मुक्त स्थान उपलब्ध कराया गया। नरम निवास को निम्न आर्थिक समूह हेतु डिजाइन किया गया और उच्च आर्थिक समूहों के लिए कठिन और नरम निकास के सहयोग का प्रस्ताव किया गया।

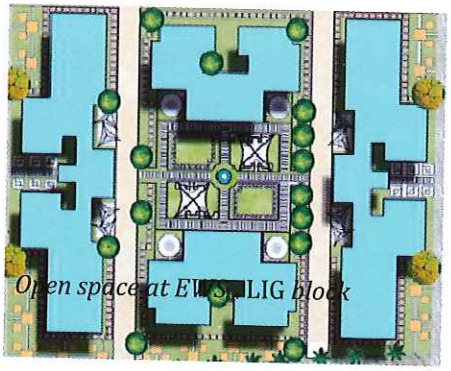

Open space at EWS, LIG block

जनावास में समूह वातावरण की सम्पूर्ण विचारधारा सामाजिक परस्परता और शक्तिशाली पड़ोस के संवर्धन के समकालीन बनाए गए है। भवनों के प्रकार और कार्य एक-दूसरे के समकालीन बनाए गए है। विरोधाभासी नोट में यह "कार्य अनुपालन प्रकार" अथवा "प्रकार अनुपालन कार्य" नहीं है, यह है जलवायु अनुकूल प्रकार, शहरी ग्राम का समूह वातारण विजयवाड़ा के गर्म-नम जलवायु का परिणाम है।

इसने प्रत्येक समूह के डिजाइन के साथ-साथ एक परियोजना के बहु-डिजाइन विकल्पों को भी सुलभ बनाया। अंतिम परिणामों का मूल्यांकन आवासीय डिजाइन में बंगलौर के प्रख्यात वास्तुकारों नामत: वा. नवनाथ कनाडे और वा. सुधीर सुरती द्वारा स्टूडियो संकाय के श्री एस. वी. कृष्ण कुमार और वा. प्रसन्ना कुमार के सहयोग से किया गया। ज्यूरी सत्र के दौरान, छात्रों को जनावास, स्थानों के विशालकाय विश्लेषणों इत्यादि से संबंधित डिजाइन पहलुओं से अवगत कराया गया और ज्यूरी सदस्यों ने छात्रों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करने के साथ-साथ बहुमुखी आवासीय डिजाइन तैयार करने हेतु मामले विशिष्ट उपाय भी सुझाए।

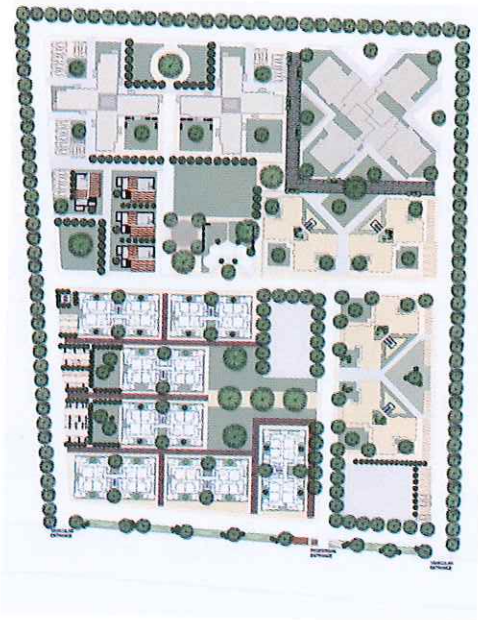

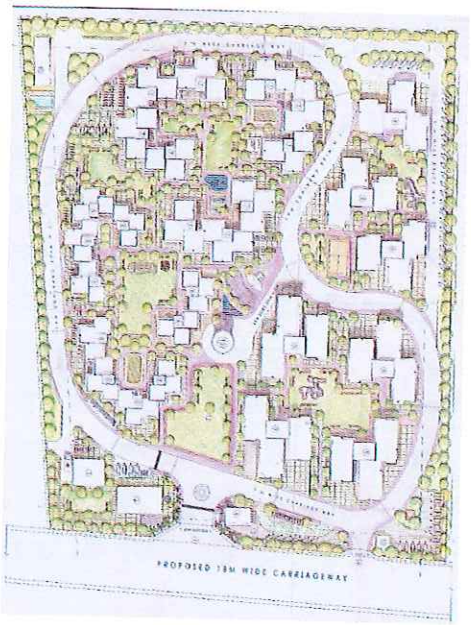

III *वर्ष*

<u>वास्तुशिल्पीय डिजाइन-स्टूडियो परियोजना</u>

जनवरी-अप्रैल, 2013 के सत्र के दौरान बी. आर्क के तृतीय वर्ष के छात्रों को दो "डिजाइन परियोजनाएं" नामत: राष्ट्रीयकृत बैंक (अल्पावधि परियोजना) और सम्मेलन केन्द्र सौंपी गईं।

सम्मेलन केन्द्र:

बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां (एमआईसीई) पर्यटन उद्योग में आज एक महत्वपूर्ण घटक बनती जा रही हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ने के साथ-साथ, भविष्य में एमआईसीई पर्यटन की वृद्धि के भी आसार हैं। पर्यटन के इस आकर्षक घटक की आवश्यकता को पूरा करने हेतु हमारे देश को और अधिक सम्मेलन तथा प्रदर्शनी केन्द्रों की आवश्यकता है। अत:, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, पर्यटन मंत्रालय ने सम्मेलन केन्द्रों में निवेश और मानकीकृत सुविधाओं को प्रोत्साहन देने हेतु सम्मेलन केन्द्रों को अनुमोदन देने का निर्णय लिया है।

मुख्य परियोजना के साथ उनके प्रयासों के दौरान छात्रों के पास निम्नानुसार (परंतु यहां तक सीमित नहीं) "डिजाइन पैरामीटरों" के विभिन्न पहलुओं को सीखने/अनुभव करने का अवसर था:

1) सम्मेलन कक्षों और प्रदर्शनी कक्षों के विभिन्न साइजों को एकीकृत करने हेतु रणनीतिक डिजाइन तैयार करना
2) "समकालिक व्याख्या कक्षों", अध्यातुन श्रव्य/दृश्य सुविधाओं पर महत्वपूर्ण अध्ययन और समान

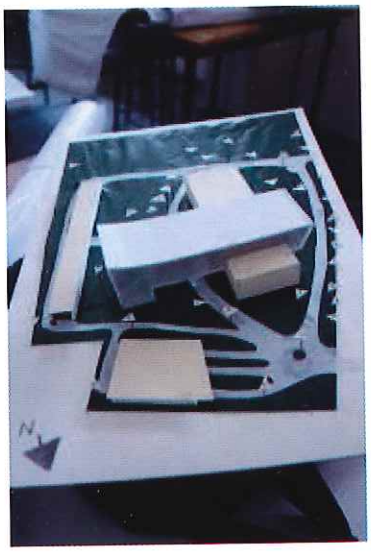

3) सम्मेलन कक्षों, प्रदर्शनी कक्षों तथा "विषय पवेलियनों" द्वारा उपयोग किए गए स्थानों का उपयुक्त तालमेल
4) अतिथियों के परिचालन और दिशात्मक आवागमन अर्थात अभिविन्यास, अनुक्रम, जनसमूह, समूह बनाकर और ऐसे कई निर्मित वातावरणों के माध्यम से जिसका कुल मिलाकर "परस्पर संवादात्मक अनुभव" हो, मार्गदर्शन।
5) निर्मित प्रकार और ध्वनि विज्ञान/ध्वनि विज्ञान उपायों का महत्वपूर्ण विश्लेषण
6) वाहनों और पैदल यात्रियों के आवागमन का प्रभावी अलगाव

उपरोलिखित अधिगम प्रक्रिया पुस्तकालय/वेब अध्ययनों-सेमिनार प्रस्तुतियों के माध्यम से की गई और "एचआईसीसी-हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केन्द्र" पर विस्तृत "लाइव केस अध्ययन" आयोजित किया गया।

परियोजना का उद्देश्य एक ऐसे "सम्मेलन केन्द्र" का डिजाइन करना था जो अनेक प्रकार की सुविधाओं से जिसमें विजयवाड़ा में स्थित 25 एकड़ तक के स्थान के भीतर "होटल भवन" हेतु भूमि भी शामिल है, सज्जित हो।

II वर्ष, III सेमेस्टर

विषय: वास्तुकला डिजाइन

डिजाइन कार्यक्रम

परियोजना द्वि-स्तरीय अवसर उपलब्ध कराती है: पहला, सृजनात्मकता दर्शाना और दूसरा, एक वास्तुकला प्रतिबिंब तैयार करना जो विजयवाड़ा शहर, आंध्र प्रदेश, भारत की पहचान को एक नया आयाम दे।

इंटरएक्टिव और प्रगामी अधिगम केन्द्र परिसर में उच्च गुणवत्ता वाला परिसर वातावरण उपलब्ध कराने हेतु अकादमिक, प्रशासनिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण, पुस्तकालय, सम्मेलन कक्ष, ऑडीटोरियम और संसाधन केन्द्रों के साथ-साथ विद्यार्थियों के छात्रावास इत्यादि के अतिरिक्त आवश्यक अवसंरचना जैसे जल आपूर्ति, बिजली, ठोस कूड़े का प्रबंधन, अग्निशमन इत्यादि शामिल होंगे।

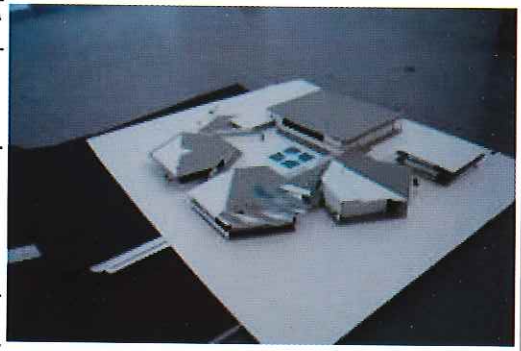

प्रस्तावित स्थान की पैमाइश लगभग 2.83 हैक्टेयर है, यह राजकीय पॉलिटेक्निक, विजयवाड़ा के समीप, आईटीआई रोड पर अवस्थित है। स्थान विजयवाड़ा के मध्य में शहर के महत्वपूर्ण स्थानों में से एक, जिसे बेंज सर्किल के नाम से जाना जाता है, के निकट है और आरट्रीयल रोड (एनएच5) के समीप अवस्थित है। यह विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन से लगभग 6 कि.मी., विजयवाड़ा बस अड्डे (पंडित नेहरू बस अड्डा) से लगभग 6 कि.मी. और विजयवाड़ा हवाई अड्डे (गन्नावरम् में) से लगभग 16 कि.मी. की दूरीपर स्थित है।

स्थल के उत्तरी ओर से गुणडाला हिल की ओर अच्छा नजारा दिखता है। दक्षिणी ओर कृष्णा नदी है जो विजयवाड़ा क्षेत्र हेतु एक महत्वपूर्ण संसाधन है। एमजी रोड (पूर्व में बंदर रोड) और कार्ल मार्क्स रोड (पूर्व में इलुरू रोड) शहर की दो प्रमुख सड़कें हैं जो एनएच 5 पर संबंधित स्थानों पर मिलती हैं।

स्थल विजयवाड़ा अंचल विकास योजना (वीजीटीएमयूडीए मास्टर प्लॉन में प्रस्तावित) के अनुसार उत्तरी सीमा के साथ 15 मी. चौड़ी सड़क (24 मी. चौड़ी सड़क तक चौड़ा किया जाना प्रस्तावित) की सीमा पर है।

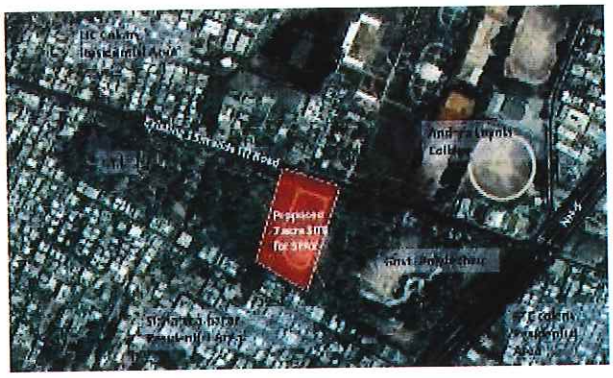

स्थल और उसके आस-पास

क्षेत्र आवश्यकताएं

क्र.सं.	सुविधा का नाम	कुल निर्मित क्षेत्र (वर्ग मी. में)
1	पूर्णकालिक अवर-स्नातक कार्यक्रमों हेतु अकादमिक क्षेत्र	*9,620*
2	प्रशासनिक क्षेत्र	*3,520*
3	विद्यार्थी छात्रावास	*8,330*
4	**कुल क्षेत्र**	**21,470**
		~ 21,500

7 एकड़ भूमि के प्रस्तावित विकास में 3.23 एकड़ में भूमि पार्सल पर जहां मौजूदा राजकीय पॉलिटेक्निक छात्रावास हैं परिसर के विस्तार की संभावना पर भी विचार किया जाना है।

II **वर्ष**, IV **सेमेस्टर**

विषय: वास्तुशिल्पीय डिजाइन

इस सेमेस्टर का वास्तुशिल्पीय डिजाइन मानव व्यवस्थापन पर ध्यान देता है। छात्रों ने गोवा के निकट व्यवस्थापन के सबसे प्राचीन ग्रामों में से एक चोराओ द्वीप का अध्ययन किया और उसका प्रलेखन किया। इस अभ्यास के पश्चात् उस ग्राम के लिए एक बहुकार्य सामुदायिक कक्ष का डिजाइन तैयार किया।

मानव व्यवस्थापन की प्रस्तावना

मानव अन्य सभी स्तनपाईओं की तरह समूहों मे रहते हैं। जैसे-जैसे ये बढ़ते गए, एक स्थान पर व्यवस्थित होने की आवश्यकता ने पहले व्यवस्थापन को अंजाम दिया।

मानव पूर्व में गुफाओं में रहते थे परन्तु शीघ्र ही प्रभावी तकनीकों का प्रयोग करके एक अच्छा वातावरण तैयार करने की आवश्यकता हुई। अच्छा वातावरण तैयार करने की यह प्रक्रिया आज भी जारी है।

व्यक्तियों की बात-चीत और व्यवहार के आधार पर सार्वजनिक और निजी स्थान बने। उस विशिष्ट क्षेत्र की जलवायु के कारण भी, प्रकृति से सर्वोच्च बचाव हेतु भवनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा हे। उन स्थानों, जहां लोग रहे, आर्थिक गतिविधियां हुई पर्व मनाए गए इत्यादि को अलग-अलग किया गया। व्यवस्थापन के भीतर विभिन्न अंचल होने से उसे विनियमित करना सरल हुआ ।

व्यवस्थापन की सफलता ने संस्कृतियों और परंपराओं को प्रभावित किया। उनक डिजाइन किए गए स्थानों पर प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से प्रभाव दिखा।

अत: यह कहा जा सकता है कि स्थान की वास्तुकला विशिष्ट समाज के मूल्यों और दृष्टिकोण का प्रतीक है। यदि ऐसा है तो यहां वास्तुकला की तुलना स्वाद, संस्कृति और परंपरा से की जा सकती है जो समुदाय के सामाजिक और वास्तविक परिवेश से प्रभावित हो सकती है।

व्यवस्थापन में जीवित प्रतिमानों का अध्ययन

अध्ययन का स्थान : चोराओ द्वीप, गोवा

अध्ययन चोराओ द्वीप, गोवा पर ध्यान केन्द्रित करता है। यह व्यवस्थापन पुराने घरों, चर्चों और सदाबहार जंगलों के आस-पास फार्मों के साथ बहुत वर्षों तक अपरिवर्तित रहा।

केस अध्ययन का लक्ष्य

स्थानीय व्यवस्थापन के आकारिकी (मॉरफोलोजी) को पास से महसूस करना और आत्मसात् करना जीवित प्रतिमानों से इसका जुड़ाव और निवासियों की सहयेागी प्रणालियों, उनकी सामाजिक संरचना, उनके संसाधन और औपचारिक तरीके से विनियमन और मार्गदर्शी प्रकार से उनका निर्माण। इसका उद्देश्य यह समझना है कि उस विशिष्ट स्थान की वास्तुकला किस प्रकार से सन्निहित है और विशिष्ट स्थानीयों के बाह्यपन से किस प्रकार प्रभावित है जो उन्हें उस स्थान और उनके व्यक्तियों से अद्वितीय आत्मीयता देती है।

अध्ययन के उद्देश्य

छात्रों से सार्वजनिक क्षेत्र में एक भवन का डिजाइन करने की अपेक्षा की जाती है जहां उपभोक्ता अकेला नहीं वरन् समूह है। डिजाइन अभ्यास के भाग के रूप में कक्षा सामुदायिक केन्द्र का डिजाइन करेगी। केन्द्र उन सभी सामाजिक कार्यकलापों के लिए स्थान उपलब्ध कराएगा जो उस समुदाय में वहां रह रहे लोगों को चाहिए।

समाज को जानने हेतु पर्यवेक्षण

फार्म, फंक्शन, भवन प्रणालियां, ऐतिहासिक पूर्ववृत्त परंपराएं, सांस्कृतिक पहलू, सामाजिक-आर्थिक पहलू।

अध्ययन की कार्यप्रणाली

विभिन्न भवनों के उनकी प्रकार, कार्यकरण, और व्यवहारिक प्रतिमानों की टिप्पणियां रिकार्ड करने हेतु एक अध्ययन दौरा किया जाएगा। छात्रों के समूह द्वारा चयनित भवनों की विस्तृत जांच की जाएगी। ये टिप्पणियां स्कूल में स्टूडियो बैक में प्रलेखित की जाएगी।

15 से 21 अगस्त, 2012 तक द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) के छात्रों के लिए चोराओ द्वीप का एक शैक्षिक दौरा आयोजित किया गया। दौरा मुख्य रूप से मंडोलिन नदी के तट पर स्थित एक छोटे द्वीप ग्राम, चोराओं, के अध्ययन पर केन्द्रित है। छात्रों को विभिन्न समूहों में बांटा गया और निम्नलिखित पहलुओं पर ग्राम और व्यक्तिगत भवनों का गहन अध्ययन किया।

स्थान आयोजना, व्यवस्थापन आयोजना और कनैक्टीविटी, जलवायु और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, दृश्य अध्ययन, समुदाय का इतिहास, सामाजिक संरचना, निर्माण सामग्री और तरीके, जीवन शैली, स्थान तथा सुख-सुविधाएं आवश्यकताएं/छात्रों ने घरों और अन्य भवनों का अध्ययन के पहलुओं के अनुसार प्रलेखन किया। इस दौरे के दौरान, छात्रों ने जीवन शैली, स्थानीय परंपराओं और निर्माण तकनीकों इत्यादि को समझने के लिए अनेक स्थानीय ग्रामीणों का साक्षात्कार लिया। उन्होंने व्यवस्थापन के विषय में तथ्य सुनिश्चित करने हेतु स्थानीय प्रशासन से भी भेंट की और ग्राम व्यवस्थापन के विषय में बहुत सी सूचना एकत्रित की।.

व्यवस्थापन अध्ययन के पश्चात् छात्रों ने भवनों के वास्तुशिल्पीय प्रकार के अध्ययन हेतु बोर्न जीसस के राजगृह असीसी के सेंट फ्रांसिस चर्च, सी कैथेड्रल, अगौडा फोर्ट का भ्रमण किया।

बहु आयामी समुदाय स्थान का डिजाइन

आज वास्तुकला में उन्नत विकास की अनेक शाखाएं हैं जिन्होंने मौलिक समस्याओं की समझ की कमी के परिणामस्वरूप बुरे भवनों को तैयार किया है और उपयुक्त समाधान के अगाढ़ समाहन को तैयार किया है। एक घर न केवल घटकों का समवेत है वरन् सामाजिक और पारिवारिक कार्य के रूप में भी कार्य करता है। इसके निर्माण पर सदैव जलवायु, भूमि की प्रकृति, स्थानीय सामग्री, स्थानीय परंपराओं और उस स्थान पर व्यक्तियों की निर्माण तकनीकों का प्रभाव पड़ता है।

किसी भी स्थान पर, जहां भवन निर्मित होते हैं, किसी सीमा तक प्रथाओं द्वारा नियंत्रित होते हैं और यह सीमाएं सामान्यत: आस-पास की वास्तविक परिस्थितियों द्वारा बांधी जाती हैं। व्यवस्थापन के रूप में चोराओ द्वीप स्पष्टत: दर्शाता है कि पसंद और स्थान की सावधानीपूर्ण महत्ता किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को शक से परे रखते हुए स्थान चुनने की उसकी क्षमता, जहां वह चाहे, समुदाय के रहने हेतु प्रतिरूप सृजित करती है।

इस विषय में व्यवस्थापन स्थान के मूल्य को सहेजने की और उपयुक्त सहयोग तथा अंश स्थान को सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता है।

डिजाइन के उद्देश्य

1. बाध्यताओं और सीमाओं के रूप में विभिन्न पहलुओं (सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और धार्मिक) तथा कारकों (जीवित प्रतिमानों, संसाधनों, ज्ञान) का विश्लेषण करना और किस प्रकार उसने उनकी वास्तुकला को ढ़ाला है।

2. निम्नलिखित आवश्यकताओं के साथ व्यवस्थापन हेतु सामुदायिक केन्द्र का डिजाइन।

I वर्ष

विषय : वास्तुशिल्पीय डिजाइन

दक्षिण भारत के शिल्पकारों की संस्कृति और परंपरा

प्रस्तावना :

भारत-कला और विरूपण साक्ष्यों का बहुरूपदर्शक-अपनी भौगोलिक सीमाओं-जैसे बुनाई, मिट्टी के बर्तनों, ज्योतिष, मूर्तिकला, खिलौने बनाना द्वारा विभिन्न संस्कृतियों से अद्वितीय है। यह सम्पन्न कला अनजाने में अपनी ढलान पर है। ऐसे शिल्पकारों को उनके कौशल के पुनर्योजन करने के उद्देश्य से उपयुक्त आवास दिलाकर पुनर्जीवित करने का एक प्रयास।

संदर्भ :

वास्तुशिल्पीय डिजाइन हमारी प्रक्रिया का सृजनात्मक केन्द्र बिन्दु है - जिसमें हम एक समुदाय जो पेशे से शिल्पकार है, की जीवन शैली, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक आवश्यकताओं को समझते हैं।

इसके अंतर्भाग में वास्तुशिल्पीय डिजाइन एक नवाचारी प्रक्रिया है जो सुंदर, सुविधाजनक, रहने योग्य निर्मित वातावरण जहां व्यक्ति रह सकें और काम कर सकें, सृजित करने के लिए विभिन्न विषयों की तकनीकों को आकर्षित करती है।

इस संबंध में, बी.आर्क. के प्रथम वर्ष के छात्रों को दक्षिण भारत के आठ विभिन्न सांस्कृतिक अंचलों नामत: उपादा (बुनाई समुदाय), श्रीकलाहस्ती (कलमकारी कला समुदाय), अलागढ़ा (मूर्तिकार समुदाय) तिरूपति (कॉलेज ऑफ टैम्पल आर्किटेक्ट), निर्मल (चित्रकार समुदाय), एटीकोपक्का (खिलौना बनाने वाला समुदाय), महाबलीपुरम् (मूर्तिकार समुदाय) और पोचमपल्ली (बुनाई समुदाय) में अध्ययन और उनकी संस्कृति तथा कला से संबंधित विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण हेतु भेजा गया।

डिजाइन प्रक्रिया को निम्नलिखित शीर्षों के तहत् वर्गीकृत किया गया:

- संदर्भ को समझना- क्या हो रहा है यह जानना
- खोजना- विचारों का प्रयोग, विकल्प/संभावनाएं खोजना
- क्या करना है यह निर्णय लेना? – वास्तुशिल्पीय डिजाइन शब्दावली तैयार करना-मूल्य, आर्थिक रूप से व्यवहार्य मानव स्केल और पारिस्थितिकी आदरणीय समुदाय दर्शाना.

<u>कार्यक्रम :</u>

- परिवार – बहुउद्देश्यीय स्थान - लिविंग कम डाइनिंग, बेड, किचन कम स्टोर
- कुटुंब – सहायक/पशु शेड
- कार्यस्थल – स्टूडियो, प्रदर्शन क्षेत्र, कच्चे माल और तैयार सामान का भंडारण
- समदुाय– कुंआ, प्रसाधन, सामाजिक परस्परता स्थान

उपर्युक्त पहलुओं और स्थल परिस्थितियों का विस्तृत अध्ययन के पश्चात् प्रत्येक संबंधित केस अध्ययन से क्षेत्र की आवश्यकता प्राप्त की जा सकेगी।

विषय: सेमिनार, वर्ष : V वर्ष

सेमिनार वास्तुकला के किसी पहलू पर सैद्धांतिक प्रकृति के विषय पर एक शोध पत्र होगा। यह थीसिस विषय से संबंधित हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता। समग्र निगरानी संकाय के भीतर से ही नियुक्त सेमिनार समन्वयक द्वारा की जाएगी और व्यक्तिगत मार्गदर्शन विषय के विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा प्राथमिकत: संकाय के भीतर से ही परंतु कुछेक असाधारण मामलों में, यदि समन्वयक की राय में लाभप्रद पाया गया, बाह्य विशेषज्ञों को नियुक्त किया जा सकता है। सेमिनार का जोर अध्ययन के विषय की संपूर्ण जानकारी प्राप्त करने और बुद्धिमान तथा महत्वपूर्ण मार्गदर्शन को देने की क्षमता पर होगा।

क्र.सं.	छात्र का नाम	सेमिनार विषय
1	शिबिल जुबेर ए	"नालुकेट्टु" – ए टेडिशनल रेजीडेंशियल बिल्डिंग
2	शेख तौकीर अहमद	असैसिबल आर्किटेक्चर फॉर पब्लिक स्पेस
3	मंजुनाथ बीएन	एक्सप्लोएटेशन ऑफ एडवांटेज ऑफ कनॉलस इन विजयवाडा
4	अनिर्बन ज्योति बरूआ	एनशियंट टाउन प्लानिंग इन इंडिया
5	हनीशा तीरथ बेना भक्तुला (महिला)	स्टेजिंग आर्किटेक्चर
6	तीर्थंकर चक्रवर्ती	स्कॉई स्क्रेपरस
7	अंकित चौहान	आर्किटेक्चर ऑफ पार्किंग
8	अनंया देव मलिक (म.)	रिवरफ्रंट स्पेस एंड डेवलपमेंट
9	पिला दिव्या (म.)	एनर्जी एफीशियंट लैंडस्केप फॉर ट्रापिकल क्लाइमेट
10	नोयल वी. जॉनसन	इवालयुशन ऑफ दमसकस
11	नीरा के (म.)	ट्रेडिशनल आर्किटक्चर ऑफ केरल
12	चुन्नू कुमार	कन्सेप्ट ऑफ फ्लूड मैकेनिक्स ऑफ फ्लोरिंग एंड सिंकिंग एंड इट्स एप्लीकेशन इन आर्किटक्चर
13	पुष्पेन्द्र कुमार	जीरो एनर्जी बिल्डिंग
14	पैंनजंग दॉर्जी लेप्चा	तिब्बती आर्किटक्चर
15	वरूण महेश्वरी	अर्बन आर्ट एंड इंस्टालेशन एंड इट्स पैक्ट ऑन आर्किटक्चर ऑफ सिटी
16	संजय शोवन मैरी	विजुअल परसैप्शन वाया आर्किटक्चरल कंपोजिशन
17	राहुल मंडल	इस्लामिक टॉम्ब इन इंडिया (जेनिसिस ऑफ देयर डिजाइन)
18	नव्या नादिमिन्टी (म.)	सेन्सेज इन आर्किटक्चर: आर्किटक्चर एसए मल्टी सेन्सरी एक्सपीरियेंस
19	वाणी नायक (म.)	कन्सरवेशन ऑफ कल्चरल हैरिटेज़ साइट्स : केस ऑफ हम्पी, भारत
20	वार्षोन गशनंवया	ह्यूमन कनेक्शन टू नेचर विदिन बिल्ट एन्वायरमेंट
21	दिनरूप पवित्रन	अडैप्टिव रीयूज़
22	शाहकार आदित्य प्रमोद	मोबाइल फ्लोरिंग आर्किटक्चर
24	श्रेया राताकोंडा (म.)	अप्रैज़ल ऑफ रोल प्लेड बॉय द III स्पेस इन सोशल एंड आर्किटक्चर रील्मस
25	शशांक सागर	एलीमेंट ऑफ बिल्डिंग
26	तराना सनिल (म.)	द लाइट इन माई रूम : डिजाइन अप्रोच टू ह्यूमन बिहेवियर एंड नीड्स
27	हिमांशु सक्सेना	डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ कंवेंशन सैंटर अलांग

क्र.सं.	छात्र का नाम	सेमिनार विषय
		विद ओपन स्पेस
28	देवाशीष सिंह	विंडोज एंड एनर्जी एफीशियेंसी
29	के. कवि सुमी	पैरामीट्रिक डिजाइन
30	निमिता सुरू (म.)	सैटलमेंट एलांग द लेक पिचौला, उदयपुर
31	कुमार राहुल वर्मा	प्रोपोर्शन सिस्टम इन आर्किटक्चर
32	उपारे स्वप्निल विनायक	फिनॉमिनलॉजिकल कंसैप्ट ऑफ इन आर्किटक्चर
33	विनिता विश्वकर्मा (म.)	वर्टिकल गार्डन
34	सोमन अरूण आनंद	ट्रेडिशनल स्पेस एलीमेंट इन कंटम्पोरेरी बिल्डिंगस
35	मो. अजहर	एडवांसड फ्लोरिंग मैटीरियल इन इंडिया
36	प्रदीप कुमार बागरी	रेन वॉटर हार्वेसटिंग टेक्नीक्स इन राजस्थान
37	अरिंजय बनर्जी	सस्पेंशन ब्रिज
38	विक्रमजीत बोरा	कन्स्ट्रक्शन टेक्नीक्स इन ईस्टर्न कोस्ट ऑफ इंडिया
39	मिशल बोराह	रोल ऑफ स्ट्रीटस एंड स्कबेयरस इन एन अर्बन एरिया
40	राजदीप दास	एडवर्स इफैक्ट ऑफ अर्बन हाउसिंग ऑन एन्वायरमैंट एंड सोसायटी
41	आशीश गौतम	वेनिस-इवोल्यूशन एंड सबमर्जन्स
42	रोहित जायसवाल	नीड फॉर कम्पोसिट टॉयलेट
43	राहुल कुमार झा	सेक्रेड स्पेस
44	धरानीधरन के.	टैंसिग्रिटी एंड इट्स पार्टिसिपेशन इन आर्किटक्चर
45	वरूण खन्ना	ट्रांजिशनल स्पेस
46	लुनकिम टिंगनिलम खोंगसाई (म.)	प्रोटेक्शन ऑफ ट्रेडिशनल हाउसेज़ ऑफ कुफी ट्राइब्स
47	गोनिया राहुल किशोरभाई	इन्फ्लूएन्स ऑफ इंर्फोमेशन टैक्नोलॉजी ऑन बिल्ट फार्म
48	रोशन कुमार	रिडेवलपमैंट ऑफ कनॉट प्लेस
49	पूजा कुमारी (म.)	धारावी : ए सिटी इन ऐ सिटी
50	येतू कुई	आर्किटक्चर एंड द एन्वायरमैंट
51	रिबेका कुरियन (म.)	इनोवेशनस इन अफोर्डेबल हाउसिंग फॉर अर्बन पुअर
52	ख्याली मजूमदार (म.)	डांस एंड आर्किटक्चर
53	अक्षर मैंढे	सस्टेनेबल रूरल डेवलपमैंट
54	निम्मागढ़ा मोनिषा (म.)	इंपैक्ट ऑफ कलर इन लर्निंग एन्वायरमैंट
55	मो. शिबिन एन.	यूज ऑफ अल्टरनेट टैक्नोलॉजिस यूजिंग पेपर एंड अर्थ इन केरल-एन अप्रोच टू सस्टेनेवल आर्किटक्चर
56	अकिल पी.	इंपैक्ट ऑफ बिल्ट मार्फ ऑन माइक्रोक्लाइमेट

क्र.सं.	छात्र का नाम	सेमिनार विषय
57	गौतम आर.	यूज़र रिफाइनमेंटस एंड इंप्रोविजेशन इन आर्किटक्चर स्पेस
58	ए. हरविंद राज	डिजाइन प्रिसिंपलस इन द्रविडियन टैम्पल
59	एस. गौतम रत्न कुमार	अंडरग्राउंड स्पेस डेवलपमेंट इन अबर्न एरिया
60	मोहित सामा	रिवाइविंग द वेल्यूज़ ऑफ रिवर यमुना
61	करनम सुमाना (म.)	यूनिवर्सल डिजाइन प्रिसिंपल फॉर रिक्रिशनल ओपन स्पेस
62	चैतन्य गौतम सुनील	इकोपोलिस आर्किटक्चर एंड नीड फॉर सिटिज़
63	सतवेली वंदना (म.)	स्ट्रेटिजिज ऑफ इंप्रोविंग नेचुरल लाइट इन अर्बन बिल्डिंग
64	हर्डे सुमित विलास	पॉलिटिक्स एंड आर्किटक्चर
65	भारतेन्दु विमल	इंपैक्ट ऑफ फ्ल्ड इन लो लाइंग एरियाज ऑफ विजयवाड़ा
66	नूरियन (म.)	इंपैक्ट ऑफ मैट्रो स्टेशन ऑन द सरौन्डिंग लैंड यूज
67	अनामिका (म.)	एप्लीकेशन ऑफ वर्नाकुलर एनर्जी एफीशियेंट टैक्नीक्स इन कंटेम्पोरेरी आर्किटक्चर

11.2 आयोजना

आयोजना विभाग के लिए वर्ष 2012-13 महत्वपूर्ण है क्योंकि 2008 में नामांकित प्रथम बैच के विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रम पूरा किया और कार्यक्रम के ब्रांड एम्बैसेडर के रूप में उत्तीर्ण हुए। सभी विद्यार्थी उद्योगों में उत्तम रूप से स्थापित हैं/अथवा भारत अथवा विदेश में उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विभाग अपने प्रचालन के पांचवे वर्ष में है और 'आयोजना स्नातक' की डिग्री प्रदान करने की ओर भौतिक आयोजना में 4 वर्षीय अवर-स्नातक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस वर्ष में, विभाग ने विस्तृत कार्यकलाप भी आरंभ किए जिसके परिणामस्वरूप दिसम्बर, 2012 में आयोजना में डॉक्टोरल कार्यक्रम का आरंभ हुआ और अगस्त 2013 में पर्यावरणीय आयोजना में स्नातकोत्तर डिग्री का आरंभ हुआ।

क) दिसम्बर, 2012 में आयोजना में डॉक्टोरल कार्यक्रम का आरंभ:

शासी बोर्ड की 05 अगस्त, 2011 को हुई Xवीं बैठक और एसपीएवी अकादमिक परिषद की 29-30 जुलाई, 2011 को हुई II बैठक में किए गए अनुमोदनानुसार, एसपीए, दिल्ली के डॉक्टोरल विनियम, 2009 को अपनाया गया और आवेदनों हेतु सार्वजनिक अधिसूचना दी गई। आयोजना विभाग की डॉक्टोरल अनुसंधान समिति ने अनेक आवेदनों की छंटनी की और डॉक्टोरल विद्यार्थियों के रूप में दाखिले हेतु दो अभ्यर्थियों के चयन की अनुशंसा की। नियत अनुमोदनों के साथ दिसंबर 2012 में

प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई और विभाग में पीएच.डी अभ्यर्थियों के रूप में दो अभ्यर्थियों का पंजीकरण हुआ।

ख) एम. प्लॉनिंग (पर्यावरणीय आयोजना और प्रबंधन):

आयोजना विभाग ने शासी बोर्ड से उनकी XIVवीं बैठक (जनवरी, 2013 में आयोजित) विधिवत अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात और अकादमिक परिषद की III बैठक (अक्तूबर, 2012 में आयोजित) और आयोजना अध्ययन अनुसंशा बोर्ड की IV बैठक (जुलाई, 2012 में आयोजित) में उनके द्वारा यथा के पश्चात जुलाई, 2013 में पर्यावरणीय आयोजना और प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ पूर्ण-कालिक एम.प्लॉनिंग कार्यक्रम की घोषणा की।

अध्ययन बोर्ड के बाह्य विशेषज्ञों के साथ आयोजना संकाय का परस्पर विचार-विमर्श

ग) बी. प्लॉनिंग से संबंधित अकादमिक कार्यकलाप:

इस अवधि में, 4 वर्षीय आयोजना स्नातक कार्यक्रम के विभिन्न वर्षों के छात्रों को निरंतर देश के विभिन्न भागों में सीधे केस अध्ययनों के माध्यम से आयोजना अभ्यास के विभिन्न चरणों में लगाया रखा गया। बृहत् प्रकार से किए गए आयोजना कार्यों का विवरण निम्नानुसार है:-

- आस-पड़ोस स्तरीय आयोजना (वार्ड विकास योजनाएं)
- उप-शहरीय अंचल विकास आयोजना
- नगर पालिकाओं हेतु विकास आयोजना
- एकीकृत जिला विकास आयोजना

आयोजना कार्य विभिन्न क्षेत्रों की नगर-पालिकाओं और विकास एजेंसियों के अत्यधिक सहयोग से पूरा किया गया। कार्य में विषय-वस्तु संबंधी विचार लाने हेतु स्थानीय स्रोत व्यक्तियों को क्षेत्र के साथ-साथ कक्षा-कक्ष व्याख्यानों में भी शामिल किया गया। विकास योजना तैयार करने में यथा उल्लिखित विभिन्न विषय शामिल किए गए:

- भूमि उपयोग मूल्यांकन और आयोजना

- निर्मित प्रकार विश्लेषण
- डेमोग्राफिक और सामाजिक आर्थिक विश्लेषण
- आवासीय मांग और प्रकार विश्लेषण
- व्यापार और वाणिज्य विश्लेषण
- शहरों की विरासत और संरक्षण पहलुओं का विश्लेषण
- उद्योगों का स्थान चयन
- अनौपचारिक सेक्टर
- भौतिक और सामाजिक अवसंरचना आयोजना तथा सेवा स्तरीय बेंचमार्किंग
- रणनीतिक हस्तक्षेपों हेतु परिदृश्य निर्माण
- उपयुक्त विकास नियंत्रण विनियम तैयार करना
- संस्थागत कार्यढांचा विश्लेषण

बाह्य अकादमिक और औद्योगिक विशेषज्ञों के साथ समीक्षा के दौरान मौलिक भू-भाग के विश्लेषण की व्याख्या करते हुए प्रथम वर्ष के छात्र

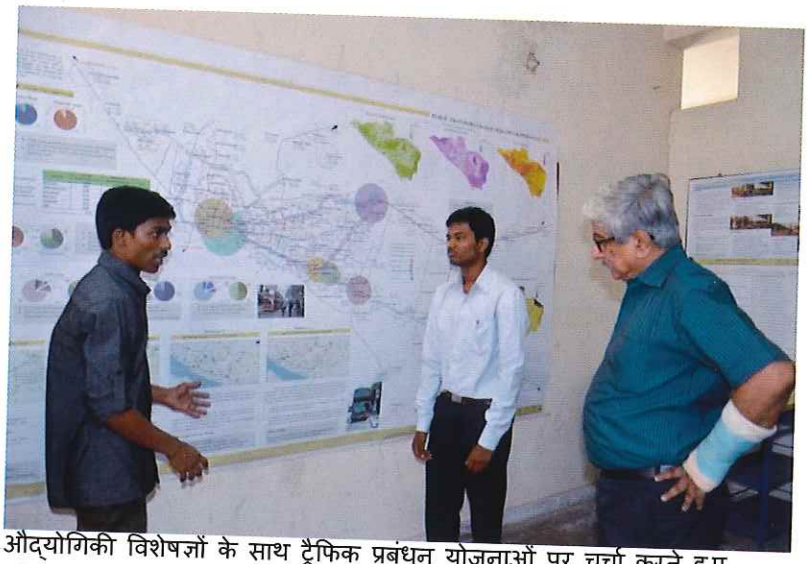

औद्योगिकी विशेषज्ञों के साथ ट्रैफिक प्रबंधन योजनाओं पर चर्चा करते हुए द्वितीय वर्ष के छात्र

IV वर्ष - पुरी मास्टर प्लान तथा उडूपी जिला विकास योजना 2031

सेमेस्टर 6 (जन 2012-मई 2012): **मास्टर प्लॉन, 2026 तैयार करना – केस: पुरी नगर निगम, ओडिशा :**

पुरी कोणार्क विकास प्राधिकरण (पीकेडीए) और पुरी नगर निगम से महत्वपूर्ण सूचनाएं प्राप्त करने से छात्रों ने विस्तृत आधारशिलालेख अध्ययन और 15 वर्षों के लिए प्रस्ताव-भूमि उपयोग, परिचालन, अवसंरचना, व्यापार और वाणिज्य, आश्रय तथा आवास और वातावरण तथा पारिस्थिति हेतु पुरी नगर निगम का मास्टर प्लॉन तैयार करने हेतु 6 विभिन्न क्षेत्रों का समाधान किया।

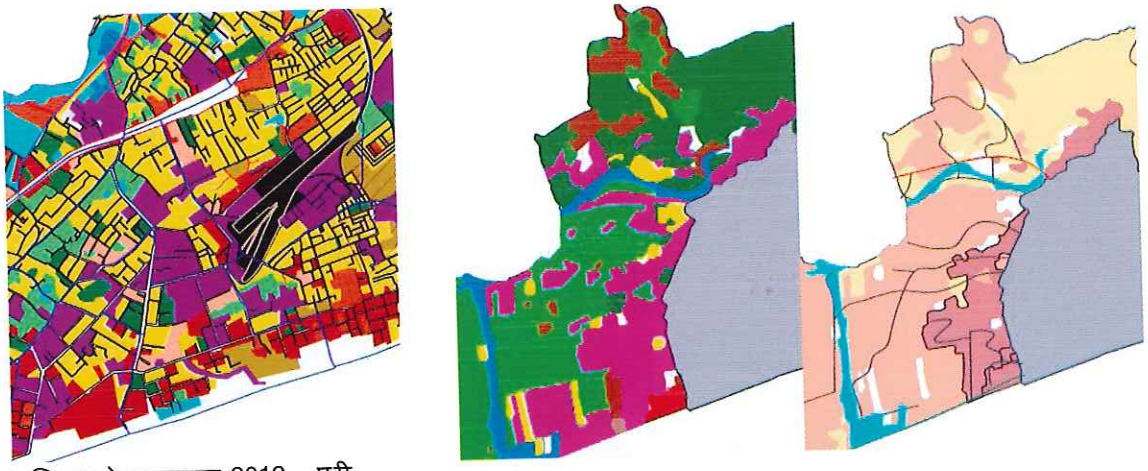

भूमि उपयोग व्याख्या 2012 - पुरी
(विद्यार्थी आउटपुट आशुचित्र)

सेमेस्टर 7 (अग. 2012-दिसं. 2012): **जिला विकास योजना तैयार करना – केस- उडूपी जिला, कर्नाटक:**

उडूपी जिला कलैक्टर के कार्यालय से महत्वपूर्ण सूचनाएं लेकर छात्रों ने विस्तृत आधारशिला अध्ययन और 20 वर्षों के लिए प्रस्ताव-भूमि उपयोग तथा व्यवस्थापन अनुक्रम, परिचालन, अवसंरचना, प्राथमिक सेक्टर, अर्थव्यवस्था और उद्योग, वातावरण तथा पारिस्थिति हेतु उडूपी जिले की क्षेत्रीय आयोजना के 6 विभिन्न पहलुओं का समाधान किया।

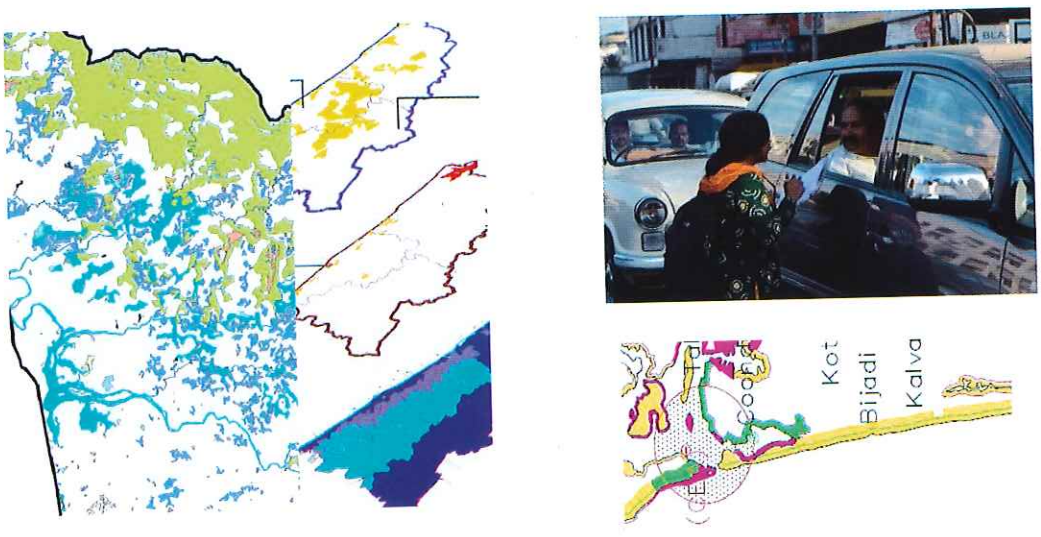

III वर्ष

सेमेस्टर 6 (जनवरी, 2013 से मई, 2013): **मास्टर प्लॉन तैयार करना – केस- ऊदकमंडलम नगर निगम, तमिलनाडु- :** उदकमंडलम नगर निगम और जिला कलेक्टर कार्यालय से महत्वपूर्ण सूचनाएं लेकर छात्रों ने विस्तृत आधारशिलालेख अध्ययन और 20 वर्षों के लिए प्रस्ताव-भूमि उपयोग, परिचालन, अवसंरचना, व्यापार और वाणिज्य तथा आवास हेतु ऊदकमंडलम नगर निगम का मास्टर प्लॉन तैयार करने हेतु 5 विभिन्न क्षेत्रों का समाधान किया।

सेमेस्टर 5 (अग. 2012 – दिसंबर, 2012): **क्षेत्र विकास आयोजना (टी. नगर और वेल्लाचेरी, चेन्नई के 2 पड़ोसी)** जिसमें प्रत्येक क्षेत्र का विस्तृत भूमि उपयोग, निर्मित प्रकार, सामाजार्थिक सर्वेक्षण, हितधारकों के साक्षात्कार शामिल है। अभ्यास विस्तृत स्थानीय क्षेत्र आयोजना प्रस्ताव तैयार करने में समाप्त हुआ।

सेमेस्टर 4 (जन. 2012- मई, 2012): विजयवाडा में आवासीय समूह का डिजाइन ; बंगलौर में 4 विभिन्न आवासीय प्रकारों के विस्तृत अध्ययन सहित आवासीय और स्थल आयोजना अभ्यास। क्रमश: विजयवाडा और बंगलौर में विस्तृत आवासीय ले-आउट आयोजना और 07 एकड़ प्लॉट का डिजाइन तैयार करना जिसमें समूह आवास और प्लॉट विकास का मिश्रण है।

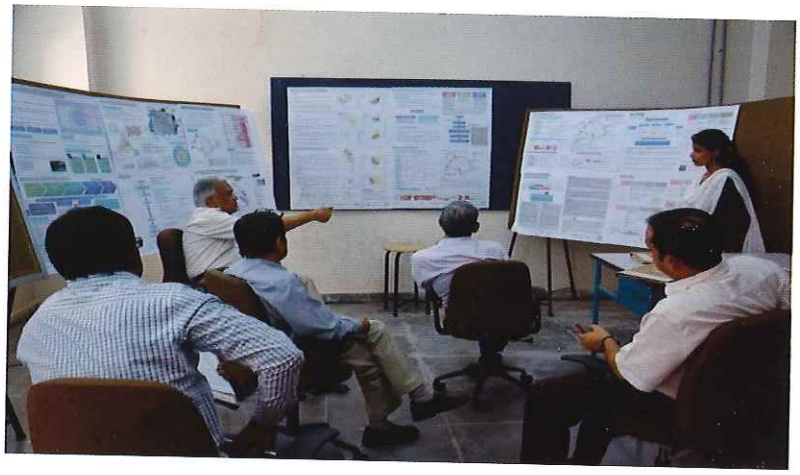

बाह्य अकादमिक तथा औद्योगिक विशेषज्ञों वाले ज्यूरी पैनल के समक्ष कार्य विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए आयोजना छात्र

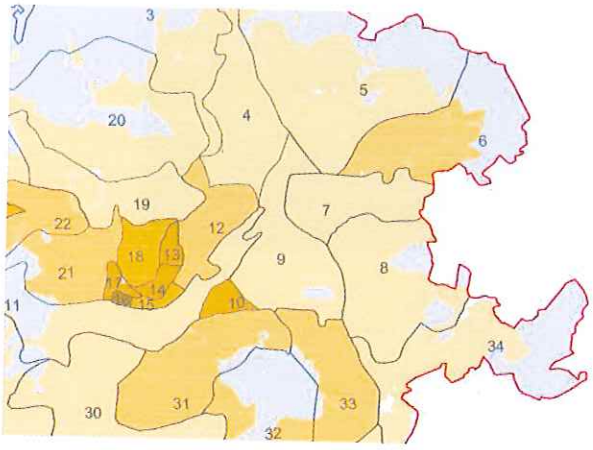

कार्य करता हुआ विद्यार्थी - क्षेत्र सर्वेक्षण से प्राप्त सुधारों को समाहित करता हुआ

II वर्ष

सेमेस्टर 2 (जन. 2012 – मई, 2012): आंध्र प्रदेश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से सोलोर्टोपोग्राफिक नक्शों के आधार पर 1:5000 विस्तृत भू-भाग मॉडल तैयार करना। जनगणना की जनसंख्या सारणी के प्रयोग से आंध्र प्रदेश के जिलों के विषय-संबंधी (थीमैटिक) नक्शे तैयार करना। परंपरागत सर्वेक्षण तकनीकों का प्रयोग करते हुए विस्तृत नक्शे (भूमि और बिल्डिंग प्रयोग, सड़क नेटवर्क, निर्मित प्रकार दर्शाते हुए) तैयार करना और मछलीपट्टनम नगर निगम के 36 वार्डों हेतु जीपीएस तैयार करना जो मछलीपट्टनम नगर निगम, **जिला कृष्णा, आंध्र प्रदेश को पराकाष्ठा तक ले जाएगा।**

सेमेस्टर 3 (अग. 2012- दिसंबर, 2012): 07 विभिन्न प्रकार के आवासीय क्षेत्रों का सामाजार्थिक और यात्रा विशेषताओं के अनुसार अभिमूल्यन छात्रों ने विजयवाडा में समूह **आवास और प्लॉट विकास वाले 1.5 हैक. के स्थान का विस्तृत ले-आउट भी तैयार किया ।**

I वर्ष

सेमेस्टर 1 (अग. 2012 – दिसंबर,2013): डिजाइन के मूल (तकनीकी ड्राइंग, ग्राफिक घटकों, सर्वेक्षण ड्राइंग इत्यादि विभिन्न कार्य)

सेमेस्टर 2 (जन., 2013 – मई, 2013): आंध्र प्रदेश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से सोलोट्रोपोग्राफिक नक्शों के आधार पर 1:5000 विस्तृत भू-भाग मॉडल तैयार करना। जिला स्तर पर जनगणना आंकड़े और भारत के विभिन्न भागों से नक्शों का उपयोग करके विषय-संबंधी (थीमैटिक) नक्शे तैयार करना। परंपरागत सर्वेक्षण तकनीकों का प्रयोग करते हुए विस्तृत नक्शे (भूमि और बिल्डिंग प्रयोग, सड़क नेटवर्क, निर्मित प्रकार दर्शाते हुए) तैयार करना और गन्नावरम्, जिला कृष्णा, आंध्र प्रदेश के 14 ब्लॉकों हेतु जीपीएस तैयार करना।

विद्यार्थी सेमेस्टर समाप्त होने पर अपना कार्य प्रस्तुत करते हैं - ग्रेटर त्रिवेन्द्रम का संवर्धन मॉडल

परस्परता सत्र और सार्वजनिक समीक्षा

ज्यूरी विचार-विमर्श के पश्चात और फोटो शूट - अंतिम वर्ष, जून, 2012

मई, 2012 में पूरी हुई थीसिस की सूची

क्र.सं.	थीसिस शीर्षक	छात्र का नाम
1	ट्रांसफॉरमेशन ऑफ अग्रहरम इन द फोर्ट एरिया ऑफ थिरूवनंतपुरम्, केरल केस एरिया : फोर्ट एरिया, थिरूवनंतपुरम्, केरल	अंशु सुसेन एलैक्जैंडर (म.)
2	यूज ऑफ जियेइंफोमेटिक्स इन लैंड सुटैबिलिटी एनालिसिस फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट-केस एरिया-विजयवाडा	मिथुन एस.आंनद
3	स्टडी ऑफ पब्लिक ट्रांसपोर्ट असैसिबिलिटी पैरामीटरर्स-केस एरिया-कानपुर सिटी	अंबर आनंद
4	रिडेवलपिंग सिटी कोर एरिया ऑफ गुवाहाटी-इंबेस्टिगेटिव स्टडी ऑफ कमर्शियल एरिया-केस एरिया-गुवाहाटी	अनंया दास (म.)
5	प्लानिंग फॉर अर्बन ओपस स्पेस, गंगटोक, सिक्किम-केस एरिया-गंगटोक, सिक्किम	निरंजन कपिल
6	एन्वायमेंटल इशुज़ इन ट्रांसफॉरमेशन ऑफ अर्बन फ्रिंज-केस एरिया-लुधियाना, पंजाब	हर्षबीर कौर धौल (म.)
7	इंपैक्ट ऑफ एमआरटीएस ऑन सरौन्डिंग लैंड यूज- केस एरिया-कोलकाता सिटी	अभिजीत कुमार
8	अर्बन डिजाइन इंटरवेंशन फॉर रिवाइविंग कोर सिटी एरिया- केस एरिया-वन टाउन, विजयवाडा	अजय कुमार
9	प्लान्ड डेवलपमेंट फॉर ए प्रीमिटिव ट्राइबल ग्रुप, केस एरिया-बोरियो ब्लॉक, साहिबगंज डिस्ट्रिक, झारखंड	सनी कुमार
10	जनरेटिंग पब्लिक स्पेस थ्रू कनाल फ्रंट डेवलपमेंट- केस एरिया-विजयवाडा	नीतीश कुमार
11	प्रायरोरिटाइजेशन मॉडल फॉर स्लम परफॉरमेंस असैसमेंट - केस एरिया - विजयवाडा म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन	सूरज कुमार

12	एप्लीकेशन ऑफ पब्लिक ट्रांसपोर्ट असैसिबिलिटी लेवन इन विजयवाडा- केस एरिया-विजयवाडा	रशीद एम.के.सी.
13	असैसमेंट ऑफ द रिस्क टू लिवलिहुड एंड डेवलपिंग कोपिंग स्ट्रैटिजिज़ फॉर ए कोस्टल डिसास्टर प्रोन डिस्ट्रिक्ट ऑफ केन्द्रपाडा, ओडिशा- केस एरिया-केन्द्रपाडा, ओशिशा	ज्योति प्रकाश मांझी
14	कम्यूनिटी, पीपल एंड नेचुरल डिसास्टर : ए रीजनल एनालिसिस ऑफ फ्लड प्लेनस ऑफ दरभंगा डिस्ट्रिक्ट, बिहार-केस एरिया-दरभंगा डिस्ट्रिक्ट, बिहार	आशीष मोहन
15	इंपोरटेंस ऑफ नॉन-मोटराइज ट्रांसपोर्ट सिस्टम एंड इट्स एप्लीकेशन इन स्मॉल टाउन, केस एरिया-मछलीपट्नम	दक्ष पुज
16	इकोलॉजिकली सैसिटिव अर्बन डेवलपमेंट फॉर थिरूवनंतपुरम् डिस्ट्रिक्ट, केरल-ए स्पैशल एनालिसिस ऑफ नेचुरल रिसोर्स एंड अर्बनाइजेशन-केस एरिया – थिरूवनंतपुरम-डिस्ट्रिक्ट-केरल	राजीव आर.
17	म्यूनिसिपल फाइनेंस-एन असैसमेंट-केस एरिया-सिल्चर म्यूनिसिपल बोर्ड	सोनिका राजपूत (म.)
18	टू फाइंड पोटेंशनल इन जयपुर सिटी एस वर्ल्ड हैरिटेज़ टूरिस्ट डैस्टीनेशन-केस एरिया-जयपुर	अनुजा रावत (म.)
19	चैलेंज फेस्ड बॉय नेशनल हाइवे रनिंग थ्रू अर्बन एरिय-केस एरिया-विजयवाडा	जी. रेशमा रेड्डी (म.)
20	फैक्टर इफैक्टिंग अर्बन पैसेंजर ट्रांसपोर्ट फ़्यूल कंसम्पशन-केस एरिया-विजयवाडा	विनीत त्रिवेदी

आयोजना विभाग में अकादमिक कार्यकलापों के अन्य आशुचित्र

विद्यार्थी अपना मॉडल और स्थान विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए

समयबद्ध लिखित मूल्यांकन प्रक्रियाधीन - आयोजना थ्योरी

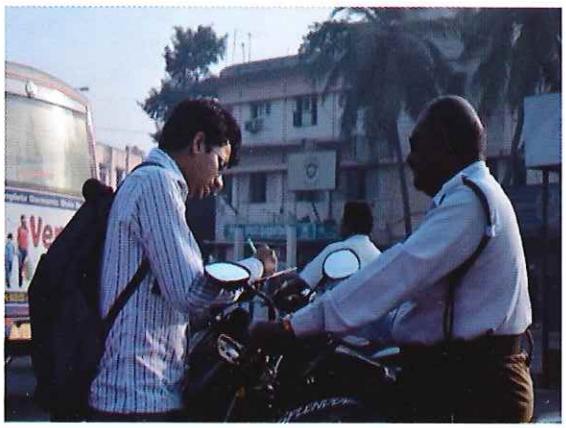

क्षेत्र कार्य - चौराहा विशेषताएं और रूट योजनाएं

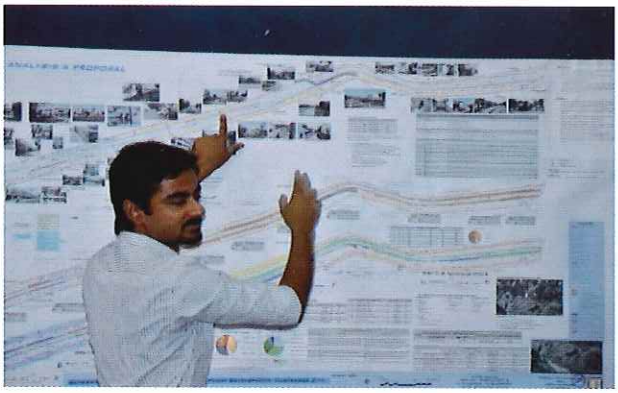

कनॉल फ्रंट विकास चर्चा - अंतिम वर्ष का छात्र अपना कार्य दर्शाता हुआ

बिना किसी तैयारी के वाद-विवाद सत्र

हितधारक तथा संसाधन मैपिंग

12.0 छात्र प्रशिक्षण और नियोजन

वास्तुकला विभाग

अकादमिक पाठ्यचर्या के भाग के रूप में, वास्तुकला छात्रों को परियोजना रिपोर्ट पर कार्य करना अनिवार्य है जो बी.आर्क. के चतुर्थ वर्ष के प्रथम चरण के दौरान एकल पाठ्यक्रम है। उक्त चरण के दौरान, छात्रों को विद्यालय से बाहर वास्तुकला फर्मों में प्रायोगिक प्रशिक्षण लेना आवश्यक है। इसका कारण छात्रों को अकादमिक विश्व से जोड़े रखना है, जब वे विद्यालय से बाहर हैं और व्यावसायिक कार्यालयों अथवा निर्माण स्थलों पर फील्ड प्रशिक्षण ले रहे हैं। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी विशेष रूचि का विषय चुनें और प्रशिक्षण अवधि के दौरान अथवा समन्वयक द्वारा सौंपे गए कार्यों से संबंधित विषयों पर किए गए अनुसंधान की रिपोर्ट तैयार करें।

बी.आर्क. के दूसरे बैच के छात्रों ने (वर्ष 2009 में दाखिल) विभाग के प्रायोगिक प्रशिक्षण समन्वयकों के सूक्ष्म मार्गदर्शन में देश भर के विभिन्न कार्यालयों में प्रायोगिक प्रशिक्षण लिया है। शहर और वास्तुकार/फर्म के संबंध में छात्रों की रूचि फर्म के चयन अथवा फर्म द्वारा चयन की पूरी प्रक्रिया में एक मुख्य पैरामीटर थी। पूरे कार्यक्रम में प्रत्येक छात्र की प्रगति का मूल्यांकन करने और प्रशिक्षार्थी के कार्य के प्रदर्शन के संबंध में वास्तुकार से फीडबैक लेने की सूक्ष्मत: निगरानी की गई।

आयोजना विभाग

बी. प्लॉनिंग के प्रथम बैच के छात्र जिन्होंने अपनी अकादमिक आवश्यकताएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं वे सभी निजी उद्योगों अथवा सरकारी विभागों में कार्यरत हैं अथवा उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। संबंधित विवरण का सार नीचे दिया गया है:-

प्लेसमेंट विवरण

क्र.सं.	छात्र का नाम	नियोजित/अध्ययनरत
1	अंशु सुसन एलेक्जेंडर	शहरी नीति स्नातकोत्तर में अध्ययनरत - टीआईएसएस, मुंबई
2	मिथुन एस. आनंद	एम. प्लान (क्षेत्रीय आयोजना) में अध्ययनरत - एसपीए, दिल्ली
3	अम्बर आनंद	केपिटा सायमंड - पुणे
4	अनन्या दास	दिल्ली विकास एजेंसी, दिल्ली

5	निरंजन कपिल	गंगटोक आयोजना बोर्ड (नगर निगम)
6	हर्षबीर कौर	आईआरआरएडी, गुड़गांव
7	अभिजीत कुमार	ट्रांसपोर्ट प्लानर्स एसोसिएट, दिल्ली
8	अजय कुमार	रूद्राभिषेक प्लानिंग कंसल्टेंट्स, दिल्ली
9	सनी कुमार	सीड्स, दिल्ली
10	नीतिश कुमार	नोएडा योजना प्राधिकरण, नोएडा
11	सूरज कुमार	एसपीयूआर, पटना
12	राशिद एम. के. सी.	टीसीपीओ पाल्लकाड, केरल
13	ज्योति प्रकाश माझी	एम. प्लान (क्षेत्रीय आयोजना) में अध्ययनरत - एसपीए, दिल्ली
14	आशीष मोहन	शहरी नीति स्नातकोत्तर में अध्ययनरत - टीआईएसएस, मुंबई
15	दक्ष पुंज	नेशनल ज्योग्राफिक में इंटर्न, नई दिल्ली
16	राजीव आर.	एम. प्लान (क्षेत्रीय आयोजना) में अध्ययनरत - एसपीए, दिल्ली
17	सोनिका राजपूत	एसईआर कंसल्टेंट्स, दिल्ली
18	अनुजा राव	नोएडा योजना प्राधिकरण, नोएडा
19	जी. रेश्मा रेड्डी	एम. प्लान (क्षेत्रीय आयोजना) में अध्ययनरत - एसपीए, दिल्ली
20	विनीत	रूद्राभिषेक प्लानिंग कंसल्टेंट्स, दिल्ली

फोटो गैलरी

वास्तुकला छात्रों हेतु डा. अनंत कृष्णन् द्वारा वास्तुशिल्पीय थीसिस पर कार्यशाला

वास्तुकला छात्रों हेतु सुश्री सुप्रीति द्वारा मॉडल बनाने की कार्यशाला

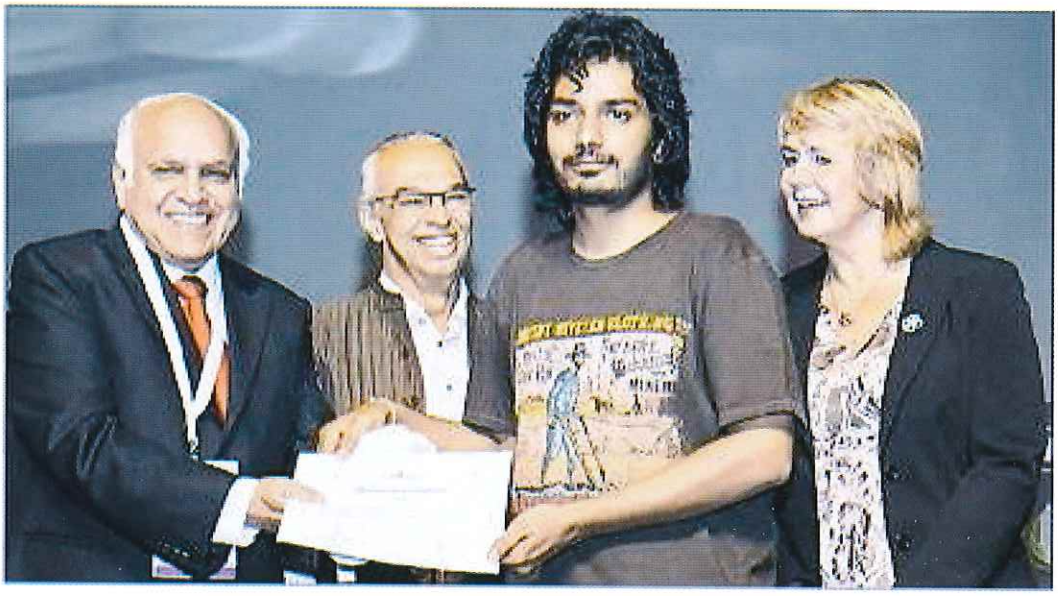

अंतिम वर्ष के छात्र श्री रोहित जायसवाल ने हैदराबाद में ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2012 (आईजीबीसी-2012) में हुई डिजाइन प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया

अंतिम वर्ष के छात्र श्री रोहित जायसवाल ने आईएसबी, हैदराबाद हुए उपभोक्ता अनुभव पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (यूएक्स इंडिया, 2012) में पुरस्कार प्राप्त किया

बोर्ड के सदस्यों की बैठक

बाह्य डिजाइन ज्यूरी

इनयान 2013 के अवसर पर छात्रों के कार्यों और एसपीएवी परिसर डिजाइन ड्राइंग पर श्री यालामनचिली रवि, विधायक का दौरा

13.0 लेखा परीक्षा रिपोर्ट

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
हैदराबाद-500004

डॉ. सादु इस्राईल
Dr. Sadu Israel, *IA & IS*

PRINCIPAL DIRECTOR AUDIT (CENTRAL)
HYDERABAD-500004

नंपी.डी.ए(सी)/सीएबी/यु.111/पी.ए/एस.ए.आर एस.ए.आर एस.पी.ए.वी/सी266/2013 14/54
17 अक्तूबर, 2013

प्रिय,

हमने जुलाई 2013 में योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के वर्ष 2012 2013 के वार्षिक लेखाओं की लेखापरीक्षा की। लेखाओं पर महत्वपूर्ण टिप्पणियां भारत सरकार को अलग से जारी की गई लेखापरीक्षा रिपोर्ट, जिसकी प्रति आपको अग्रेषित की गई है, में शामिल की गई हैं। कुछ टिप्पणियां, जो लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं, जिन पर प्रबंधन का ध्यानाकर्षण आवश्यक है, नीचे दी गई हैं ताकि आप आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई कर सकें।

1. संगम ज्ञापन और नियमों तथा विनियमों में यथाअधिदेशित वार्षिक आम बैठकें आवधिक रूप से की जानी चाहिए।

2. दो वर्ष से अधिक समय से लंबित 7.20 लाख रू. के अग्रिमों के समायोजन की कार्रवाई की जानी आवश्यक है।

भवदीय,
हस्ताक्षर

निदेशक
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय-विजयवाड़ा,
सर्वेक्षण सं. 71/1 एन.एच 5, निडमानूरू,
विजयवाड़ा-521 104.

प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय (केन्द्रीय)

आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद 500004

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR AUDIT (CENTRAL)

HYDERABAD-500004

नंपी.डी.ए(सी)/सीएबी/यू.111/पी.ए/एस.ए.आर एस.ए.आर एस.पी.ए.वी/सी266/2013 14/53

तिथि: 17.10.2013

सेवा में,
सचिव, भारत सरकार
उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
128, 'सी' विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली 110001

महोदय,

संसद के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु योजना एवं वास्तुकला विद्यालय की वर्ष 2012 13 के वार्षिक लेखाओं के साथ पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट अग्रेषित की जा रही है।

सदन की दोनों सभाओं में पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तिथि कृपया सूचित करें।

संलग्नकों सहित इस पत्र की पावती दें।

भवदीय,
हस्ताक्षर
मुख्य निदेशक, लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

संलग्न.नं.पी.डी.ए(सी)/सीएबी/यू.111/पी.ए./एस.ए.आर एस.ए.आर एसपीएवी/सी266/2013 14/55 तिथि 17.10.2013

प्रतियां: निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा, सर्वेक्षण सं. 71/1 एन.एच 5, निडमानूरू, विजयवाड़ा-521104 (अनुरोध है कि उक्त अनुमोदित वार्षिक लेखा प्रति के हिन्दी अनुवाद के चार प्रतियां (4 सेट) इस कार्यालय में भेजें।

हस्ताक्षर
उपनिदेशक (प्रशासन, डी.टी. और सी.ए.बी.) आई/सी

दूरभाष: सं. 23236811 से 23236819 फैक्स: 040 23232294

31 मार्च, 2013 को समाप्त हुए वर्ष हेतु योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के लेखाओं से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने योजना तथा वास्तुकला विद्यालय के नियमों और उप नियमों की धारा 23 (ख) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के तहत 31 मार्च, 2013 तक योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के संलग्न तुलनपत्र और उसी तिथि तक समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखे/ प्राप्तियां तथा भुगतान लेखे की लेखा परीक्षा कर ली है। लेखा परीक्षा 2012 13 की अवधि के लिए सौंपी गई है। ये वित्तीय विवरण विद्यालय के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है । हमारी जिम्मेदारी अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपना अभिमत व्यक्त करना है ।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों तथा प्रकटन मानदण्डों आदि के साथ अनुरूपता के संबंध में केवल लेखांकन विवेचन के संबंध में ही भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां निहित हैं । कानून, नियम और विनियम (उपयुक्तता एवं नियमितता) तथा दक्षता सह कार्यनिष्पादन से जुड़े पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय संव्यवहार से संबंधित लेखा परीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हों, की सूचना निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से दी जाती हैं ।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षा मानदण्डों के अनुरूप ही की है । इन मानदण्डों में यह अपेक्षित है कि हम अपनी लेखा परीक्षा की योजना को इस प्रकार निष्पादित करें ताकि हम इस बाबत उचित आश्वासन प्राप्त कर सकें कि वित्तीय विवरणों में कोई आंकड़ामूलक गलत बयानी तो नहीं है । लेखा परीक्षा की प्रक्रिया में वित्तीय विवरणों में उल्लिखित राशियों तथा प्रकटन के समर्थन में दिए गए साक्ष्यों की परीक्षण आधार पर जांच करना शामिल है । लेखा परीक्षा प्रक्रिया में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धान्तों तथा किए गए महत्वपूर्ण आकलन और साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल है । हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारे अभिमत हेतु एक उचित तर्काधार मौजूद है ।

4. - अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह सूचित करते हैं कि:

i) हमने उन सभी सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों को प्राप्त कर लिया है जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ अपेक्षित थे।

ii) इस रिपोर्ट में शामिल तुलनपत्र तथा आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित सामान्य प्रपत्र में ही सम्पन्न किए गए हैं ।

iii) हमारे विचार से इन पुस्तकों की जांच से हमें ऐसा प्रतीत होता है कि लेखा पुस्तकों तथा अन्य संगत रिकार्डों का उचित रख रखाव किया गया है ।

iv) हम आगे यह सूचित करते हैं कि:

क. तुलन पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 सामान्य निधि 24.58 करोड़ रू.

इसमें 18.83 करोड़ रू. की राशि जो विद्यालय के भवन के निर्माण हेतु योजना अनुदान के रूप में प्राप्त की गई थी, जिसे विशेष रूप से चिन्हित निधियों के तहत प्रकट की जानी थी, शामिल है, जिसके कारण 18.83 करोड़ रू. सामान्य निधि में अधिक दर्शाए गए और चिन्हित निधि कम दर्शाए गए।

ख. आय और व्यय लेखा

ख.1 व्यय

ख.1.1 इसमें एसपीए परिसर के भवनों/सुविधाओं/सेवाओं के लिए वास्तुशिल्पीय और इंजीनियरी डिजाइन तैयार करने हेतु परामर्श प्रदान वाली वास्तुकला फर्म को जमा शुल्क के रूप में दी गई 51.03 लाख रू. की राशि जिसका पूंजी के रूप में प्रयोग किया जाना था, शामिल है, जिसके कारण 51.03 लाख रू. सामान्य निधि और स्थिर परिसम्पत्तियों (मुख्य कार्य प्रक्रियाधीन) के अनुगामी कम दर्शाए गए और नुकसान में अधिक दर्शाए गए।

ग. सामान्य

ग.1 वार्षिक लेखाओं में "कायिक/पूंजीगत निधि" को "सामान्य निधि" के रूप में दर्शाया गया जो कि लेखा के समान प्रपत्र के अनुरूप नहीं है।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष के दौरान प्राप्त कुल सहायता अनुदान (मार्च 2013 में कोई अनुदान प्राप्त नहीं किया गया) 22.83 करोड़ रू. के साथ 4.79 करोड़ रू. का अव्ययित शेष और 1.34 करोड़ रू. का अन्य प्राप्तियां जो कुल मिलाकर 28.96 करोड़ रू. हुआ, में से 31 मार्च, 2013 की स्थिति के अनुसार विद्यालय ने 27.57 करोड़ रू. का उपयोग किया और 1.39 करोड़ रू. का अव्ययित शेष छोड़ दिया।

ड. प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल नहीं की गई विसंगतियां, उस प्रबंधन पत्र के माध्यम से निदेशक, एसपीएवी के ध्यान में लाई गई हैं, जो सुधारात्मक/सुधारक कार्रवाई हेतु अलग से जारी किया गया है।

(v) पिछले पैराओं में अपनी टिप्पणियों के अधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में बनाया गया तुलनपत्र और आय और व्यय लेखे/प्राप्तियां और भुगतान लेखा लेखाओं की पुस्तकों के अनुरूप है ।

(vi) हमारा मत है कि हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखा संबंधी नीतियों और लेखा टिप्पणियों के साथ घटित उपर्युक्त वित्तीय विवरणों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उक्त बताए गए महत्वपूर्ण मामलों तथा उल्लिखित अन्य मामलों के शर्ताधीन भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा संबंधी सिद्धान्तों के अनुरूप सही और स्पष्ट दृष्टिकोण दर्शाती है।

(क) जहां तक इसका 31 मार्च, 2013 तक योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के कार्यों से संबंधित तुलनपत्र का संबंध है ; और

(ख) जहां तक इसका उस तारीख को समाप्त वर्ष के नुकसान के आय और व्यय लेखों से संबंधित है ।

हस्ताक्षर
(सादु इज़राइल)
मुख्य निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)

संलग्नक

आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता:

आंतरिक लेखा परीक्षा आंतरिक लेखा परीक्षक को सौंपी गई जिसे आउटसोर्स आधार पर नियुक्त किया गया और उपयुक्त पाया गया।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता:

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली उपयुक्त है और लेखा परीक्षा द्वारा पाए गए क्षेत्रों में संस्थान के आकार और प्रकृति के अनुरूप है।

3. स्थिर परिसम्पत्तियों की वास्तविक प्रमाणन प्रणाली:

वर्ष 2012 13 के लिए स्थिर परिसम्पत्तियों का वास्तविक प्रमाणन नहीं किया गया।

4. वस्तुसूची की वास्तविक प्रमाणन प्रणाली:

वर्ष 2012 13 के लिए वस्तुसूची का वास्तविक प्रमाणन नहीं किया गया।

5. सांविधिक बकायों के भुगतान में नियमितता:

सांविधिक बकायों का नियमित रूप से भुगतान किया जाता है।

हस्ताक्षर
उप निदेशक (प्रशा., डीटीएंडसीएवी) आई/सी

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा

वित्तीय विवरण

2012 13

को समाप्त वर्ष

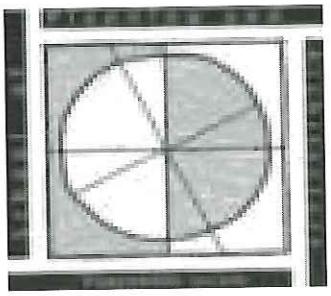

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा

31.03.2013 की स्थिति के अनुसार आय व्यय तुलन पत्र

निधियों का स्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछली वर्ष
सामान्य निधि	1	245,823,046	85,467,972
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	2	25,411,353	21,289,375
कुल		**271,234,399**	**106,757,347**
आवेदित निधियों			
नियत परिसम्पत्तियां	3	24,663,323	17,672,282
वर्तमान परिसम्पत्तियां	4	48,702,197	83,959,241
ऋण, अग्रिम, जमा	5	197,868,879	5,125,824
कुल		**271,234,399**	**106,757,347**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और खाते पर की गई टिप्पणियां

कुलसचिव

निदेशक

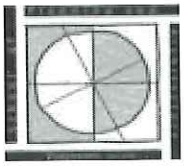

शैक्षिक संस्था का नाम: योजना तथा वास्तुकला विद्यालय-विजयवाड़ा

31.03.2013 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय और व्यय खाता

(संशोधित)

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आय:			
शैक्षिक प्राप्तियां	6	8,508,683	6,947,150
अनुदान और डोनेशन	7	40,000,000	20,000,000
अन्य आय	8	4,904,937	4,233,336
कुल (ए)		**53,413,620**	**31,180,486**
व्यय:			
कर्मचारियों को भुगतान, लाभ	9	15,843,211	16,282,819
शैक्षणिक व्यय	10	6,800,796	6,607,377
प्रशासन और सामान्य व्यय	11	48,849,881	35,949,715
परिवहन व्यय	12	1,239,223	68,095
मरम्मत और अनुरक्षण	13	643,226	4,859,174
वित्त और लागत	14	12,326	23,991
अन्य व्यय	15	4,026,420	4,406,952
मूल्यह्रास		5,008,812	6,027,469
कुल (बी)		**82,423,895**	**74,225,592**
आय से अधिक व्यय का संतुलन (ए बी)		**29,010,275**	**43,045,106**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और खाते पर की गई टिप्पणियां 16

कुल सचिव **निदेशक**

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय- विजयवाड़ा

1.4.2012 से 31.3.2013 की अवधि हेतु प्राप्तियां और भुगतान खाता

प्राप्तियां	रू.	भुगतान	रू.
बैंक में प्रारंभिक रकम	83,125,130	स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद से	12,139,231
		व्यय	76,336,621
प्राप्त अनुदान:			
- मूल अनुदान	188,300,000		
- राजस्व अनुदान	40,000,000		
जमा राशि की वापसी		वर्ष के दौरान जमा की गई राशि से भुगतान	
- दूरभाष जमा	2,700	- किराया अग्रिम	400,000
- राशि की वापसी किराया	686,460	- बिजली की अग्रिम	27,960
		- नासा निधि	5,000
		- के.डी.एल.ओ. परस्पर सहकार भंडार	50,000
प्राप्त छात्रवृत्ति	1,290,349	छात्रवृत्ति से भुगतान	731,649
प्राप्त ब्याज			
- एस.बी ब्याज	2,415,569	स्थिर रकम से	30,952,133
- स्थिर रकम पर ब्याज	1,807,439		
छात्रों से प्राप्त की गई फीस		विद्यालय शुल्क की वापसी निष्क्रित छात्रों को	
- शैक्षणिक प्राप्तियां	4,612,500	- शैक्षणिक प्राप्तियां	222,550
- छात्रावास शुल्क की वसूली	3,149,750	- छात्रावास शुल्क की वसूली	142,094
- परीक्षा एवं जांच शुल्क	892,000	- परीक्षा एवं जांच शुल्क	30,000
- खेलकूद शुल्क	135,300	- खेलकूद शुल्क	5,550
- पहचान पत्र की शुल्क	11,200	- पहचान पत्र शुल्क	1,000
- चिकित्सा शुल्क	44,600	- चिकित्सा शुल्क	1,500
- एन.ओ.एस. योजना शुल्क	99,000	- एन.ओ.एस. योजना शुल्क	7,000
- नासा. शुल्क	357,000	- नासा. शुल्क	8,000
- सोसाइटी भंडार शुल्क	56,000	- सोसाइटी भंडार शुल्क	5,000
- वसूल की गई छात्र निधि	89,200	- छात्र निधि	3,000
- छात्र संघ शुल्क	451,000	- छात्र संघ निधि	18,500
- पूर्व विद्यार्थियों का शुल्क	103,200		

प्राप्तियां	रू.	भुगतान	रू.
<u>अन्य आय</u>		नासा व्यय	199,868
- उम्मीदवारों की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र शुल्क	76,700	छात्र सहायक संघ व्यय	24,874
- आरटीआई शुल्क	50	छात्र संघ शुल्क	479,615
- विविध आय	292,149		
- पूर्व अवधि की आय	51,559		
<u>छात्रों की जमा</u>		<u>छात्रों की लौटायी गई धनराषि (प्रतिभूति)</u>	
- प्रतिभूति जमा (पुस्तकालय)	625,000	- प्रतिभूति जमा (पुस्तकालय)	220,000
- प्रतिभूति जमा (विद्यालय)	600,000	- प्रतिभूति जमा (विद्यालय)	210,000
- प्रतिभूति जमा (छात्रावास)	660,000	- प्रतिभूति जमा (छात्रावास)	234,000
- मेस प्रतिभूति जमा	271,500	- मेस प्रतिभूति जमा	85,000
- निजी जमा	1,217,700	- निजी जमा	1,217,700
वर्ष के दौरान समायोजित अग्रिम राशि	9,006,853	वर्ष के दौरान दी गई अग्रिम राशि	5,863,845
प्राप्त अर्जित जमा	475,465	अर्जित जमा से चुकाया रकम	451,891
<u>सांविधिक देयताएं</u>		<u>सांविधिक देयाता द्वारा</u>	
- टी.डी.एस/आयकर	3,425,739	- टी.डी.एस/आयकर	3,425,739
- वृत्ति कर	156,352	- वृत्ति कर	156,352
- नई पेंशन योजना	2,312,520	- नई पेंशन योजना	4,525,116
वित्त वर्ष 2011-12 में कर्मचारियों के अतिरिक्त भुगतान की वसूली	129,395	- सी.जी.एच.एस	1,000
वित्त वर्ष 2011-12 का कर्मचारियों का आयकर	22,996	समायोजित कालातीत चेक से	173,061
छात्रों से वसूल की गई मेस की अग्रिम राशि	10,786,630	सीपीडब्ल्यूडी की निर्माण की अग्रिम	193,255,000
छात्रों द्वारा भुगतान की अधिक किया गया शुल्क	225,500	समायोजित छात्रों की मेस अग्रिम	6,905,744
वित्त वर्ष 2011-12 का प्राप्ति योग्य शुल्क	14,600	छात्रों को वापस किया गया अतिरिक्त	36,600
		पूर्वदत्त व्यय से	2,051,833
		बैंक की रोकड़ बाकी	17,375,079
	357,979,105	-	**357,979,105**

कुल-सचिव **निदेशक**

स्थान: विजयवाड़ा

दिनांक:

31.3.2013 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र की अनुसूचियों का भाग

अनुसूची 1: सामान्य निधि

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष में आरंभ में शेष	85,467,972	98,513,078
जमा: सामान्य निधि के लिए अंशदान	188,300,000	
जमा: प्रस्तुत वर्ष में पूर्व अवधि में दी गई अधिक भुगतान की वसूल	165,348	
जमा: वर्ष 2011 12 में वास्तुशिल्पियों को दी गई अतिरिक्त भुगतान जो भविष्य की समायोजिता के लिए माना गया व्यय	900,000	
जमा: वर्तमान वर्ष में प्राप्त अतिरिक्त मूल अनुदान		30,000,000
अतिरिक्त (घटाव): आय और व्यय खाते में हस्ताक्षरित की गई आय/व्यय का निबल शेष	-29,010,275	-43,045,106
वर्ष के अंत में शेष	**245,823,046**	**85,467,972**

कुल सचिव

निदेशक

अनुसूची 2 वर्तमान देयताएं और प्रावधान

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए. वर्तमान देयताएं		
1. छात्रों से जमा की गई रकम	7,813,500	6,406,000
2. विविध प्रकार के उधारें		
क) सामग्री और सेवाओं के लिए		
ख) अन्य	1,841,563	2,204,478
3. सांविधिक (जी.पी.एफ., पीडीएस, डब्ल्यू.सी.पी.एफ, जीआईएस, एनपीएस)		
अति देय		
अन्य	993,240	3,206,836
4. अन्य वर्तमान देयताएं		
i) सुरक्षा निधि/रखे हुए नकद	501,442	477,868
ii) पूर्व विद्यार्थी संघ की शुल्क	133,200	30,000
iii) नासा शुल्क	321,070	171,938
iv) एनओएस योजना शुल्क	127,586	35,586
v) एसपीए भंडार संघ का शुल्क	235,000	184,000
vi) छात्र सहायक निधि	171,126	109,800
vii) छात्र संघ शुल्क	591,128	638,243
viii) छात्रों की लौटाया जाने योग्य (प्रतिदेय) शुल्क	270,255	81,355
ix) छात्रवृत्ति	750,700	192,000
x) कालातीत चेक्स	117,890	290,951
xi) मेस अग्रिम राशि	3,134,370	
xii) मेस अग्रिम राशि		2,513
कुल (ए)	**17,002,070**	**14,031,568**
बी. प्रावधान		
1. उप्दान	3,658,142	3,024,213
2. अधिवर्षिता/पेंशन	401,856	401,856
3. संचित छुट्टी के बदले नकद भुगतान	2,196,560	1,430,523
4. भुगतान योग्य व्यय	2,152,725	2,401,215
कुल (बी)	**84,09,283**	**7,257,807**
कुल (ए+बी)	**25,411,353**	**21,289,375**

कुल सचिव

निदेशक

अनुसूची 3 आरक्षित स्थिर परिसम्पत्तियों और मूल्यह्रास का विवरण

विवरण	कुल खंड				मूल्यह्रास				निवल खंड	
	वर्षारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान अनुवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्षांत में लागत/ मूल्यांकन	वर्षारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान अनुवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्षांत में कुल राशि	प्रस्तुत वर्षांत तक	पिछले वर्षांत तक
1. जमीन										
क) पूर्व स्वामित्व	1			1						
ख) पट्टे पर										
2. भवन										
3. प्लांट, यंत्र और उपकस्कर		256,539		256,539		6,575		6,575	249,964	
4. वाहन	155,725			155,725	48,308	16,013		64,321	91,404	107,417
5. फर्नीचर और फिक्सचर	12,853,840	4,477,699		17,331,539	1,859,663	1,380,793		3,240,456	14,091,083	10,994,177
6. कार्यालय उपस्कर	1,810,521	319,165	106,458	2,023,228	535,517	198,419	11,200	722,736	1,300,492	1,275,004
7. कंप्यूटर/परिवीक्षण यंत्र (पेरिफ़ेरल्स)	14,150,667	824,528	31,579	14,943,616	11,268,681	2,018,542	19,695	13,267,528	1,676,088	2,881,986
8. बिजली संबंधी यंत्रों का प्रतिष्ठापन	495,208	2,332,335	17,868	2,809,675	35,577	159,324	1,125	193,776	2,615,899	459,631
9. पुस्तकालय पुस्तकें	3,784,855	3,654,988	15,493	7,424,350	2,828,803	1,120,905		3,949,708	3,474,642	956,052
10. नलकूप और जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियां										
निर्माण	1,117,938	251,537		1,369,475	152,164	**1,02,090**		254,254	**1,115,221**	965,774
खेल कूद	43,776	22,440		66,216	11,536	**6,151**		17,687	**48,529**	32,240
कुल	**34,412,531**	**12,139,231**	**171,398**	**46,380,364**	**16,740,249**	**5,008,812**	**32,020**	**21,717,041**	**24,663,323**	**17,672,282**

कुल सचिव

निदेशक

अनुसूची 4 वर्तमान परिसम्पत्तियां

विविध प्रकार के ऋणी	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
क) छः महीनों से बकाया ऋण (सी.सी.बी.)		50,000		64,600
ख) अन्य				
i) कर्मचारियों के आय कर				22,996
ii) छात्रों की मेस शुल्क				746,516
बैंक में शेष रकम (जैसा निर्धारित निधि में दिया गया है अथवा अन्यथा वर्गीकृत किया गया)				
अनुसूचित बैंकों के अंतर्गत				
निश्चित अवधि खाते में		31,277,118		
बचत खाते में		17,375,079		83,125,129
कुल		**48,702,197**		**83,959,241**

कुल सचिव

निदेशक

अनुसूची 5: ऋण, अग्रिम, जमाएं

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम (ब्याज रहित)		
क) वेतन		
ख) त्योहार		
ग) एल.टी.सी.	86,990	
घ) चिकित्सा	100,000	100,000
ड.) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)		
2. कर्मचारियों के दीर्घ कालिक ऋण (ब्याज रहित)		
क) वाहन ऋण		
ख) गृह ऋण		
ग) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)		
3. वसूल की जाने वाली अग्रिम और अन्य नकद		
क) पूंजीगत खाते पर	193,255,000	629,002
ख) प्रदायकों से		
ग) अन्य	1,020,206	2,835,772
4. पूर्वदत्त व्यय		
क) बीमा		
ख) अन्य व्यय	2,051,833	
5. जमा		
क) दूरभाष		
ख) पट्टा भाडा	1,271,890	1,561,050
ग) बिजली	27,960	
घ) ए.आई.सी., टी.ई., यदि लागू हो		
ड.) एम.सी.आई, यदि लागू हो		
च) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)		
i) नासा जमानत राशि	5,000	
ii) के.डी.एल.ओ. पारस्परिक सहायक भंडार विजयवाड़ा	50,000	
कुल	**197,868,879**	**5,125,824**

कुल सचिव

निदेशक

अनुसूची 6 शैक्षिक प्राप्तियां

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
शैक्षिक		
1. शिक्षा शुल्क	3,118,200	2,570,400
2. प्रवेश शुल्क		
3. नामांकन शुल्क	57,000	51,000
4. पुस्तकालय और श्रव्य दृश्य शुल्क	862,000	714,000
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. कला और क्राफ्ट शुल्क		
7. पंजीकरण शुल्क (केवल पीएच.डी)	1,500	
8. पत्रिका शुल्क	129,750	107,100
9. मुद्रण और लेखन सामग्री	215,500	178,500
10. शैक्षिक समर्थन शुल्क (केवल पीएच.डी)	6,000	
कुल (ए)	**4,389,950**	**3,621,000**
परीक्षाएं		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क		
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	862,000	714,000
3. अंक पत्र, प्रमाण पत्र शुल्क		
कुल (बी)	**862,000**	**714,000**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	10,200	10,200
2. जुर्माना/विविध शुल्क	66,027	
3. चिकित्सा शुल्क	43,100	35,700
4. परिवहन शुल्क		
5. खेल कूद शुल्क	129,750	107,100
6. छात्रावास शुल्क		
क) बिजली शुल्क	660,644	536,850
ख) चिकित्सा शुल्क	147,400	119,400
ग) कमरों का किराया	2,199,612	1,789,500
7. आवेदन पत्र शुल्क		13,400
कुल (सी)	**3,256,733**	**2,612,150**
प्रकाशन की बिक्री (विक्रय)		
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्न पत्र इत्यादि का विक्रय		
2. विवरणिका (प्रवेश प्रपत्र सहित) का विक्रय		
कुल (डी)		
कुल योग (ए+बी+सी+डी)	**8,508,683**	**6,947,150**

कुल सचिव निदेशक

अनुसूची 7 : अनुदान एवं डोनेशन (प्राप्त अचल अनुदान एवं आर्थिक सहायता)

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. केन्द्र सरकार	40,000,000	20,000,000
2. राज्य सरकार		
3. सरकारी अभिकरण (एजेंसी)		
4. संस्थाए/ कल्याण निकाय		
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (विनिर्दिष्ट)		
कुल	**40,000,000**	**20,000,000**

अनुसूची 8 : अन्य आय

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए.) आवधिक काल जमा पर ब्याज		
क) अनुसूचित बैंक के साथ	2,132,424	
बी.) जमा खातों की ब्याज		
क) अनुसूचित बैंक	2,418,082	3,281,061
सी.) अन्य		
1. परामर्श से प्राप्त आय		262,500
2. आर.टी.आई शुल्क	50	
3. स्वामिस्व से प्राप्त आय		
4. आवेदन पत्रों की बिक्री (नियुक्ति के लिए)	76,700	383,251
5. विविध प्राप्तियां (निविदा फार्म, रद्दी कागज की बिक्री)	226,122	306,524
6. पूर्व अवधि की आय	51,559	
कुल (सी)	**354,431**	**952,275**
कुल योग (ए+बी+सी)	**4,904,937**	**4,233,336**

कुल सचिव निदेशक

अनुसूची 9 स्टॉफ को भुगतान और लाभ

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए) वेतन और मजदूरी		
1. संकाय	8,528,194	10,039,029
2. गैर संकाय	2,600,747	2,031,671
बी) भत्ते और बोनस		
1. संकाय	1,244,949	1,482,874
2. गैर संकाय	433,109	352,226
सी) भविष्य निधि में अंशदान		
1. संकाय		
2. गैर संकाय		
डी) अन्य निधियों में अंशदान		
1. संकाय	895,782	
2. गैर संकाय	260,478	1,549,776
ई) कर्मचारियों के कल्याण व्यय		
1. संकाय		
2. गैर संकाय		
एफ) सेवानिवृत्ति और सेवांत हितलाभ		
1. संकाय		164,236
2. गैर संकाय		
जी) एलटीसी सुविधा		
1. संकाय	288,917	349,805
2. गैर संकाय	88,618	
एच) चिकित्सा सुविधा		
1. संकाय	216,283	87,478
2. गैर संकाय	45,134	95,225
आई) संतान शिक्षण भत्ता		
1. संकाय	118,500	115,599
2. गैर संकाय	27,000	14,900
जे) मानदेय		
1. संकाय		
2. गैर संकाय		
के) परिवहन/दैनिक भत्ते का व्यय		
1. संकाय		
2. गैर संकाय		
एल) अतिरिक्त मेहनताना		
1. संकाय	1,095,500	
2. गैर संकाय		
एम) छुट्टी का नकदीकरण		
1. संकाय		
2. गैर संकाय		
कुल	**15,843,211**	**16,282,819**

---------- कुल सचिव निदेशक

अनुसूची 10 शैक्षिक व्यय

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए) प्रयोगशाला व्यय		
बी) क्षेत्र कार्य/ सहभागिता		
सी) संगोष्ठी/कार्यशाला		
डी) अतिथि संकाय भुगतान	5,108,338	4,620,715
ई) परीक्षा		
एफ) छात्र कल्याण व्यय	1,178,150	1,806,155
जी) प्रवेश व्यय	76,000	
एच) दीक्षांत समारोह व्यय		
आई) प्रकाशन		
जे) वृत्तिका/साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति		
के) अंशदान व्यय		
एल) अन्य (विनिर्दिष्ट)		
i) पुरस्कार/अवार्ड/पदक	30,500	60,800
ii) खेल-कूद के व्यय	407,808	119,707
कुल	**6,800,796**	**6,607,377**

कुल सचिव निदेशक

अनुसूची 11 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए) बिजली और ऊर्जा	1,850,469	1,519,777
बी) पानी का खर्च	306,618	167,878
सी) बीमा		
डी. किराया, दाम और कर (संपत्ति कर सहित)	20,392,773	11,405,748
ई) डाक और तार	41,662	
एफ) दूरभाष और इंटरनेट व्यय	1,450,376	1,701,146
जी) मुद्रण और लेखन सामग्री	418,655	561,439
एच) यात्रा और वाहन भत्ता	4,161,879	5,972,858
आई) संगोष्ठी/कार्यशालाओं का व्यय	59,724	
जे) आतिथ्य	184,100	240,322
के) लेखा परीक्षकों का मानदेय	75,000	259,888
एल) व्यावसायिक प्रभार	195,655	430,042
एम) विज्ञापन और प्रचार	1,239,649	1,090,942
एन) पत्रिका और जर्नल	312,230	26,181
ओ) अन्य (विनिर्दिष्ट)		
1. आवास प्रभार	534,222	1,324,864
2. परिसर विकास खर्च	5,102,576	2,418,204
3. उप भोज्य (मुद्रण/जिराकस)	491,921	
4. संचयी व्यावसायिक विकास भत्ता	757,866	1,609,117
5. गृह व्यवस्था	2,948,061	1,418,334
6. वार्षिक अनुरक्षण संविदा	190,714	49,086
7. साफ्टवेयर	38,190	
8. आकस्मिक व्यय	479,132	229,627
9. डीजल व्यय	118,346	
10. राजभाषा व्यय	11,540	4,350
11. बाह्य कर्मचारी वेतन	6,001,847	5,084,772
12. सिटिंग शुल्क	2,93,000	
13. वेबसाइट विकास खर्च	37,416	
14. एनपीएस प्रबंधक अंशदान	1,156,260	
15. स्टांप शुल्क एवं पंजीकरण		375,140
16. जीवनकाल सदस्यता		60,000
कुल	**48,849,881**	**35,949,715**

कुल सचिव

निदेशक

अनुसूची 12: परिवहन व्यय

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. वाहन (शैक्षिक संस्था के अपने वाहन)		
ए) चालू व्यय		
बी) मरम्मत एवं अनुरक्षण		
सी) बीमा व्यय		
2. किराये/पट्टे पर लिया गया वाहन		
ए) किराया/पट्टा व्यय	1,239,223	68,095
कुल	**1,239,223**	**68,095**

अनुसूची 13 मरम्मत एवं अनुरक्षण

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए) भवन	577,101	4,859,174
बी) फर्नीचर और फिक्सचर		
सी) संयंत्र और यंत्र		
डी) कार्यालय उपस्कर		
ई) सफाई सामान और सेवाएं	66,125	
एफ) अन्य (विनिर्दिष्ट)		
कुल	**643,226**	**4,859,174**

अनुसूची 14 वित्त लागत

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए) निश्चित धन का ब्याज		
बी) अन्य ऋण का ब्याज		
सी) बैंक प्रभार	12,326	23,991
डी) अन्य (विनिर्दिष्ट)		
कुल	**12,326**	**23,991**

कुल सचिव

निदेशक

अनुसूची 15 अन्य व्यय

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए) अशोध्य ऋण/अग्रिम की प्रावधान		
बी) लिखित अवसूलीय शेष		
सी) अन्य (विनिर्दिष्ट)		
1. अर्जित छुट्टी के नकदीकरण का प्रावधान	798,499	1,382,739
2. उपदान का प्रावधान	633,929	3,024,213
3. पूर्वावधिक व्यय	2,593,992	
कुल	**4,026,420**	**4,406,952**

कुल सचिव

निदेशक

शैक्षिक संस्था का नाम : योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा
31.03.2013 को समाप्त वर्ष हेतु नकदी प्रवाह विवरण

संचालन (आपरेटिंग) कार्यकलापों का नकदी प्रवाह		
वर्ष के अधिशेष (घाटा)		-29,010,275
जमा: वसूल की गई पूर्वावधिक अतिरिक्त भुगतान		165,348
जमा: समायोजित अतिरिक्त पूर्वावधिक पुरस्कार धन		900,000
		-27,944,927
गैर संचालित आय/व्यय समायोजन		
मूल्यह्रास		5,008,812
(आय पर ब्याज)		-4,550,506
परिवर्तन से पूर्व की वर्तमान परिसम्पत्तियों/वर्तमान देयताओं का अधिशेष (घाटा)		-27,486,621
वर्तमान परिसम्मपत्तियों की (वृद्धि)/घटत	784,112	
वर्तमान देयताओं की (वृद्धि)/घटत	4,121,978	
		4,906,090
संचालन कार्यकलापों से निवल राशि (ए)		-22,580,530
निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री	139,378	
स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	-12,139,231	
प्राप्त ब्याज	4,550,506	
ऋण/अग्रिम एवं जमा में वृद्धि/घाटा	-192,743,055	
निवल कार्यकलापों से नकदी प्रवाह (बी)		-200,192,402
वित्तीय कार्यकलापों का नकदी प्रवाह		
वर्ष के दौरान सामान्य निधि में जमा	188,300,000	
वित्तीय कार्यकलापों से निवल नकदी प्रवाह (सी)		188,300,000
निवल नकद की वृद्धि/घटत (ए+बी+सी)		-34,472,931
अवधि के आरंभ में नकद और नकद समकक्ष		83,125,129
अवधि के समापन पर नकद और नकद समकक्ष		48,652,198

कुल सचिव निदेशक

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय-विजयवाड़ा

अनुसूची : 16 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं खातों पर टिप्पणियां

1. लेखांकन परिपाटी:

यह वित्तीय बयान प्रोद्भवन आधार पर बनाया गया है। |

2. स्थिर परिसम्पत्ति:

बताया गया है कि स्थिर परिसम्पत्तियों में ड्यूटी, कर आवक भाडा, अर्जन की गई लागत और संबंधित अर्जन की व्यय आदि सम्मिलित है।

3. मूल्यह्रास:

आय कर अधिनियम, 1961 में अंकित विशिष्ट डब्ल्यू.डी.वी. प्रणाली के अनुसार मूल्यह्रास की गई। वर्ष के दौरान, स्थिर परिसम्पत्तियों का मूल्य ह्रास जोड़ और कटौती यथानुपात के अनुसार माना गया।

4. सरकारी अनुदान/अभिदान:

सामान्य प्रयोजन अनुदानों को राजस्व अनुदान मानकर आय में दिखाया गया।

मुख्य प्रयोजन अनुदानों को मुख्य अनुदान, मानकर कायिक/मुख्य निधि में दिखाया गया।

5. छात्रों से वसूल की गई निम्न शुल्कों को आय माना गया।

   नामांकन शुल्क, परीक्षा एवं जांच शुल्क, पुस्तकालय/श्रव्य दृश्य शुल्क, मुद्रण और लेखन सामग्री शुल्क, शिक्षा शुल्क, खेल कूद शुल्क, पहचान पत्र शुल्क, छात्र पत्रिका शुल्क, चिकित्सा शुल्क, शैक्षिक समर्थन शुल्क, छात्रावास का विद्युत प्रभार, छात्रावास चिकित्सा शुल्क, छात्रावास के कमरों की किराया।

6. छात्रों से वसूल किया गया निम्नलिखित शुल्क जो वर्तमान देयताओं में दिखाया गया उसे उसी प्रयोजन के लिए खर्च करना चाहिए जिसके लिए वह एकत्रित किया गया है। छात्र सहायक निधि, नासा शुल्क, एनओएस योजना शुल्क, छात्र संघ शुल्क, पूर्व विद्यार्थी सहायक शुल्क और सामाजिक भंडार सभ्यत्व शुल्क।

7. विद्यालय को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व वर्ष में आवंटित 7.0 एकड़ भूमि के अतिरिक्त राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, विजयवाड़ा में 2.66 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। दस्तावेजों में भूमि का

मूल्य 1 रू. लिया गया है क्योंकि भूमि नि:शुल्क आवंटित की गई है। इस भूमि का सीमांकन प्रक्रियाधीन है।

8. शिक्षण संस्थान, जो पूर्णत: अथवा वस्तुत: सरकार द्वारा वित्तपोषित है, की आय, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23ग) (iiiएबी) के अनुसार आयकर से मुक्त है। अत: विद्यालय की आय आयकर से मुक्त है।

9. विद्यालय ने निधियां सावधि जमा में निवेश की हैं और विद्यालय का कोई निवेश नहीं है। अत: लेखांकन मानदण्ड 13 लागू नहीं है।

10. पूर्वावधिक मद (वस्तु) विवरण

ए) पूर्वावधिक व्यय

आवास खर्च	76,711
विज्ञापन खर्च	49,110
काटरिजस	17,300
विद्युत प्रभार	433,253
फ्लैट अनुरक्षण	16,545
छात्रावास किराया	620,800
पुस्तकालय पुस्तकें	15,493
स्थानीय वाहन	10,286
समाचार पत्र खर्च	710
डाक कोरियर	40
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	7,665
उपाहार खर्च	30,830
पारिश्रमिक	57,799
नवीकरण	129,822
छात्र समिति शुल्क	11,790
परिवहन	751,898
दूरभाष खर्च	477
परिवहन खर्च	127,500
पानी का खर्च	1,490
अन्य	234,473
पूर्वावधिक मूल्यह्रास घटत सहित	189,853

बी) पूर्वावधि आय

छात्रों से वसूल की गई प्लातर खर्च	49,046
एनपीएस जमा खाते का ब्याज	2,513

11. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार पुन:समाहित और पुन:वर्गीकृत किए गए।

12. अंकों को निकटतम रूपए में परिवर्तित किया गया।

कुल सचिव निदेशक

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा

बैंक खातों की सूची

बैंक का नाम	शाखा	खाता संख्या	बकाया जमा	ग्राहक का नाम
यूको बैंक	गवर्नरपेट विजयवाड़ा	18200110003602	20,841	एसपीए, विजयवाड़ा
यूको बैंक	गवर्नरपेट विजयवाड़ा	02220110017111	9,618,957	एसपीए, विजयवाड़ा
भारतीय स्टेट बैंक	निडमानूरू	31022276463	7,735,281	एसपीए, विजयवाड़ा
	कुल		**17,375,079**	

कुल सचिव निदेशक

This page is intentionally left blank

ANNUAL REPORT
YEAR 2012-13

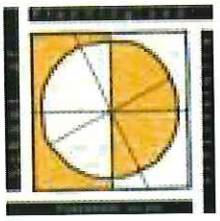

School of Planning and Architecture: Vijayawada
(Established by Ministry of Human Resource Development, Government of India)
Present Campus: S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru, Vijayawada – 521 104, Andhra Pradesh, India

Contents

1.0 Boards and Committees 100
1.1 Board of Governors 100
1.2 Finance Committee 101
1.3 Building and Works Committee 101
1.4 Academic Council 102
1.5 Board of Studies 103
1.5.1 Board of Studies in Architecture 103
1.5.2 Board of Studies in Planning 103
2.0 Teaching and Non-Teaching Staff 104
3.0 Teaching Work Undertaken by Faculty 109
4.0 Academic Programmes 112
5.0 Details of Students 113
6.0 Campus Development 114
7.0 Infrastructure Facilities in Campus 116
7.1 Library 116
7.2 Art Lab 117
7.3 Computer Labs 118
7.4 Sports Facilities 119
7.5 Other Facilities 120
8.0 Campus Events (Non-Academic) 121
8.1 Independence Day 2012 121
8.2 Republic Day 2013 121
8.3 Hindi Saptah (Hindi Divas) 121
8.4 Annual Day (Inyan 2013) Celebrations 122
8.5 Onam Celebrations 123
8.6 Janmashtami Celebrations 123
8.7 Directors Felicitation Programme 124
8.8 Director's Visit 124
8.9 SPAV in the News 125
9.0 Student Activities 126
9.1 Sports Week 126
9.2 Fashion Show 127
9.3 Student Club Activities 127
10.0 Guest Lectures/Workshops 128
10.1 My World in My Words 128
10.2 Guest Lectures- Department of Architecture 128
10.3 Guest Lectures- Department of Planning 128
11.0 Academic Exercises 129
12.0 Student Training and Placement 145

From the Chairperson's Desk

I am immensely happy to note that SPA, Vijayawada is growing every year in strength, popularity and quality and becoming a destination for young minds of the nation who have inclination towards Architecture and Planning. The notable events of the year are allotment of additional land by the Govt. of Andhra Pradesh in January, 2013 and finalization of the conceptual designs and estimates for campus building. The institutional arrangements - agreement with the selected Consulting Architect and MoU with Central Public Works Department for execution of campus building works - are in place. Building Works Sub Committee was constituted to focus on campus development expeditiously. Prof Dr. Shovan K Saha, Director retired on superannuation and Dr. S Sundarrajan, Director of NIT, Tiruchirapally assumed charge as Director in October, 2012.

During the year 2012-13, the School continued its efforts to be a renowned Institute in the country in the field of Architecture and Planning by launching Doctoral programmes, both in Planning and Architecture departments adding research dimension. The framework for introducing Masters Programmes from the next year has been initiated. The academic infrastructure of the School is getting continuously strengthened. In the temporary premises, Library is developed with 120 seat capacity with a good number of National and International books and online journals. Art Lab and Model Making Lab have been established to give a chance for the young minds to improve their artistic talents. Under the *National Mission on Education through Information & Communication Technology (NME-ICT)*, a dedicated A–View room has been developed enabling SPAV to get aligned to the National Knowledge Network (NKN) and get access to online lectures by eminent personalities from academics and industry. Construction yard and carpentry workshop were established during this period. Sports facilities were developed in the campus with Cricket pitches, Basketball and Shuttle Courts.

It is gratifying to note that the first batch of the B.Plan students are settled either in employment or pursuing PG program in Universities within the country and abroad. I appreciate the efforts of faculty and staff for their devoted efforts to place the School on firm foundation and wish them all success in their endeavours. I hope, and I believe, that SPA, Vijayawada will be offering paramount opportunities to students who seek to pursue Planning and Architecture courses in the coming years.

Prof. Dr. S. K. Khanna

1.0 Boards and Committees

1.1 BOARD OF GOVERNORS

S. No.	Name & Address	Designation
1.	**Prof. Dr. S. K. Khanna** Wellington Estate 2C/045, DLF Phase V, Gurgaon.	Chairman
2.	**Shri M. G. Gopal** I.A.S Principal Secretary to GoAP, Dept. of Higher Education, Room No. 407, 4th floor, J-Block ,A.P Secretariat, Hyderabad, India	Member
3.	**Shri D. S. Meshram** President, Institute of Town Planners, India 4-A, Ring Road, I.P. Estate, New Delhi – 110 002, India	Member
4.	**Shri Prafulla Karkhanis** President, Indian Institute of Architects Prospect Chambers Annexe,5th Floor, Fort, Mumbai - 400 001, India	Member
5.	**Dr. K. P. Isaac** Member-Secretary, All India Council for Technical Education, Chanderlok Building, Janpath, New Delhi - 110 001, India	Member
6.	**Dr. Dev Swarup** Joint Secretary, University Grants Commission Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi - 110 002, India	Member
7.	**Ms. Amita Sharma** Additional Secretary, Technical Education, Ministry of HRD, New Delhi – 110 115, India	Member
8.	**Shri Yogendra Tripathi** Joint Secretary & Financial Advisor, Integrated Finance Division Ministry of HRD, New Delhi – 110 115, India	Member
9.	**Shri Mahendra Raj** Mahendra Raj Associates Q-24, Jangpura Extension, New Delhi - 110 024, India	Member
10.	**Shri Balbir Verma** Balbir Verma & Associates, F-49, 1st Floor, East of Kailash, New Delhi 110 065	Member
11.	**Shri J. B. Kshirsagar** Chief Planner, Town and Country Planning Organisation Vikas Bhawan, I.P. Estate, New Delhi – 110 002, India	Member
12.	**Prof. Dr. Shovan K. Saha** **Dr. Sundarrajan S. (w.e.f 26-10-2012)** Director, School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member (Ex-officio)
13.	**Prof. Dr. Ramesh Srikonda** Professor and Head, Department of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
14.	**Dr. Ayon K Tarafdar** Associate Professor and Head, Department of Planning School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
15.	**Shri Venkata Krishna Kumar S** **Dr. P. Krishna Mohan (w.e.f 01-08-2012)** Registrar, School of Planning and Architecture: Vijayawada	Secretary

1.2 FINANCE COMMITTEE

S. No.	Name & Address	Designation
1.	**Prof. Dr. S. K. Khanna** Wellington Estate 2C/045, DLF Phase V, Gurgaon.	Chairman
2.	**Dr. Dev Swarup** Joint Secretary, University Grants Commission, New Delhi - 110 002	Member
3.	**Shri Prafulla Karkhanis** President, Indian Institute of Architects Prospect Chambers Annexe,5th Floor, Fort, Mumbai - 400 001	Member
4.	**Shri Rajesh Singh** Director, Dept. of Higher Education, Ministry of HRD, New Delhi – 110 115	Member
5.	**Shri Navin Soi** Director (Finance), Integrated Finance Division, Ministry of HRD, New Delhi – 110 115	Member
6.	**Prof. Dr. Shovan K. Saha** **Dr. Sundarrajan S. (w.e.f 26-10-2012)** Director, School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member (Ex-officio)
7.	**Shri Venkata Krishna Kumar S** **Dr. P. Krishna Mohan (w.e.f 01-08-2012)** Registrar, School of Planning and Architecture: Vijayawada	Secretary

1.3 BUILDING AND WORKS COMMITTEE

S. No.	Name & Address	Designation
1.	**Shri Mahendra Raj** Mahendra Raj Associates, Q-24, Jangpura Extension, New Delhi - 110 024	Chairman
2.	**Shri Balbir Verma** Balbir Verma & Associates, F-49, 1st Floor, East of Kailash, New Delhi – 110 065	Member
3.	**Shri D. S. Meshram** President, Institute of Town Planners, India 4-A, Ring Road, I.P. Estate, New Delhi – 110 002	Member
4.	**Shri Yaj Medury** C.O.O (Ed.) & Sr. Pdt, JIIT University Noida – 201 307, U.P.	Member
5.	**Shri Rajesh Singh** Director, Dept. of Higher Education, Ministry of HRD, New Delhi – 110 115	Member
6.	**Shri Navin Soi** Director (Finance), Integrated Finance Division, Ministry of HRD, New Delhi – 110 115	Member
7.	**Prof. Dr. Shovan K. Saha** **Dr. Sundarrajan S. (w.e.f 26-10-2012)** Director, School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member (Ex-officio)
8.	**Shri Venkata Krishna Kumar S** **Dr. P. Krishna Mohan (w.e.f 01-08-2012)** Registrar, School of Planning and Architecture: Vijayawada	Secretary

1.4 ACADEMIC COUNCIL

S. No.	Name & Address	Designation
1.	**Prof. Dr. Shovan K. Saha** **Dr. S. Sundarrajan (w.e.f 26.10.2012)** Director, School of Planning and Architecture: Vijayawada	Chairman (Ex-officio)
2.	**Ar. Jasbir Sawhney** D2, The Qutb Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi - 110 016	Member
3.	**Ar. Abhijit Ray** Imm. Past Chariman, Northern Chapter, Indian Institute of Architects 25-C, MIG DDA Flats, Sheikh Sarai-I, New Delhi – 110 017	Member
4.	**Shri Sushant Baliga** Additional Director General, CPWD Training Institute E-Wing, Nirman Bhawan, New Delhi – 110 008, India	Member
5.	**Ar. Vidyadhar Wodeyar** Architect - Planner, No.17, 12th Main, 1st Block, Rajaji Nagar, Bangalore - 560 010	Member
6.	**Mrs. Ambika Ananth** Poet & Editor, No.22, Sai Maruti, 13th Cross, Malleswaram, Bangalore – 560 003	Member
7.	**Prof. Dr. P. S. N. Rao** Dept. of Housing School of Planning and Architecture, New Delhi - 110 002	Member
8.	**Dr. K. R. K. Prasad** H.No. 59 A-21/3-10, Vijayanagar Colony, Vijayawada - 520 010	Member
9.	**Prof. Dr. Rajeev Mishra** Principal, Sir J.J. College of Architecture 78/3, Dr. D.N. Road, Fort, Mumbai - 400 001	Member
10.	**Prof. Dr. Ashok Kumar** Head, Department of Physical Planning School of Planning and Architecture, New Delhi - 110 002	Member
11.	**Prof. Dr. Ramesh Srikonda** Professor and Head, Department of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
12.	**Dr. Ayon K. Tarafdar** Associate Professor and Head, Department of Planning School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member-Secretary
13.	**Shri Venkata Krishna Kumar S** Associate Professor of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
14.	**Shri Vijayanand Udaykumar** Associate Professor of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
15.	**Shri Nagaraju Kaja** Assistant Professor of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
16.	**Shri Bhaskar Gowd Sudagani** Assistant Professor of Planning School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member

1.5 Board of Studies

1.5.1. Board of Studies in Architecture

S. No.	Name and Address	Status
	Departmental	
1.	**Prof. Dr. Ramesh Srikonda** Professor and Head, Department of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Chairman
2.	**Shri Venkata Krishna Kumar S** Associate Professor of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
3.	**Shri Vijayanand Udaykumar** Associate Professor of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
4.	**Shri Nagaraju Kaja** Assistant Professor of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member - Secretary
5.	**Shri Karteek G** Assistant Professor of Architecture School of Planning and Architecture: Vijayawada	Member
	External Academic Experts	
6.	**Prof. Dr. Jaydip Barman** Professor & Head, Department of Architecture and Regional Planning Indian Institute of Technology, Kharagpur, West Bengal - 721302	Member
7.	**Prof. Dr. T. Srinivas** Professor & Head, Department of Architecture, National Institute of Technology, Tiruchirappalli Tamil Nadu – 620015	Member
8.	**Prof. Dr. O. P. Bawane** Professor & Dean(Admin),College of Architecture, RVCE, Bangalore – 560098	Member
	Professional Experts	
9.	**Shri Yatin Pandya** Footprints - E.A.R.T.H. (Environment Architecture Research Technology Housing) Milan Bungalow, Sargam Flat Lane, Near Girivar Society Navjivan Post, Ahmedabad – 380014, Gujarat	Member
10.	**Shri Snehanshu Mukherjee** TEAM (Team for Engineering Architecture & Management) 1820, Brahmaputra Apartments, Sector-29, Noida-201301	Member
11.	**Shri Edgar Demello** Chief Architect, Edgar Demello Architects 5/7 Milton Street, Cooke Town, Bangalore – 560005, Karnataka	Member

1.5.2 Board of Studies in Planning

S. No.	Name and Address	Status
	Departmental	
1.	**Dr. Ayon K. Tarafdar** Associate Professor and Head, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Chairman

2.	**Shri Bhaskar Gowd Sudagani** Assistant Professor School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member Secretary
3.	**Shri Valliappan AL** Assistant Professor School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
	External Academic Experts	
4.	**Prof. Dr. Mahavir** Professor, Department of Environmental Planning School of Planning and Architecture, New Delhi	Member
5.	**Prof. Ravi Anand Kamal** Professor, Department of Architecture, School of Planning and Architecture, JNA&FA University, Hyderabad	Member
6.	**Prof. Dr. Somnath Sen** Professor, Department of Architecture & Regional Planning Indian Institute of Technology, Kharagpur, West Bengal - 721302	Member
	Professional Experts	
7.	**Shri. B. R. Balachandran** M.D., Alchemy Consultants, Bangalore.	Member
8.	**Shri. Debashish Pal** Senior Planner, Kolkata Metropolitan Development Authority, Kolkata.	Member
9.	**Mr. N. Git Kumar** Chief Town Planner, Govt. of Manipur, Imphal	Member

2.0 Teaching and Non-Teaching Staff

Head of the Institution

Dr. Sundarrajan S.
Director (w.ef. 26-10-2012)

Prof. Dr. Shovan K Saha
Director (Till 25-10-2012)

Prof. Dr. Saha with the Teaching and Non-Teaching Staff of SPAV

2.1 Faculty Members as on 31.03.2013

Department of Architecture

Prof. Dr. Ramesh Srikonda
Professor and Head, Department of Architecture,
Qualifications: B.Arch, M.Plan, Ph.D in Building Energy Studies – IIT, New Delhi
Area of Specialization: Architecture, Urban Planning, Energy Studies

Papers / Articles published:

- "Aging population in changing Cities and Built Environment" in World Habitat day bulletin / Journal promoted by National Co-operative Housing Federation of India, 2012.
- "The Mother of all Arts" published in the "The Hindu – the Next. Step Education Plus Magazine". 2013

Conferences/Seminars/Workshops attended:

- Chief Guest for the International Conference on Information and Engineering Sciences (ICIES) organized by the International multidisciplinary research foundation, Vijayawada, February 2013.

- Jury Member for Ph.D. Viva-voce, Centre for Research, Anna University, Chennai, July 2012.

Vijayanand Udaykumar
Associate Professor of Architecture
Qualifications: B.Arch, M.Arch
Area of Specialization: Facility Architecture, Health Design, Project Management

Venkata Krishna Kumar Sadhu
Associate Professor of Architecture
Qualifications: B.Arch, M.Plng (Housing)
Area of Specialization: Architecture, Housing, Real Estate Studies

Nagaraju Kaja
Assistant Professor
Qualifications: B.Arch, M.E (Construction Management)
Area of Specialization: Construction Management, Building Services

Papers published:

- "Sustainable Concrete with Waste Materials and the economics involved" published in the Conference proceedings of International Conference on Advances in Architecture and Civil Engineering (AARCV 2012), ISBN 978-93-82338-01-7, MSRIT, Bangalore.
- "Review of Built Environment Impacts on Climate Change, Design Strategies for Reduction" published in International Journal of Civil, Structural, Environmental and Infrastructure Engineering research and Development (IJCSEIERD), ISSN No.2249-6866, Vol 2, Issue 3, Chennai 2012. PP. 42-51
- "Reinventing Traditional Technologies for the Sustainability of Built Environment in Tropical areas of India" published in the Humanities and Social Sciences Review, ISSN: 2165-6258, Vol 1, No.3, 477-482, 2012.
- "Adaptation Issues in Urban Settlements for Climate Change Impacts" published in the Conference proceedings of International Conference on Information & Engineering Sciences (ICIES-2013), ISBN 978-93-81538-92-0, Vijayawada, February 2013, PP. 22-23.

Conferences/Seminars/Workshops attended:

- Workshop on Energy positive Habitats at Auroville, Pondicherry during 30 Aug-01 September, 2012
- Green Building Congress 2012 organized by IGBC at Hyderabad representing SPA, Vijayawada during 30 Oct-01 Nov, 2012
- Seminar on Green Buildings organized by CII, CREDAI at Vijayawada representing SPA, Vijayawada on 20 February, 2013

Anil Kumar. Ch
Assistant Professor,
Qualifications: B.Arch, M.Arch
Area of Specialization: Architecture, Urban Design

Conferences/Seminars/Workshops attended:

- Green Building Congress 2012 organized by IGBC at Hyderabad representing SPA, Vijayawada during 30 Oct-01 Nov, 2012
- Seminar on Green Buildings organized by CII, CREDAI at Vijayawada representing SPA, Vijayawada on 20 February, 2013

Karteek G
Assistant Professor
Qualifications: B.Arch, M.Arch (Urban Design)
Area of Specialization: Architecture, Urban Design

Papers published:

- "User Refinements in architectural space", published in the International Journal of Scientific and Research Publications, Volume 2, Issue 12, December 2012 Edition ISSN No. 2250-3153.
- "Exploring Social And Economic Impact on the Built Spaces in the Telecommunication Era", at the International Conference on Information and Engineering Sciences, Vijayawada held during 22-23 Feb. 2013 and published in

the Engineering Sciences International Research Journal, ISSN No. 2320- 4338, volume I, Issue I, Vijayawada 2013.

- "Technology and the Future of Cities", at the 1st Annual International Conference on Architecture and Civil Engineering, Singapore held during 18-19 March 2013 and published in the conference proceedings, ISSN No. 2301-394 X.

Conferences/Seminars/Workshops attended:

- Workshop on Energy positive Habitats at Pondicherry during 30 Aug-01 September, 2012

RNS Murthy
Assistant Professor,
Qualifications: B.Arch
Area of Specialization: Architecture, Environmental Planning

Papers published:

- "The Sensible Utilization of Urban Water Resources", presented at the International Conference on Information and Engineering Sciences, held during 22-23 Feb. 2013 and published in the *Engineering Sciences International Research Journal*, ISSN No. 2320- 4338, volume I (I), Vijayawada, 2013.

Srinivas. D
Assistant Professor,
Qualifications: B.Arch, M.Plng (Housing)
Area of Specialization: Architecture, Housing

Papers published:

- "Changing Trends in Facades: An Overview - An approach through style, movements, character, material, technology and transformation" at the BRC World Conference on Applied Sciences & Engineering Technology, held during August 17-19, 2012 and published the same in the International Journal of Earth Sciences and Engineering, ISSN 0974-5904, Volume 05, No. 04(01), Vijayawada 2012.

- "Application of Traditional Design, Form, Style and concepts in Contemporary Interiors" at the International Conference on Information and Engineering Sciences, held during 22-23 Feb. 2013 and published the same in the Engineering Sciences International Research Journal, ISSN No. 2320- 4338, volume I, Issue I, Vijayawada 2013.

- "Role of Women in the profession of Architecture" published in Human Rights International Research Journal, ISSN No. 2320- 6942, volume I, Issue I, Vijayawada 2013.

Conferences/Seminars/Workshops attended:

- Seminar on Green Buildings organized by CII, CREDAI at Vijayawada representing SPA, Vijayawada on 20 February, 2013

Kranthi Kumar M
Assistant Professor,
Qualifications: B.Arch, M.S. (Const. Management)
Area of Specialization: Architecture, Project Management

Jagath Kumari. D
Assistant Professor,
Qualifications: B.E (Civil); M.E (Structures)
Area of Specialization: Structural Engineering

Papers published:

- "A Solution for Corrosion Effect of Durable Concrete Structures", International Conference on Civil Engineering and Materials, held during July 07-08, 2012 and published in the *Civil Engineering Materials Journal*, Paris, 2012.
- "Recycling and Reuse of Waste Water for Sustainable Urbanism", in the *Global Journal of Engineering and Applied Sciences*, Volume 2 (3), ISSN 2249-2631 (Online), ISSN 2249-2623 (Print), pp283-285
- "Studies on strengthening of structures with FRC", in the *Engineering Sciences International Research Journal*, ISSN No. 2320- 4338, Volume I, 2013

Department of Planning

Dr. Ayon K. Tarafdar

Associate Professor and Head, Department of Planning,
Qualifications: B.Plan, M.S. (Urban Ecological Planning), Ph.D (Norway)
Area of Specialization: Urban Planning, Environmental Planning

Papers published:

- "Sustainability in Practice". (Chapter 26 of Book) in Fitzgerald J and Michael M. Jr. (Eds) *Cities and Sustainability*. ISBN: 978-0-415-67099-9, Routledge, 2012

S. Bhaskar Gowd
Assistant Professor,
Qualifications: B.Tech, M.Plng (Transport Planning)
Area of Specialization: Civil Engineering, Transport Planning

Valliappan AL.
Assistant Professor,
Qualifications: B.Arch, M.Plng (Housing)
Area of Specialization: Architecture, Housing

2.2 Administration as on 31.03.2013

1. Dr. S. Sundarrajan
   Director
2. Dr. P. Krishna Mohan
   Registrar
3. P.V.S. Shyam Kumar
   Assistant Registrar (Finance, Establishment)

4. M Janardhan Reddy
   Multi Skill Assistant

5. Narender Singh Bisht
   Multi Skill Assistant

6. Ms. Neelam Bhatt
   Multi Skill Assistant

7. P. Leela Vara Prasad
   Accountant

8. V. Pavan Kumar
   Accountant

9. Venkata Narayana Valluru
   Lab Attendant

3.0 Teaching Work Undertaken by Faculty

3.1 Faculty of Architecture

S.No	Name of Faculty	I Term (Semester)	II Term(Semester)
1.	Dr. Ramesh S	III yr-History of Architecture V yr-Architectural Design	III yr-History of Architecture IV yr-Architectural Design
2.	S. Venkata Krishna Kumar	I yr-Building Construction III yr-Theory of Settlements II yr-History of Architecture	III yr-History of Architecture II yr-Building Construction IV yr-Architectural Design
3.	Vijayanand. U	II yr-Building Construction II yr-Architectural Design	IV yr-Building Construction III yr-Architectural Design
4.	Nagaraju Kaja	III yr-Building Science and Services (Lighting and Acoustics) V yr-Project Management I yr-Architectural Design	III yr-Building Construction III yr-Security and Communications II yr-Architectural Design
5.	Anil Kumar.Ch	V yr-Seminar II yr-Art Appreciation III yr-Architectural Design	II yr-Building Construction II yr-Art Appreciation I yr-Architectural Design
6.	Srinivas. D	II yr-Theory of Settlement V yr-Advance Building Technology III yr-Building Construction I yr-Architectural Design	V yr-Architectural Design Thesis I yr-Theory of Design I yr-Building Construction
7.	Karteek .G	V yr-Seminar III yr-Architectural Design III yr-Theory of Design	III yr-Theory of Design I yr-Architectural Design IV yr-Urban Design (Elective) III yr-Theory of settlement Planning.
8.	Murthy. RNS	II yr-Building Science and Services (Water& waste Management) I yr-Graphics III yr-Building Construction	I yr-Graphics III yr-Architectural Design III yr-Building construction

9.	Kranti Kumar.M	I yr-Building Construction II yr-Art Appreciation II yr-Architectural Design	V yr-Architectural Design Thesis I yr-Building Construction II yr-Art Appreciation
10.	Jagath Kumari D	I yr-Theory of Structures II yr-Theory of Structures	II yr-Theory of Structures III yr-Estimation

3.2 Faculty of Planning

S. No.	Name of Faculty	I Term (Semester)	II Term(Semester)
1.	Dr. Ayon K Tarafdar	I yr- Introduction to Communication Skills II yr- Geoinformatics II yr - Planning Techniques IV yr - Rural and Resource Planning IV yr - Urban Management II yr - Preparation of a Sub-City Zonal Plan – Area Development Plans for parts of Chennai IV yr - Preparation of a District Development Plan – Udupi, III yr - Development of a Master Plan for a Small Town - Puri	II yr - Planning & Management of Informal Sector II yr - Planning Theory II III yr - Planning & Management of Informal Sector IV yr - Technical Report Writing III yr -Development of a Master Plan for a Small Town - Udhagamandalam
2.	Valliappan AL.	I yr - Building Materials, Construction and Structure II yr - Planning Theory - I III yr - Development of a Master Plan for a Small Town - Puri	I yr - Demography, Urbanization and Settlement Geography II yr - Planning Theory III yr - Urban Design and Conservation
3.	Bhaskar Gowd S	II yr - Techniques of Planning II II yr - Environment Science I yr - Demography, Urbanization & Settlement Geography	II yr - Traffic and Transport Planning I III yr - Demography and Urbanization III yr - Traffic and Transport Planning II yr – Geo-Informatics I II yr - Planning Techniques II yr - Introduction to Infrastructure for Human Settlements

3.3 Visiting Faculty

The School invites practicing architects, planners and faculty from other reputed institutions for guest lectures aimed at value addition to the theory and studio subjects.

3.3.1 Department of Architecture

S. No.	Name	Details	Courses undertaken
1.	Prof. Manoj Mathur	Professor, SPA, New Delhi	Architectural Design, Theory of Design
2.	Shri G. Vivekananda Swamy	Practicing Architect, Vijayawada	Architectural Design, Building Construction
3.	Shri Joseph Leonard Harper	Practicing Architect, Vijayawada	Architectural Design, Building Construction

4.	Ms. Vandana Shourie	Artist & Practicing Architect, New Delhi	Architectural Design, Architectural Graphics
5.	Shri E. Ganesh Kumar	Practicing Architect, Chennai	Architectural Design, Building Construction, Building Materials
6.	Prof. Anurag Roy	HoD, Sushant School, Gurgaon	Architectural Design, Building Construction, Building Materials
7.	Shri U.S. Manivalluvan	Practicing Architect, Chennai	Architectural Design, Building Construction
8.	Shri Kakkulal Sohni	Practicing Architect	Architectural Design, Building Construction
9.	Shri Uday Palnitkar	Artist & Interior Designer, Bangalore	Architectural Graphics
10.	Dr. D. Balaratnakar	Visiting Faculty, ANU	Computer Graphics, Mathematics,
11.	Shri K.S. Chetan	Practicing Architect, Bangalore	Architectural Design
12..	Shri P. Parisutha Rajan	Practicing Architect, Pondicherry	Architectural Design, Landscape Architecture
13.	Ms. Ch. Vijaya Lakshmi	Practicing Architect	Building Construction
14.	Ms. B.V. Lakshmi	Practicing Architect	Building Construction
15.	Shri K.M. Rajan	Practicing Architect, Chennai	Architectural Design
16.	Shri S.V. Giri Babu	Lecturer, Govt. Polytechnic College, Vijayawada.	Structural Engineering, Surveying
17.	Shri. R. Venu	Lecturer, Govt. Polytechnic College, Vijayawada.	Structural Engineering, Surveying
18.	Shri Dominic Harper	Practicing Architect, Vijayawada	Architectural Design, Architectural Graphics & Building Construction
19.	Shri K. Prasanna Kumar	Practicing Architect& Product Designer, Hyderabad.	Architectural Design, Architectural Graphics & Building Construction
20.	Ms. S. Jyotsna Kalyani	Practicing Architect, Guntur	Building Construction
21.	Ms. V. Karuna Kumari	SAR College of Architecture, Vijayawada	Building Construction
22.	Shri J.Yogesh Parekh	Practicing Architect, Vijayawada	Building Materials,Architectural Graphics, Theory of Design

3.3.2 Department of Planning

S. No.	Name	Details	Courses undertaken
1.	Shri P. Pavan Kumar	Asst. Professor, Dept of Arch., Bangalore University	Evolution of Human Settlements; Landscape Planning, Sociology
2.	Shri M. V. Sarma	Sr. Planner, VGTM UDA,Vijayawada	Settlement Geography, Development Planning, Urban Management, Element of Economics, Planning Legislation.
3.	Shri Ch. Kishore Kumar	Practicing Chartered Accountant, Machilipatnam	Project Planning & Control, Public Finance.
4.	Dr. P. Sarath Babu	Lecturer, Acharya Nagarjuna University, Guntur	Applied Geology & Hydrology.
5.	Shri Ramineni Venu	Lecturer, Govt. Polytechnic, Vijayawada	Surveying Photogrammatry, Structures, Quantity Surveying & Specifications.
6.	Shri Kakkulal Sohni	Practicing Architect, Hyderabad.	Housing & Community Planning, Utilities and Services Planning, Elements of Sociology, Elements of Settlement of Sociology.
7.	Shri Y. Vijay Kumar	Practicing Architect, Vijayawada	Planning and Design Lab - 1, Graphics and Presentation Techniques.
8.	Shri V. Anji Reddy	Asst. Prof., Acharya Nagarjuna University, Guntur	Political Systems & Planning
9.	Ms. Komali Mahija S	Lecturer, Nobel College, Machilipatnam.	Quantitative Methods
10.	Shri Dominic Harper	Practicing Architect, Vijayawada	Computer Applications.
11.	Prof. Dr. I.V.Murali Krishna	Prof. & Dean (Retd.) JNTU, Hyderabad	Geoinformatics – II
12.	Mrs. M. Gowri Shanti	Practicing Planner, Vijayawada	Introduction to Urban & Regional Planning, Ecology & Environment, Planning & Management of informal Sector.
13.	Shri G. Venkateswar Rao	Practicing Planner	Planning Practice – I, Professional Practice.

4.0 Academic Programmes

Under Graduate Programmes	Annual Intake
Bachelors Degree Course in Architecture (5 Years)	75
Bachelors Degree Course in Planning (4 Years)	30
Doctoral Programme in Architecture & Planning	**20**

5.0 Details of Students

Table 1: Number of students admitted 2008-09 to 2012-13

Course	1st year (2008-09)	2nd year (2009-10)	3rd year (2010-11)	4th year (2011-12)	5th year (2012-13)
B. Arch	69	67	64	73	73
B. Plan	27	17	16	29	29
Total	**96**	**84**	**80**	**102**	**102**

Table 2: Number of seats filled under various categories during 2012-13

Name of the Course	Categories									Total
	OG	OG-PH	SC	SC-PH	ST	ST-PH	OBC	OBC-PH	Special Category	
Bachelor of Architecture	36	01	11	0	05	0	19	01	01	**73**
Bachelor of Planning	14	01	04	0	02	0	08	0	-	**29**
TOTAL:	**50**	**02**	**15**	**0**	**07**	**0**	**27**	**01**	**01**	**102**

OG - Open General; SC - Scheduled Castes; ST - Scheduled Tribes;
OBC – Other Backward Classes; PH – Differently abled

Table 3: Number of students by gender from 2008-09 to 2012-13

Year	B. Arch.			B. Plng.			Total Boys	Total Girls	Total Students
	Boys	Girls	Total	Boys	Girls	Total			
2008-09	**49**	**20**	**69**	**20**	**7**	**27**	**69**	**27**	**96**
2009-10	**46**	**21**	**67**	**13**	**4**	**17**	**59**	**25**	**84**
2010-11	**41**	**23**	**64**	**11**	**5**	**16**	**52**	**28**	**80**
2011-12	**52**	**21**	**73**	**21**	**08**	**29**	**73**	**29**	**102**
2012-13	**55**	**18**	**73**	**18**	**11**	**29**	**73**	**29**	**102**
Total Students									**464**

6.0 Campus Development

PROPOSED SPAV CAMPUS

The entry for the proposed SPAV Campus at ITI Road, Vijayawada was selected through a national two - stage competition held during the year 2011. The winning entry was from the Mumbai based Architect Shantanu Poredi. Accordingly, an agreement with Ar. Shantanu Poredi was signed on April 23, 2012. Further, Memorandum of Understanding with CPWD was entered on July 10, 2012 entrusting execution work to them. The Chairman, BoG, SPAV has constituted a sub-committee consisting of Shri Balbir Verma (Chairman), Shri Sushant Baliga, Dr. S. Ramesh and Shri G. Karteek with Ms. Manaswini Acharya as Special Invitee- to focus on finalization of key issues relating to design and estimates. The Govt. of Andhra Pradesh has agreed to allot another Ac 2.66 cents additional land contiguous to the Ac 7.00 cents site handed over in the year 2010.

After elaborate discussions and meetings, the Stage-1 concept scheme for the Campus with an estimated project cost of Rs.130.00 crores was approved by the Board of Governors during their meeting held on January 08, 2013. The concept scheme of the campus focused on the aspect of collective learning culture within a confluence of multitude of interactive spaces.

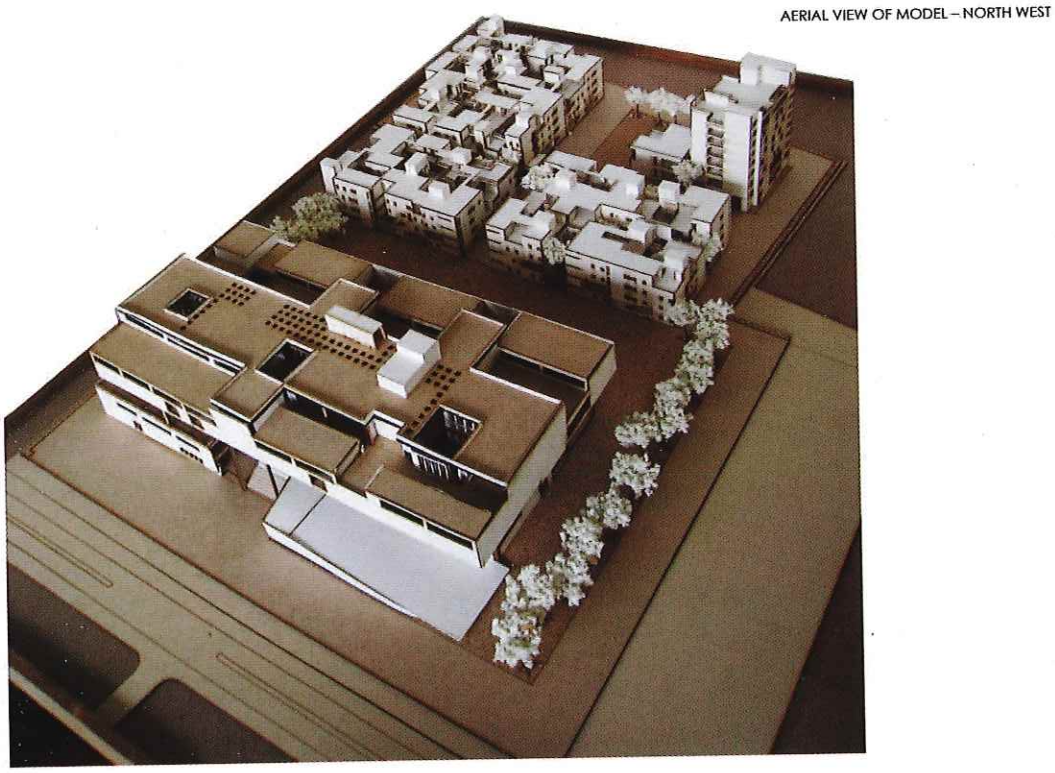

View of the proposed campus

The Concept of Collective Learning Culture

The tradition of disseminating knowledge lies in the diverse community experience. Interdependence of a community and the individual is vital for the growth of an educational institution, creating varied opportunities of learning. Interdependent programs offer a multitude of interactive spaces that foster the community experience.

Such relationships have been structured into a three dimensional constellation of spaces and functions that is informed by movement and varying levels of privacy of diverse programs. The central idea is derived from the traditional Indian town with narrow streets, which reinforces the traditional principles of architecture and urbanism to the modern architectural

student community. Its potential lies within its subtle and yet sensuous spatial experience. The Master plan attempts to make the campus an institutional center/ hub in the city of Vijayawada. The institutional building acts as a deep gateway and an interface for mediating, filtering and channelizing people from public activity level to the semi-public activities.

The Housing forms the next layer of the Master Plan, with varying levels of privacy for the students. These spaces have been buffered with smaller courtyards and larger open recreational belts.

THE INSTITUTE BLOCK

The building captures different kinds of movement to form a strong expression of a dynamic learning environment. The building stack has been divided into three major parts, activated at different times of the day.

Parasol roof - The top most section of the building houses the morning programs of the learning curriculum such as classrooms and studios. It also acts as a volumetric parasol roof for lower floors.

Concourse - The Middle section of the building is a 'Stilted Platform' that allows for a student activity zone. A *sectional piazza*—the central space for informal social, intellectual and creative exchange—forms the heart of the building. The concourse is visually connected to the section above and below through the voids of the respective levels. It is 'Universal space' occupied by faculty, students, administration and visitors. This level forms an artificial terrain with high ceilings and open-air atrium enabling natural ventilation in combination with the building's sections.

View of the future Academic Block (artist's rendition)

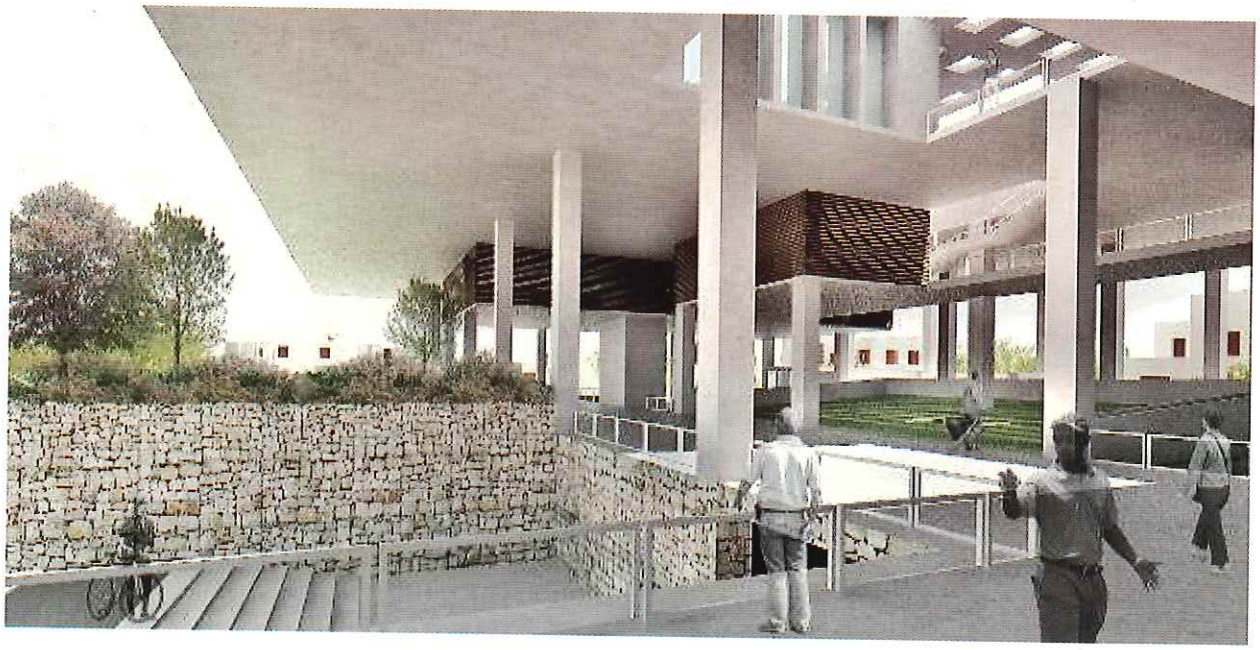

The Platform-The lower program is seen as a heavy base to a floating canopy. The base houses the afternoon programs of the learning curriculum such as workshops and laboratories. The solid platform is punctuated with voids that allow for hot air to dissipate.

Student Housing- Low Rise High Density

The student housing is fragmented - moving away from the dormitory or hostel organizations which foster a regimented form of social control. The student housing breaks the strict definitions of the layers by fragmenting the program into streets, verandahs, courtyards and other common programs, yet seamlessly merging by virtue of the spatial continuum and connective spaces.This fragmentation is continued on the floors above which allow for semi-private interaction zones

in the form of terraces and bridges. The common room program has also been broken down and distributed across the student housing thus allowing stronger bonds with a smaller scale of the neighborhood.

View of the Students' Housing

7.0 Infrastructure Facilities in Campus

7.1 Library

With a mission to support academic and research activities through provision of physical and intellectual access to the information, the Library of SPA, Vijayawada is equipped with recourses suitable for the Institute of national repute. It is situated in the first floor of the campus with an area of 800 Sq. mts approximately. The collection of the library includes books on History of Architecture, Architectural Conservation, Construction Management, Urban Planning, Transport Planning, Structures, Landscape Architecture and Building Services etc. The incipient library currently boasts of 3192 books, 51 National and International Journals along with 26 general magazines. Online Access is provided for Transport Research Records 2006-2013 and Austroads for faculty, scholars and students.

General Information	
Seating Capacity	120
Total No. of Books	3192
Project Reports	20
National and International Journals	51
General Magazines	26

Library Reading Space

Library Internet Service

The library has a separate computer section with multimedia and internet facility for accessing on-line journals.

Library Services offered:

- Reading
- Ready Reference & referral
- Reprography Service
- Lending Service
- Current Awareness Service
- Selective Dissemination Information Service
- Internet facility

Library Reading Space

7.2 Art Lab

Art lab is established to encourage and explore the exciting possibilities of working with a range of art and craft mediums. It aims at developing creative design and artistic skills through drawing, sketching, painting, ceramics, sculpture etc. There are many students with skills in art working with different media like charcoal, water colours, oil and acrylic. The art lab is equipped with necessary tools enabling such students to improve the skills.

Inauguration of Art Lab by. Prof. Dr. Shovan K Saha, Director, SPAV

The School has conducted workshops on painting, sculpture and model making to encourage the students to have hands on experience which will be useful in their professional careers.

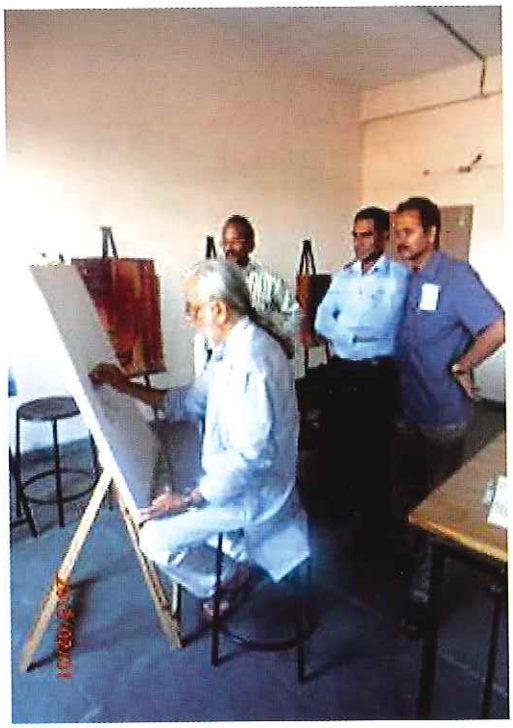

Painting Workshop by Artist Uday Palnitkar

7.3 Computer Labs

The School is equipped with two computer labs catering to the needs of the Architecture and Planning students. Some of the latest licensed software and computer based programmes are installed in the laboratories to empower the students with latest technology. Photocopying machines, Scanners, Printers, Plotters are in place, to complement the labs and support academic/research outcomes. The details of the software and other equipment in the Labs are as tabled below.

Category	Cumulative acquisition on date
Computers	45 PCs, 1 Laser Printer, 1 Plotter, 1 Scanner, 8 KVA UPS, 30 Graphic Cards
Software	125 AUTOCAD 2010, 39 MS Office 2007,39 Kaspersky Business Space Security

The School also possesses the latest survey equipment required in planning projects, transportation studies and site measurements.

Computer Lab – I

Computer Lab - II

7.4 SPORTS FACILITIES

The SPAV , in its temporary campus, has developed minimum sports facilities for the recreation of the students.

Volleyball court

Cricket nets

Basketball court

7.5 OTHER FACILITIES

Construction yard has been constructed with the help of students as part of Building Construction exercise. External experts were invited to conduct a workshop for this purpose. As a part of NME-ICET, A-View room is established enabling faculty and students to access on line lectures through National Knowledge Network. A retail branch of the local Cooperative Store is provided in the campus enabling students to buy their stationery, equipment and other day to day requirement.

Exhibition / Crit Space

Construction yard

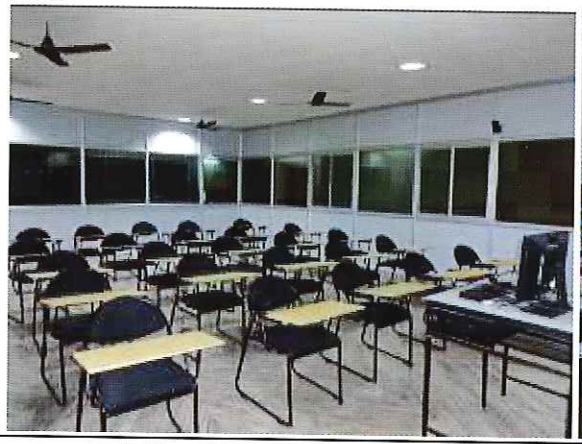

A-View Room

Cooperative Store

8.0 Campus Events (Non-Academic)

8.1 Independence Day 2012

The 66th Independence Day was celebrated at SPAV campus and Prof. Shovan K. Saha, Director hoisted the flag.He highlighted the importance of Independence Day and advised the students to strive hard to achieve academic excellence. The celebrations ended with the colourful display of cultural programmes by the students.

8.2 Republic Day 2013

The 64th Republic Day of India has been celebrated at SPAV campus on 26th January, 2013. Dr. Ramesh Srikonda , HoD (Architecture), SPAV hoisted the flag and addressed students and staff on the importance of Republic day as well as the need for all round personality development so as to become good citizens of India. Students and staff actively took part in the event followed by Students-Staff sports events and cultural performances by students.

8.3 Hindi Saptah (Hindi Divas)

Hindi Diwas was celebrated on 14th September at SPAV campus and various programmes like seminars, essay writing competitions, Poem Writing and Elocution Competitions were conducted. Students have participated in good numbers enthusiastically and on the last day Prof. Shovan K Saha, Director of the School has distributed prizes for the winners of competitions. Shri Shivanand, Faculty from Rajbhasha, Implementation of Official Language Unit, Ministry of Home Affairs acted as guide and observer for assessing the language competence of the contestants.

The School, under the aegeis of Rajbhasha, Implementation of Official language Unit of Vijayawada has conducted classes for staff of SPAV to improve their Hindi language proficiency (Prabodh course)during September, 2013 – November, 2013.

8.4 Annual Day (Inyan 2013) Celebrations

Annual Day of SPA, Vijayawada was celebrated on 28th March, 2013 at Tummalapalli Kalakshetram, Vijayawada. Shri.Yalamanchili Ravi, MLA of Vijaywada East was the Chief Guest and he advised the students to improve their professional skills and become successful in their life. Meritorious students were honored along with winners in the Sports competitions. The guests and visitors appreciated the academic work exhibited by the students at the venue. The programme ended with cultural performances by the students highlighting the cultural richness of India.

Arch. Leonard Harper addressing Inyan gathering

Dance performance by the students

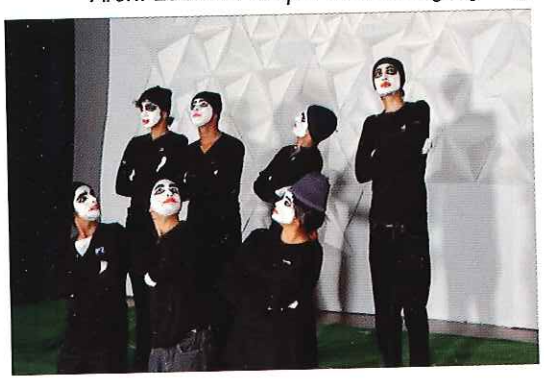

Cultural Programmes by the Students

Chief Guest distributing Prizes to Meritorious students

8.5 Onam Celebrations

Onam festival was celebrated with vigour and enthusiasm by the students. Prof. Dr. Shovan Saha, the Director of SPAV inaugurated the celebrations by lighting "Jyothi". Programmes depicting culture and traditions from Kerala were performed by the students.

8.6 Janmashtami Celebrations

In SPA, Vijayawada the important festivals from across the country like Janmashtami, Holi, Ganesh Chaturdhi, Dussehra, etc., are celebrated with fervor and joy uniting students from different parts of the country.

8.7 Directors Felicitation Programme

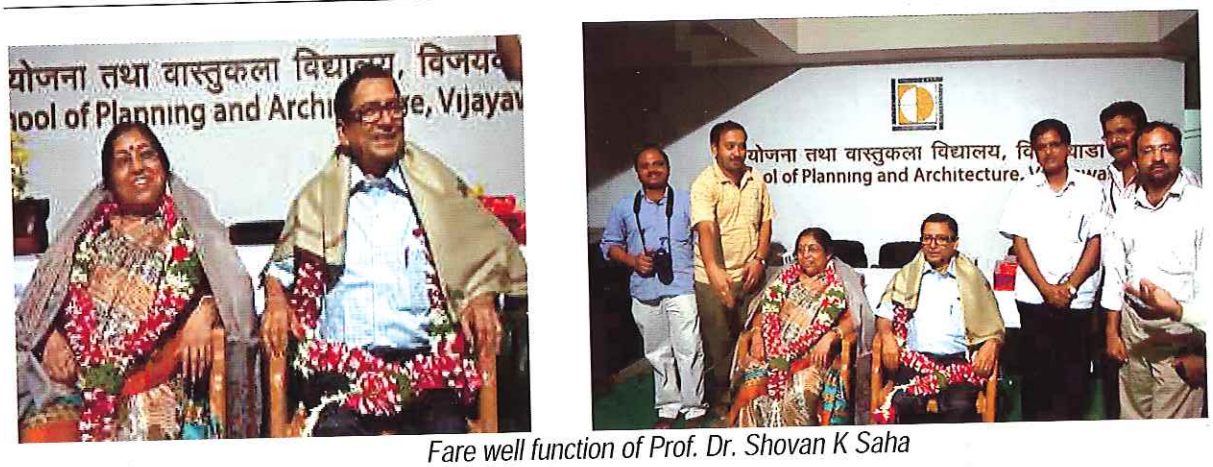

Fare well function of Prof. Dr. Shovan K Saha

Director Prof. Dr. Shovan K Saha was felicitated, by the students, staff and faculty of SPAV, on the eve of his retirement from service on 23rd October 2013 in the campus. Prof. Dr. Saha recalled his efforts to develop the institution and thanked all the staff and faculty for extending unstinted cooperation in discharge of his duties. He wished that the efforts to make the School as Centre of Excellence should be carried forward and requested the staff and students to strive hard in this direction. Faculty members were nostalgic sharing their memories and association with Prof. Dr. Saha during the last three years. It was a memorable and painful departure for the staff and faculty after being guided by him for a long time.

8.8 Director's Visit

Dr. S. Sundarrajan addressing the students at SPAV

The Director, Dr. Srinivasan Sundarrajan, who succeded Prof.Dr Shovan K. Saha, has visited the campus during 04th and 05th November, 2012. He interacted with the faculty and students and gave valuable suggestion for improvement of the infrastructure and other facilities to the students in the campus and hostels.

8.9 SPAV in the News

Design your future

The hype generated over the grand South India Shopping Mall at Kukatpally in Hyderabad, the impressive structure that was sealed by the Greater Hyderabad Municipal Corporation on the very next day of its formal inauguration, is still fresh in our minds. This happened sometime last month and for a valid reason. The mall did not have an occupancy certificate, mandatory for any building.

Violation of building laws is increasing by the day even while the authorities concerned have been constantly working on modalities to ensure that our buildings are safe, healthy, accessible and sustainable for current and future generations.

Living in this jet age, tucked in cosy confines of splendid buildings, we seldom find time to spare a thought for the person who plans and designs these buildings besides overseeing their construction.

The name of the breed is architect – a professional who is qualified to design and provide advice – both aesthetic and technical – on built objects in our public and private landscapes.

There is a growing concern over what is being seen as the diminishing charm of architecture courses. People associated with the subject attribute it to factors like lack of awareness among people and 'raw deal' meted out to this important area.

"Unlike in the north where a good number of students opt for architecture courses in places like Ahmedabad and Mumbai, the same cannot be said about students of Andhra Pradesh. The scale of awareness about this course is relatively low here. Our students come from the AIEEE filter and so we do not have this problem of lack of required strength," admits Ramesh Srikonda, Head of the Department of Architecture in School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV).

For reasons unknown, intake of students in institutions offering courses in architecture is abysmally low. "The situation is grim. We have only 14 architecture colleges in Andhra Pradesh against over 100 of them in states like Maharashtra. Even in these 14 colleges, more than 60 per cent of the seats are vacant. We have some 1300-odd architects across the State against the demand of at least 1 lakh of them. A bigger problem is that almost 90 per cent of architecture students from this State migrate to Saudi Arabia in search of greener pastures," rues M. Jitendra, Chairman of the city-based SAR Architecture College.

Mr. Jitendra moots raising the scale of awareness. "We are living in most unfortunate situation where we do not have professionals to impart coaching in NATA (National Aptitude Test in Architecture). Some of the junior college Principals are not even aware of NATA exam conducted by the Council of Architecture (COA). This is mainly because the engineering courses hog the limelight, pushing architecture to the backburner," he laments.

To cater to the needs of the local crowd, Andhra Pradesh needs at least 50 colleges of architecture. The sooner this need is addressed by the authorities at the helm of affairs, the better it would be for the future of the student community, he opines.

D. CHAITHRA MADHA

SAVOURING AESTHETIC FUN *Students of School of Planning and Architecture, Vijayawada, share a lighter moment on the college campus.* PHOTO: RAJU V.

What is NATA?

NATA is National Aptitude Test in Architecture. 10+2 or intermediate students who wish to pursue a career in architecture will have to qualify NATA for securing admission in any of the architecture college in the country. The test is conducted by the Council of Architecture (COA)

Taking the NATA Test

An aspirant can take the test from January 1 till September 30 every year at designated Test Centres. Appointments are scheduled on a first-come-first-served basis.

A Student can take NATA any number of times subject to availability of appointment at the Test Centre.

వారాంతం అదుర్స్

ఉత్సాహంగా 'ఇన్‌యాన్-13'

దేశాభివృద్ధికి ఆర్కిటెక్చర్లు అవసరం

స్కూల్ ఆఫ్ ప్లానింగ్, ఆర్కిటెక్చర్ వార్షికోత్సవం

'సాక్షి' పత్రికను ఆవిష్కరిస్తున్న ఎంపీ రాజగోపాల్, కార్పొరేషన్ కమిషనర్ రవిబాబు, అతిథులు

9.0 Student Activities

9.1 Sports Week

9.2 Fashion Show

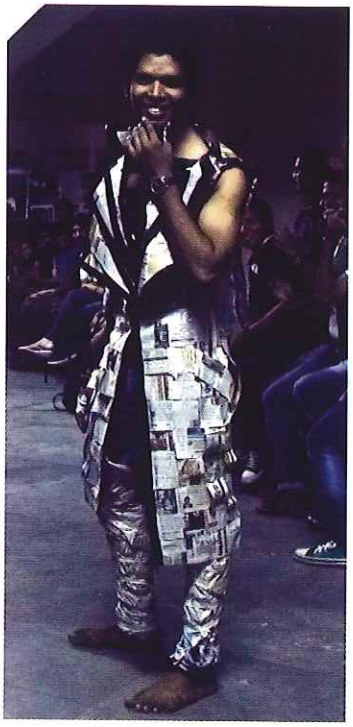

9.3 Student Club Activities

10.0 Guest Lectures/Workshops

10.1 My World in My Words

Special Lectures were conducted for the students of SPA, Vijayawada by the eminent Professionals and academicians.

S.No	Name and Details of the Guest	Details	Date
1.	Ar. Anil Laul, Practicing Architect in New Delhi	Low Cost Housing	22 August, 2012
2.	Ar. Sumit Ghosh & Mrs. Suchitra Ghosh Practicing Architects, New Delhi	Architecture Profession	06 Sept. 2012

10.2 Guest Lectures- Department of Architecture

S.No	Name and Details of the Guest	Details
1.	Ar. Supriti Mittal, Practicing Architect, Pondicherry	**Model Making Work Shop** for the III sem students 16th to 18th August, 2012
2.	Prof. P.Padmavathi, Former V.C of JNTU, Hyderabad	**Building Construction Management** for the students of IX Sem students on 22 August, 2012
3.	Ar. Sumit Ghosh, Practicing Architect in New Delhi	**Air Port Terminal Project** for the students of IX Sem students on 06&07 Sept. 2012
4.	Ar. Charanjit Shah, Practicing Architect in New Delhi	**Air Port Terminal Project** for the students of IX Sem students on 09 Oct. 2012
5.	Shri B. Sekhar Babu, Artist from Hyderabad	**Clay Modelling Workshop** for the students of II Sem students on 23 Nov 2012
6.	Prof. Dr. K.S. Ananthakrishna, Principal, R.V. College of Architecture, Bangalore	***Architectural Thesis – methodology and desired outcomes*** and "**Teaching methodologies** for the students of IX Sem students on 14 Dec 2012
7.	Prof. R.V.Kolhatkar, Director, Institute of Architecture and Design, National Academy of Construction - Hyderabad & retd. Professor of Architecture, JNTU-School of Planning and Architecture, Hyderabad	**Professional Practice – Architects Registration, Architects Act, 1972, Agreements and Contracts** for the students of IX Sem students on 23 January 2013
8.	Smt. V.V. Hema Lakshmi, Sr. Architect In AIR Doordarshan, Chennai	GRIHA RATING for Buildings for the students of IX Sem students on 03 May 2013

10.3 Guest Lectures- Department of Planning

1.	Prof. Dr. Vinayak S. Adane	Professor, Dept. of Architecture & Planning, NIT, Nagpur	Planning Studio (Sem VI, VII Master Planning, Regional Planning)
2.	Prof. Dr. P. K. Sarkar	Professor, Dept. of Transport Planning, SPA Delhi	Traffic and Transportation Theory
3.	Prof. Ravi Anand Kamal	Professor in Architecture, JNA&FA University, Hyderabad	Planning Studio (Sem IV, VI Housing, Master Planning)
4.	Prof. Dr. Manmohan Kapse	HOD – Planning SPA, Bhopal	Planning Studio (Sem VII, Regional Planning)
5.	Dr. Mayank Mathur	Associate Professor, Dept. of Planning, SPA, Delhi	Planning Studio (Sem IV, VI Housing, Master Planning)
6.	Dr. Poonam Prakash	Associate Professor, Dept. of Planning, SPA, Delhi	Techniques of Planning

7.	Prof. Dr. Mahavir	Professor, Department of Physical Planning, SPA Delhi.	Physical Planning
8.	Shri Sudhir K. Mahon	Retd. Director, HMDA	Planning Studio (Sem IV Housing)
9.	Prof. Dr. S. D. Joardar	Former HOD & Professor, Department of Physical Planning, SPA Delhi.	Terminal Project
10.	Prof. J. H. Ansari	Former Director, SPA Delhi.	Master Plan Preparation
11.	Shri Viswanath Rao	Former Director, HMDA	Area Development Planning
12.	Shri M. Thapar	M.D. Adept Technologies	Master Plan Preparation
13.	Shri D. Bhowmick	CRISIL India	Planning Techniques
14.	Prof. K. R. N. Sarma	Professor, IIPA, Delhi	Planning Legislation

11.0 Academic Exercises

11.1 Architecture

A) Doctoral Programme in Architecture launched in December 2012

As per approval of BoG in its Tenth Meeting held on Aug 05, 2011 and the Academic Council SPAV in its IInd Meeting held on July 29-30, 2011, the Doctoral Regulations 2009 of SPA Delhi have been adopted and public notificaition was given for applications. The Doctoral Research Committee of the Dept. of Architecture scrutinized and selected eight candidates for admission. The admission process was completed in December 2012 with due approvals and the selected candidates have registered with the Department.

B) Undergraduate Programme in Architecture

As per the academic curriculum, students of Architecture must effectively engage themselves in learning subjects in the streams of Design, Technology, Professional, Humanities, Enabling Skills and Options (Electives, Seminar, Project Report and Architectural Thesis). In line with the same, this section presents an outline of academic exercises undertaken as part of the Design Stream and Seminar (Options Stream). Following is a list of academic exercises dealt during the year 2012-13:

Class	Subject	Name of the Studio Project	Remarks
V Year	Architectural Design	▪ Shopping Mall cum Multiplex	Quick design
		▪ Airport at Vijayawada, A.P	Main design
	Seminar	▪ Research Paper on a subject of theoretical nature on any aspect of Architecture	
IV Year	Architectural Design	▪ High Density Mass Housing at Vijayawada, A.P	Main design
III Year	Architectural Design	▪ Nationalised Bank	Quick design
		▪ Centre for Conventions	Main design
II Year	Architectural Design	▪ Interactive and Progressive Learning Centre at Vijayawada, A.P	Main design
		▪ Design of Multi Functional Community Space, Chorao Island, Goa	Main design (Study and Design)
I Year	Architectural Design	▪ Culture and tradition of artisans of Southern India	Main design

Details of the main exercises undertaken are presented in the following pages:

V YEAR

AIRPORT AT VIJAYAWADA, A.P

Technically, Airport terminals are transport hubs which act as points of origin and departure of passengers travelling by Air. A detailed look at the operation of Airports reveals interesting facts than merely being transport terminals. Airports deal with *transport interchange* (of people on transit travel, of people switiching from domestic to international travel or vice versa, of people reaching by road/rail to board a flight, of people alighting a flight and taking the road/rail route to reach their destination etc.) *distribution* (of people, goods / cargo and related activities) and *shopping* (convenience shopping, leisure, recreation and essential shopping).

People rush to reach an Airport in time by whatever means, get to spend an hour or more in limbo, then rush off somewhere else on a plane. While the transport interchange and distribution aspects are inherent to the Airport logistics, Shopping is one of the tools which generate revenue from Retail merchandise and thus improve financial feasibility for the project in its Real Estate context. On the other hand, Shopping also enriches and complements the experience of a chosen *journey*. Thus, it is a rich mix of the dynamic and the static aspects associated with journey or travel. As Airports are given to deal with different people hailing from different geography, culture, age and abilities, exceptionally sophisticated mechanical systems must be in place to process their baggage through separate channels so as to ensure safety, security in an organized manner. Thus, when delays occur, the resultant effect is felt throughout an airport and onwards into the surrounding airspace.

Scope of work of this Studio project was to evolve detailed Design of only the "Passenger Terminal Building" and a Master Plan positioning all aspects which complement the Airport. A site admeasuring nearly 2000 acres located in Vijayawada was chosen as the proposed Site, in and around the existing airport at Gannavaram, Vijayawada.

During the course of this project, students had to learn and experience various aspects on "Design Parameters" some of which are as given below:

1) Evolving appropriate boundary conditions between "Airside" and "Landside" spaces/activities
2) Effective segregation of vehicular and pedestrian movements
3) Critical understanding of "Aircraft" details such as: capacity, overall dimensions, turning radius, towing needs, weight and the like
4) Critical understanding of various "Aircraft" typologies
5) Appropriate interlink between "non-secured zones" , "semi-secured zones" and "fully secured zones"
6) Effective segregation of passenger' arrival and departure zones

Learning of the aforementioned aspects was facilitated by way of Llibrary / Web studies and Seminar Presentations followed by a Case Study of "Chennai International Airport" and "Gannavaram Airport, Vijayawada". In addition, the institution conducted Expert Lectures, inviting esteemed professionals from the industry like Ar. Sumit Ghosh & Ar. Suchitra Ghosh , Ar. Charanjit Shah and Ar. Sudipto Ghosh.

IV YEAR

HIGH DENSITY (500 PPHa) MASS HOUSING AT AJIT SINGHNAGAR, VIJAYAWADA, A.P

Target/Beneficiary group (Socio-economic grouping): EWS, LIG, MIG and HIG

This project involved design of a high density, large scale housing encompassing Socio-economic determinants, Legislative and economic constraints and technological alternatives were studied in detail. Exercises in simulation and conceptual modeling were conducted. Concepts of community participation, phasing, financing and construction planning were also applied. The project was proposed on a **7.0 acre** site situated at Ajitsinghnagar, Vijayawada. Students were sensitized on aspects like 'Trends in Housing Design, Site Planning, community participation, phasing etc. with the help of workshops and special lectures through eminent resource persons like Ar. Kakkulal Sohni, Prof. Manoj Mathur and Prof. RV Kolhatkar as well as periodical Studio Reviews.

Students had also documented and analysed works of eminent Architects in India and abroad and drafted the key take-aways. Resultantly, students have proposed various design schemes adopting a theme in terms of technology or design approach (incl. Site planning), grouping of units, mix of low-medium-high rise etc. Cluster planning, row housing, stepped/pyramidal towers, green building concepts, energy efficient design, Project Finance and Management model, were a few of the key approaches which added value to the work done by respective groups.

Flexible open spaces were provided for lower economic groups due to their need for open space to carry out their daily needs. Softscape is designed for lower economic group whereas collaboration of hard & soft scape was proposed for higher economical groups.

The whole ideology of CLUSTER environment in Mass Housing was to promote social interaction and an energetic neighbourhood. The form and function of the spaces and buildings go in sync with each other. On a contradictory note, it's not "Form follows Function" or "Function follows Form", its "Form follows climate", the cluster environment of Urban Village is a result of the hot-humid climate of Vijayawada.

This facilitated exclusivity of each group's design as well as painted a multitude of design alternatives for one project. The final outcome was assessed by eminent Architects in Housing Design, namely Ar. Navnath Kanade and Ar. Sudhir Surti of Bangalore, supported by the Studio faculty Mr. S.V. Krishna Kumar and Ar. Prasanna Kumar. During the Jury session, Students were given an understanding of design aspects associated with Mass Housing, Volumetric analyses of Space etc. and the Jury Members appreciated the work done by Students and suggested specific measures for evolving a versatile housing design. A few of the Site Plan options generated by Students are presented below:

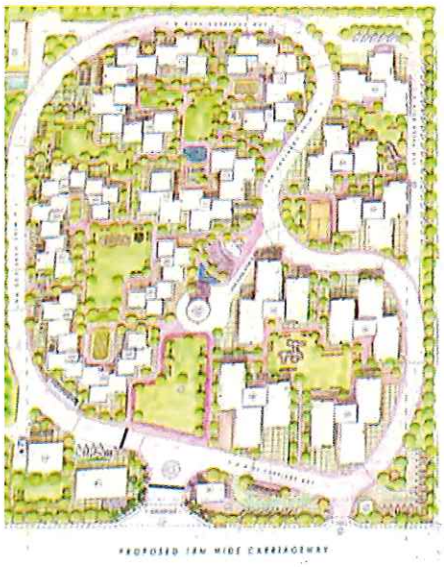

Site Plan-Options

III YEAR

CENTRE FOR CONVENTIONS

Meetings, **I**ncentives, **C**onferences and **E**xhibitions (**MICE**) are becoming an important segment in the tourism industry today. With the opening of the Indian economy, MICE tourism is likely to grow further in the future. Our country needs more convention and exhibition centres to meet the requirement of this lucrative segment of tourism. Taking this fact into consideration, the Ministry of Tourism has decided to grant approval to convention centres in order to encourage investment and standardise facilities at the convention centres.

During this main project, the students had an opportunity to learn/experience various aspects on **"Design Parameters"** as given below (but not limited to):

1) Evolving strategic design solutions to integrate various sizes of convention halls & exhibition halls
2) Critical study on "simultaneous interpretation booths", state of the art audio/visual facilities, and the like
3) Appropriate interlinking of spaces utilized by convention halls and exhibition halls, and "theme pavilions"
4) Evolving strategic patterns for circulation and directional movement of the guests, i.e., Guidance through orientation, hierarchy, massing, clustering & such, of the built environment, resulting in wholesome "interactive experience".
5) Critical analysis on built form Vs Acoustics / Acoustical treatments
6) Effective segregation of vehicular & pedestrian movements

Bank Design-Model

The above mentioned learning process was conducted by way of library/Web studies-Seminar Presentations, followed by detailed "live case study" conducted on "HICC-Hyderabad international convention centre". The Project objective was to design a "Convention Centre" comprising a wide range of facilities, which also includes allocation of land parcel for a "hotel building", all within a given site extent of 25 acres, located in Vijayawada.

II YEAR

INTERACTIVE AND PROGRESSIVE LEARNING CENTRE AT VIJAYAWADA, A.P

The project offered a rare two fold opportunity: first, to showcase creativity and second, in evolving an iconic Architectural expression that would add a sense of identity to the city of Vijayawada, Andhra Pradesh, India. This will comprise of Academic, Administrative, Research and Training, Library, Conference halls, Auditorium and resource centres as well as students' hostels, etc. along with required infrastructure like water supply, electricity, solid waste management, fire fighting etc. to provide a high quality campus environment.

The proposed site admeasures nearly **9.66 acres** (7.00 ac + 2.66 ac), located on ITI Road, adjacent to the Govt. Polytechnic, Vijayawada. The Site is located in the heart of Vijayawada near one of the important junctions of the city, known as Benz Circle and is located close to an arterial road (NH-5). It is situated at a distance of about 6 km from Vijayawada Railway station; about 6 km from Vijayawada Bus station (Pandit Nehru Bus station) and is about 16 km from Vijayawada Airport (at Gannavaram).

The Site offers a good view towards the Gunadala hill on the northern side. On the southern side is the River Krishna, a vital resource for Vijayawada region. MG Road (formerly known as *Bandar Road*) and Karl Marx Road (formerly known as *Eluru Road*) are the two important roads of the city which meet NH-5 at respective junctions. The Site abuts a 15m wide ITI road [proposed 24m wide road] along the northern boundary as per the Vijayawada Zonal Development Plan (proposed in the VGTM UDA Master Plan).

Site and its surroundings

Area requirements

S.No.	Name of the Facility	Total Built-up Area (in Sqm)
1	Academic area for full time UG programmes	9,620
2	Administrative area	3,520
3	Students' Hostels	8,330
	GRAND TOTAL	**21,470, ~ 21,500**

The proposed development on the 7acre land must also consider the possibility of expansion of the campus onto the 2.66 acre land parcel where there are existing Government Polytechnic hostels.

DESIGN OF MULTI FUNCTIONAL COMMUNITY SPACE

Architectural Design of this semester focuses on the study of Human Settlements. Students have studied and documented one of the oldest village settlements near Goa, called Chorao Island. Subsequently, students designed a multi functional Community Hall for that village.

Introduction

Humans like any other mammals flocked in groups. As it got bigger, a need to settle down at one place led to the formation of the first settlements. Humans in the early days used to live in caves but soon a need to build better environment using available efficacious techniques came. This process of building a better environment has been going on till date.

Based on the way the people interacted and behaved, public and private spaces arrived. Due to the climate of that particular region too, buildings were being modified so as to have the best protection from Mother Nature. The places where the people resided, economic activity took place, festivals held, etc., were differentiated. Having different zones with-in the settlement made it easier to regulate. The prosperity of the settlement led to the cultures and traditions being impacted. This impact reflected directly or indirectly on the way they designed their spaces. The location, regional conflicts, hierarchy with-in the settlements too had their own impact on the local Architecture.

Hence, one can say that Architecture of a place embodies the values and outlook of that particular society. If so then Architecture here can be compared with apparels as it reflects one's taste, culture and tradition being influenced by the views of the community on the social and physical milieu. Study of the Living Pattern in a Settlement was studied so as to propose appropriate design intervention.

Location of Study: Chorao Island, Goa

The Study focuses on the settlement of Chorao Island, Goa. This Settlement remained unchanged for many years with its old houses, Churches and farms alongside the mangrooves.

Aim of the Case Study

To closely observe and assimilate the morphology of an indigenous settlement, its linkages to life patterns and support systems of inhabitants their social structure, their resources and the way they build in a formally regulated and guided manner. It aims at an understanding of how the architecture of a particular place is embedded in and is influenced by the externalities of a particular locale which may give it a unique affinity with the place and its people.

Objectives of the Study

Students are expected to design a building in the public realm where the user is not an individual but the group. As part of the design exercise the class would be designing a Community Centre. The centre has to provide space for all the social activities the people living in that community would require.

Observations needed to understand a society
Forms, functions, building systems, historical antecedents, traditions, cultural aspects, socio economic aspects

Study Methodology

An educational Tour to Chaorao Island, Goa, was organized for the students of II year (III semester) from 15th to 21st August 2012 to record observations of various buildings for its forms, functions, and behavioural patterns. Students were divided in to different groups and have done an extensive study of the village and individual buildings on the following aspects:

Location Plan, Settlement Plan and Connectivity, Climate and Topographic Conditions, Visual Study, History of the Community, Social Structure, Construction Materials and methods, Life style and Space and amenity requirements.

Students have documented the Houses, Public Buildings as well as the Village Plan. During this visit, students interviewed many of the local villagers to understand their life style, local traditions and construction techniques etc. They have also met the local administration to ascertain the facts about the Settlement and gathered lot of information about the Village Settlement. After the Settlement Study, students have visited Basilica of Born Jesus, Church of St. Francis of Assissi, Se Cathedrel, Aguada Fort to study the architectural character of the buildings.

Lessons learnt from the Study

Today in Architecture there are many branches of advanced development that have produced poor buildings resulting from a lack of understanding of the basic problems and from the superficial adoption of appropriate solution. A house is not only ensemble of components but also serves as a social and family function. Its construction is always influenced by the climate, character of the land, local materials and local traditions and building techniques of the people in the given place.

In any location there is a limit to the extent to which building forms are controlled by customs and this limit is generally imposed by surrounding physical conditions. Chorao Island as a settlement clearly shows the importance of the careful

choice and location, without a doubt a man's freedom is expressed in his ability to choose the place where he wishes create Image to the community to live. He who thinks least is inclined to consider only practical points where as he who thinks more deeply attempts to create beauty as well.

In this context there is a need to preserve the value of the Settlement spaces and to facilitate the appropriate support and serving spaces.

Objectives of the Design

1. To analyze various aspects (Social, economical, cultural, political and religious) and factors (living patterns, resources, knowledge) in the form of constraints and limitations and how they have molded their architecture.

2. To design a community centre for the Settlement.

I YEAR

CULTURE AND TRADITION OF ARTISANS OF SOUTHERN INDIA

Introduction

India, a kaleidoscope of art and artifacts, unique by its varied culture across its geographical extent- such as weaving, pottery, astrology, sculpture, toy making. This rich tradition is on the decline inadvertently. An attempt to revive by providing apt habitat to such artisans in order to rejuvenate their skill sets.

Context

Architectural design is the creative focus of our PROCESS - in which we understand the lifestyle, socio-economic, cultural needs of a community which is artisan by profession.

At its core architectural design an inventive process that draws upon the techniques of varied disciplines to create beautiful, felicitous, livable built environment where people can live and work.

In this regard, the students of 1st year B.Arch were guided to visit eight different cultural zones of southern India namely Uppada (Weavers community), Srikalahasti (Kalamkari art community), Allagadda (Sculptors community), Tirupati (College of Temple Architecture), Nirmal (Painter's community), Etikoppaka (Toy maker's community), Mahabalipuram (Sculptors community) and Pochampally (Weavers community) to study and analyze various aspects related to culture and their art.

The design process is classified under the following heads:

- UNDERSTANDING THE CONTEXT - Figuring out what is going on
- EXPLORING - Trying out ideas, exploring alternatives/possibilities.
- DECIDING WHAT TO DO? - Developing the architectural design vocabulary - reflecting the values, economically viable, human scale and ecologically respectful communities.

Programme

- FAMILY – Multipurpose Space - Living cum Dining, Bed, Kitchen cum store
- HOUSEHOLD - Helper/Assistant, Cattle shed
- WORKSHOP - Studio ,Display area, Storage for raw material and finished goods
- COMMUNITY - Well, Toilet/Bath, Social interaction space

The area requirements were be derived from each respective case study after elaborate study of the above aspects and site conditions and designed accordingly.

SEMINAR

The Seminar was a research paper on a subject of theoretical nature on any aspect of architecture. The overall supervision was by a Seminar Co-ordinator to be appointed from within the faculty and the individual guidance was provided by experts in the subject, preferably from within the faculty but in exceptional cases, if found expedient in the opinion of the co-ordinator, outside experts may be appointed. The thrust of the seminar was on achieving a thorough understanding of the topic of study and on the ability to present it to an intelligent and critical guidance.

S.No.	Name of the Student	Seminar Topic
1.	Shibil Zubair A	"Nalukettu" - A Traditional Residential Building
2.	Shaik Tauqeer Ahmed	Accessible Architecture for Public Spaces
3.	Manjunath BN	Exploitation of Advantages of Canals in Vijayawada
4.	Anirban Jyoti Baruah	Ancient Town Planning in India
5.	Hanisha Thirth Benna Bhaktula (W)	Staging Architecture
6.	Tirthankar Chakraborty	Sky Scrapers
7.	Ankit Chauhan	The Architecture of Parking
8.	Ananya Deb Mallick (W)	Riverfront Spaces & Development
9.	Pilla Divya (W)	Energy Efficient Landscape for Tropical Climate
10.	Noel V Johnson	Evolution of Damascus
11.	Neera K (W)	Traditional Architecture of Kerala
12.	Chunnu Kumar	Concept of Fluid Mechanics of Floating and Sinking & Its Application in Architecture
13.	Pushpendra Kumar	Zero Energy Building
14.	Penzang Dorjee Lepcha	Tibetan Architecture
15.	Varun Maheshwari	Urban Art and Installations and Its Impact on the Architecture of City
16.	Sanjay Shovan Maiti	Visual Perception Via Architectural Composition
17.	Rahul Mandal	Islamic Tombs in India (Genisis of their Design)
18.	Navya Nadiminti (W)	Senses in Architecture: Architecture as a Multi Sensory Experience
19.	Vani Nayak (W)	Conservation of Cultural Heritage Sites: The Case of Hampi, India
20.	Worshon Ngashangva	Human Connection to Nature within the Built Environment
21.	Dinroop Pavithran	Adaptive Reuse
22.	Shahakar Aditya Pramod	Mobile Floating Architecture
23.	Shreya Ratakonda (W)	Appraisal of the Role Played by the Third Space in Social And Architectural Realms
24.	Shashank Sagar	Elements of Building
25.	Tharana Sanil (W)	The Light in my Room: Design Approach to Human Behaviour and Needs
26.	Himanshu Saxena	Design and Development of Convention Center along with open Spaces
27.	Devasheesh Singh	Windows and Energy Effeciency
28.	K Kavi Sumi	Parametric Design
29.	Nimitha Suru (W)	Settelement along the Lake Pichola, Udaipur
30.	Kumar Rahul Verma	Proportion Systems in Architecture

S.No.	Name of the Student	Seminar Topic
31.	Upare Swapnil Vinayak	Phenomenological Concepts in Architecture
32.	Vinita Vishwakarma (W)	Vertical Garden
33.	Soman Arun Anand	Traditional Spaces Elements in Contemporary Buildings
34.	Mohd. Azhar	Advanced Flooring Materials in India
35.	Pradeep Kumar Bagri	Rain Water Harvesting Techniques in Rajasthan
36.	Arinjay Banerjee	Suspension Bridges
37.	Bikramjit Bora	Construction Techniques in Eastern Coast of India
38.	Michael Borah	Role of Streets and Squares in an Urban Area
39.	Rajdip Das	Adverse Effects of Urban Housing on Environment and Society
40.	Ashish Gautam	Venice- Evolution and Submergence
41.	Rohit Jaiswal	Need for Composite Toilet
42.	Rahul Kumar Jha	Sacred Spaces
43.	Dharanidharan K	Tensigrity and its Application in Architecture
44.	Varun Khanna	Transitional Spaces
45.	Lunkim Tingneilam Khongsai (W)	Protection of Traditional Houses of the Kuki Tribes
46.	Ghoniya Rahul Kishorbhai	Influence of Information Techology on Built Form
47.	Roshan Kumar	Redevelopment of Connaught Place
48.	Pooja Kumari (W)	Dharavi: A City in a City
49.	Yeto Kurdu	Architecture and the Environment
50.	Rebekah Kurien (W)	Innovations in Affordable Housing for the Urban Poor
51.	Kheyali Majumdar (W)	Dance and Architecture
52.	Akshar Mendhe	Sustainable Rural Development
53.	Nimmagadda Monisha (W)	Impact of Colour in Learning Enviornments
54.	Mohd. Shibin N	Use of Alternate Technologies Using Paper and Earth in Kerela- An Approach to Sustainable Architecture
55.	Akil P	Impact of Builtform on Microclimate
56.	Gautham R	User Refinements and Improvisations in Architectural Space
57.	A Harvind Raj	Design Principles in Dravidian Temples
58.	S Gautham Ratna Kumar	Underground Space Development in Urban Areas
59.	Mohit Sama	Reviving the Values of River Yamuna
60.	Karanam Sumana (W)	Universal Design Principles for Recreational Open Spaces
61.	Chaitanya Gautam Sunil	Ecopolis Architecture and Need for the Cities
62.	Satweli Vandana (W)	Strategies of Improving Natural Light in Urban Buildings
63.	Harde Sumit Vilas	Politics and Architecture
64.	Bhartendu Vimal	Impact of Floods in Low Lying Areas of Vijayawada
65.	Noorien (W)	Impact of Metro Station on the Surrounding Land Use
66.	Anamika (W)	Application of Vernacular Energy Efficient Techniques in Contemporary Architecture

11.2 Planning

The year 2012-13 is significant to the Department of Planning as the first batch of students enrolled in 2008 completed the course and passed out as brand ambassadors of the programme. All the students are well-placed in the industry and/or pursuing higher education in India or abroad. The Department was in its fifth year of operations conducting the 4-year undergraduate programme in physical planning leading to the degree of 'Bachelors in Planning'. In this year, the Department also initiated detailed activities, which led to the launch of Doctoral Programme in Planning in December 2012.

A) Doctoral Programme in Planning launched in December 2012

As per approval of BoG in its Xth Meeting held on Aug 05, 2011 and the Academic Council SPAV in its IInd Meeting held on July 29-30, 2011, the Doctoral Regulations 2009 of SPA Delhi have been adopted and public notificaition was given for applications. The Doctoral Research Committee of the Dept. of Planning scrutinized several applications and selected two candidates for admission as doctoral students. The admission process was completed in December 2012 with due approvals, and the two candidates have been registered as PhD candidates with the Department.

Interaction of Planning Faculty with External Experts of Board of Studies

B) Academic Activities related to B.Planning:

Students from the different years of study of the 4 year Bachelor of Planning programme were constantly engaged, in this period, in various scales of planning exercise conducted through live case studies in different parts of the country. The planning assignments undertaken ranged widely as below:

- Neighbourhood level planning (ward development plans)
- Sub-city zonal development planning
- Preparation of development plans for municipal corporations
- Integrated District Development planning.

Planning assignments were undertaken in close cooperation with Municipalities and Development Agencies from different areas. Local resource persons were involved in the field as well as in classroom lectures to bring contextual relevance to the work. Development Plan preparation covered various themes as below:

- Land Use Appraisal and Planning
- Built Form analysis
- Demographic and Socio-Economic Analysis
- Analysis of Housing Demand and Typologies

- Analysis of Trade and Commerce
- Analysis of Heritage and Conservation aspects of cities
- Siting of Industries
- Informal Sector
- Physical and Social Infrastructure planning and service level benchmarking
- Scenario Building for Strategic Intervention
- Framing of appropriate Development Control Regulations
- Institutional Framework analysis

I Yr Students explaining Basic Terrain Analysis during Review with External Academic and Industrial Experts

II Yr Students discussing Traffic Management Plans with Industrial Experts

IV Year – Puri Master Plan and Udupi District Development Plan 2031

Sem 6 (Jan 2012-May 2012): Preparation of a Master Plan 2026 – Case: Puri Municipality, Odisha. With critical inputs from Puri Konark Development Authority (PKDA) and Puri Municipality, the students addressed and amalgamated 6 different sectors for the preparation of Master Plan for the Puri Municipality in terms of detailed baseline study and proposals for a 15 year perspective – Landuse, Circulation, Infrastructure, Trade and Commerce, Shelter and Housing, and Environment and Ecology.

Land Use Interpretation 2012 –Puri (Student Output Snapshot)

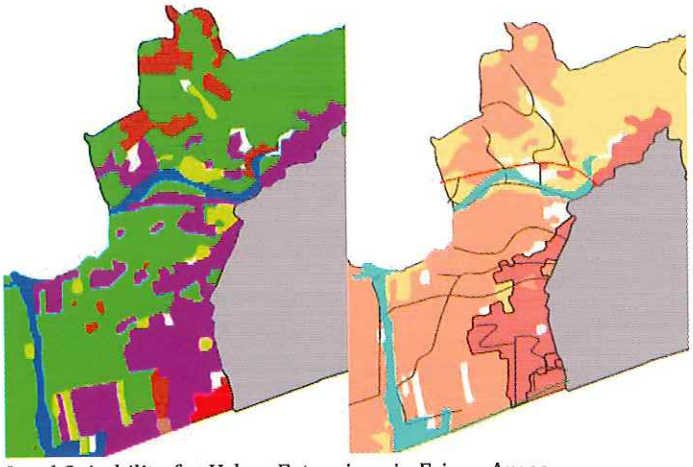

Land Suitability for Urban Extensions in Fringe Areas– Puri Municipality (Student Output Snapshot)

Sem 7 (Aug 2012-Dec 2012): Preparation of District Development Plan 2031 – Case: Udupi District, Karnataka. With critical inputs from the Udupi District Collector's Office, the students addressed and amalgamated 6 different aspects of Regional Planning for the preparation of the Integrated District Development Plan of Udupi District for a 20 year perspective – Landuse and Settlement Hierarchy, Circulation, Infrastructure, Primary Sector, Economy and Industry, Environment and Ecology.

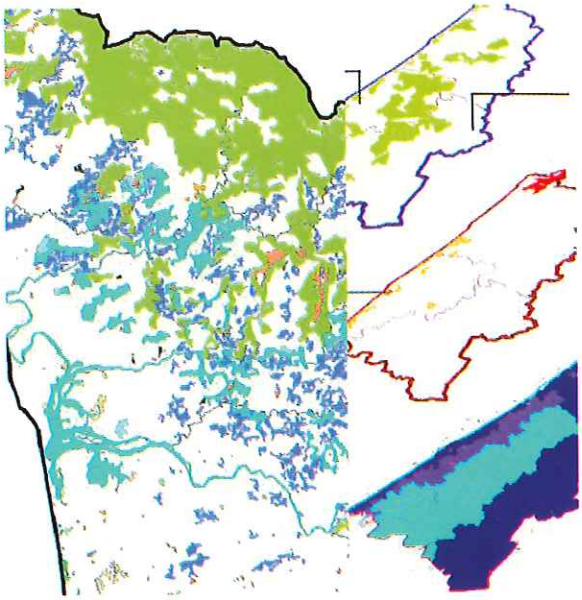

Eco-Sensitive Zoning and Overlay Analysis – Udupi District Development Plan (Student Output Snapshot)

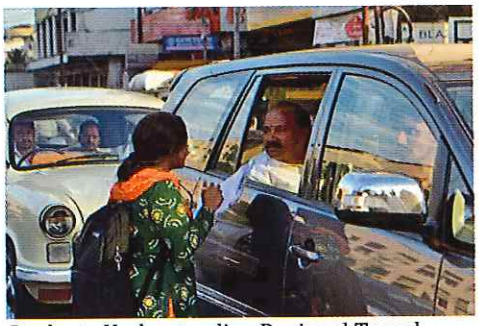

Students Understanding Regional Travel Characteristics through Surveys

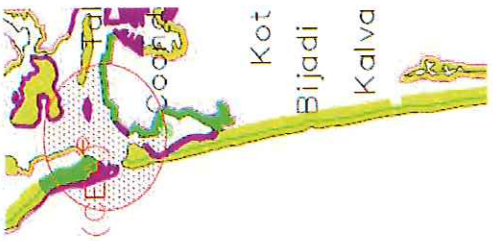

CRZ analysis – Udupi District 2012 (Student Output Snapshot)

III Year

Sem 6 (January, 2013 to May, 2013): Preparation of a Master Plan 2031 – Case: Udhagamandalam Municipality, Tamil Nadu. With critical inputs from Udhagamandalam Municipal Corporation and District Collector's Office, the students addressed and amalgamated 6 different sectors for the preparation of Master Plan for the Udhagamandalam Municipality in terms of detailed baseline study and proposals for a 20 year perspective – Landuse, Circulation, Infrastructure, Trade and Commerce and Housing.

Sem 5 (Aug 2012 – December, 2012): Area Development Planning (2 neighbourhoods of T.Nagar & Vellachery, Chennai) including detailed landuse, built-form, socio-economic surveys, stakeholder interviews for each area. Exercise concluded in developing detailed local area planning proposals.

Sem 4 (Jan 2012- May, 2012): Design of a Residential Cluster in Vijayawada; Housing and Site Planning exercises including detailed study of 4 different housing typologies in Bangalore. Preparation of a detailed residential layout planning and design 07 acre plot in Vijayawada and Bangalore respectively having mix of group housing and plotted development.

Planning Students presenting analysis of work in front of Jury panel having External Academic and Industrial Experts

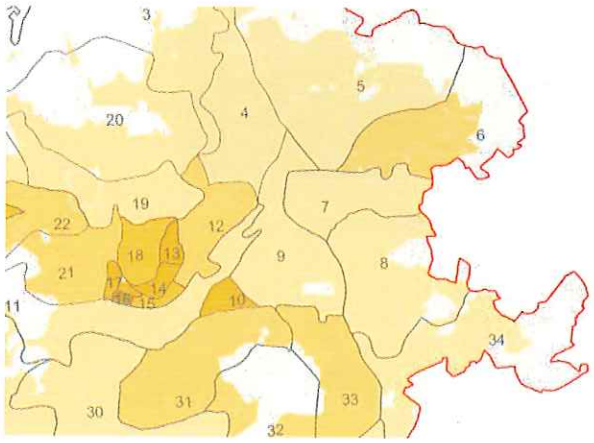

Density Gradient Mapping Overlaid with Ward Boundaries – Udhagamandalam Municipal Plan. (Student Output Snapshot)

Student at Work – Incorporating corrections obtained from field survey

II Year

Sem 2 (Jan 2012 – May, 2012): Preparation of 1:5000 detailed terrain models from different geographical regions of A.P based on Sol topographic maps. Preparation of thematic maps of Districts of A.P. using populations tables of Census. Preparation of Detailed Maps (showing Land and Building Use, Road network, Built form) using traditional surveying techniques and GPS for 36 wards of Machilipatnam Municipality culminating into (ongoing) Area Appreciation Studies for Machilipatnam Municipality, Krishna district, A.P.

Sem 3 (Aug 2012- December, 2012): Appreciation of 07 different types of residential areas in terms of housing socio-economic and travel characteristics. Students also prepared a detailed residential layout of a site measuring 1.5 ha in Vijayawada having mix of group housing and plotted development.

I Year

Sem 1 (Aug 2012 – December,2013): Basics of Design (Various assignments on technical drawings, graphic elements, surveying drawing, etc.)

Sem 2 (January, 2013 – May, 2013): Preparation of 1:5000 detailed terrain models from different geographical regions of A.P based on Sol topographic maps. Preparation of thematic maps using district level Census data and maps from different parts of India. Preparation of Detailed Maps (showing Land and Building Use, Road network, Built form) using traditional surveying techniques and GPS for 14 blocks of Gannavaram, Krishna District, A.P.

Student presents his work at semester end – Growth Model of Greater Trivandrum

Interactive Sessions & Public Review

List of Thesis completed in May, 2012:

S.No	Thesis Titles	Name of the Student
1.	Transformation of Agraharams in the Fort Area of Thiruvananthapuram, Kerala. Case Area: Fort Area, Thiruvananthapuram , Kerala	Ansu Susan Alexander (F)
2.	Use of Geoinformatics in Land Suitability Analysis for Industrial Development. Case Area: Vijayawada.	Mithun S. Anand
3.	Study of Public Transport Accessibility Parameters. Case Area: Kanpur City	Amber Anand
4.	Redeveloping City Core Area of Guwahati - An Investigative Study of Commercial Area. Case Area: Guwahati	Anannya Das (F)
5.	Planning for Urban Open Spaces, Gangtok, Sikkim Case Area: Gangtok, Sikkim	Niranjan Kapil
6.	Environmental Issues in Transformation of Urban Fringe.Case Area: Ludhiana, Punjab	Harshbir Kaur Dhaul (F)
7.	Impact of MRTS on Surrounding Land Use. Case Area: Kolkata City.	Abhijit Kumar
8.	Urban Design Intervention for Reviving Core City Area. Case Area: One Town, Vijayawada.	Ajay Kumar
9.	Planned Development for A Primitive Tribal Group.Case Area: Borio Block, Sahibganj District, Jharkhand.	Sunny Kumar
10.	Generating Public Space through Canal Front Development. Case Area: Vijayawada	Nitish Kumar
11.	Prioritization Model for Slum Performance Assessment. Case Area: Vijayawada Municipal Corporation.	Suraj Kumar
12.	Application of Public Transport Accessibility Level (PTAL) in Vijaywada.Case Area: Vijayawada	Rashid M.K.C.
13.	Assessment of the Risk to Livelihood and Developing coping Strategies for a Costal Disaster Prone District of Kendrapara, Odihisa Case Area: Kendrapara, Odhisa.	Jyoti Prakash Majhi
14.	Community, People and Natural Disaster: A regional Analysis of Flood Plains of Darbhanga District, Bihar Case Area: Darbhanga District, Bihar	Ashish Mohan
15.	Importance of Non-Motorized Transport System & Its Application in Small Town. Case Area: Machilipatnam.	Daksh Punj
16.	Ecologically Sensitive Urban Development for Thiruvananthapuram District, Kerala: A Spatial Analysis of Natural Resources & Urbanization. Case Area: Thiruvananthapuram, District. Kerala	Rajeev R.
17.	Municipal Finance – An Assessment. Case Area: Silchar Municipal Board	Sonika Rajput (F)
18.	To Find Potential in Jaipur City as World Heritage Tourist Destination.Case Area: Jaipur	Anuja Rawat (F)
19.	Challenges faced by National Highways Running through Urban Areas. Case Area: Vijayawada.	G. Reshma Reddy (F)
20.	Factors Affecting Urban Passenger Transport Fuel Consumption Case Area: Vijayawada.	Vineet Trivedi

Other Snapshots of Academic Activities in Department of Planning

Student presents his model and site analysis

Time bound written Evaluations in Progress – Planning Theory

Field work – Intersection Characteristics & Route Plans

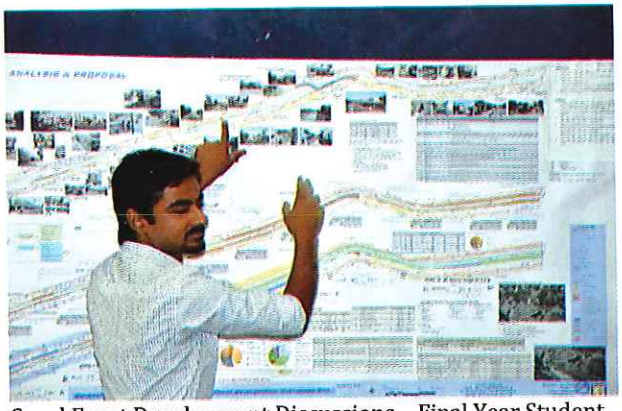

Canal Front Development Discussions – Final Year Student displays his work

Impromptu Debate Sessions

Stakeholder and resource Mapping

12.0 Student Training and Placement

Dept. of Architecture

As part of the academic curriculum, students of Architecture are required to devote their first term of the IV year entirely undergoing practical training with Architectural firms and submit a Project Report detailing their work experience along with drawings. Accordingly, the IV year students were deputed to Architectural firms and their work was closely monitored to assess the progress of each student and feedback was obtained from the firms concerned about the performance of the trainee.

Dept. of Planning

The first batch of B.Planning students, who successfully completed their academic requirements, are employed in Government / Private sector organizations or pursuing their higher education with reputed institutions. A summary of the related details are as below -

Placement Details

S.No	Name of Student	Employment / Higher Studies
1.	Ansu Susan Alexander	Studying Master in Urban Policy – TISS Mumbai
2.	Mithun S. Anand	Studying M. Plan (Regional Planning) – SPA New Delhi
3.	Amber Anand	Capita Symonds, Pune
4.	Anannya Das	Delhi Development Agency, New Delhi
5.	Niranjan Kapil	Gangtok Planning Board (Municipal Corporation)
6.	Harshbir Kaur	IRRAD, Gurgaon
7.	Abhijit Kumar	Transport Planners Associate, New Delhi
8.	Ajay Kumar	Rudrabhishek Planning Consultants, New Delhi
9.	Sunny Kumar	SEEDS, New Delhi
10.	Nitish Kumar	NOIDA Planning Authority, Noida
11.	Suraj Kumar	SPUR, Patna
12.	Rashid M.K.C.	TCPO, Palakkad, Kerala
13.	Jyoti Prakash Majhi	Studying M. Plan (Regional Planning) – SPA New Delhi
14.	Ashish Mohan	Studying Master in Urban Policy – TISS Mumbai
15.	Daksh Punj	Intern at National Geographic, New Delhi
16.	Rajeev R.	Studying M. Plan (Regional Planning) – SPA New Delhi
17.	Sonika Rajput	SER Consultants, New Delhi
18.	Anuja Rawat	NOIDA Planning Authority, Noida
19.	G. Reshma Reddy	Studying M. Plan (Transport) CEPT, Ahmedabad
20.	Vineet Trivedi	Rudrabhishek Planning Consultants, New Delhi

PHOTO GALLERY

Work shop on Architectural Thesis by Dr. Anantha Krishnan, for the students of Architecture

Model making Work shop by Ms.Supriti Mittal, for the students of Architecture

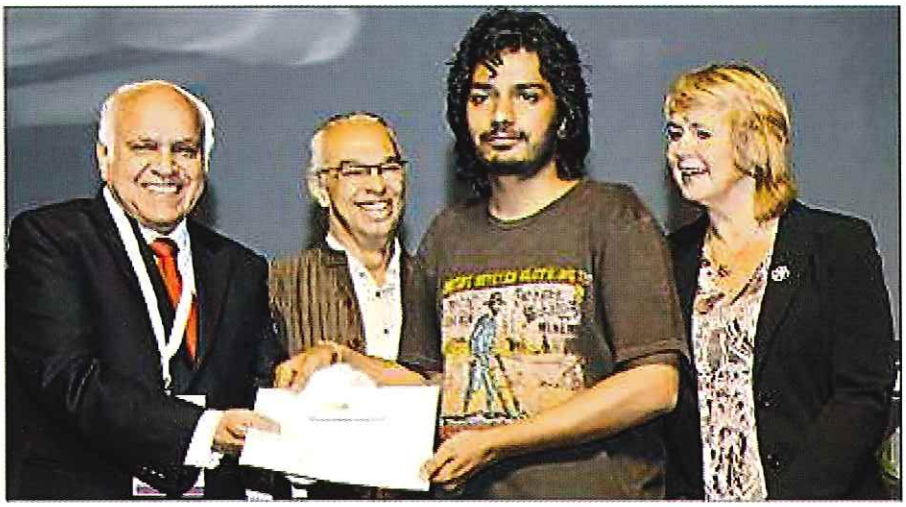

Final year student Mr. Rohit Jaiswal has won the II prize in the Design Competetition held at Green Building Congress 2012 (IGBC-2012) at Hyderabad.

Final year student Mr. Rohit Jaiswal has won the prize in the Design Competetition held at International Conference on User Experience (UXINDIA 2012) at ISB, Hyderabad.

Board of Governor Meeting

External Design Jury

MLA, Shri Yalamanchili Ravi's visit at the students' works & SPAV Campus Design Drawings on the occasion of Inyan 2013

डॉ. सादु इस्राईल
Dr. Sadu Israel, *IA & AS*

सत्यमेव जयते

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
हैदराबाद - 500 004
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
HYDERABAD - 500 004.

No.PDA(C)/CAB/U.III/SAR-SPAV/C266/2013-14/54
17 October 2013

Dear Dr. Shovan Saha,

We have conducted the audit of Annual Accounts of School of Planning and Architecture Vijayawada for the year 2012-13 in July 2013. Significant comments on accounts are included in the Audit Report issued separately to the Government of India and a copy marked to you. Some of the observations, which were not included in the Audit Report, meriting the attention of the management are detailed below to enable you to take necessary corrective action.

1. Annual General Meeting needs to be conducted periodically as mandated in the Memorandum of Association and Rules & Regulations.
2. Action needs to be taken to adjust advances amounting to Rs.7.20 lakh pending adjustment for more than two years.

Regards

Yours sincerely,

Dr. Shovan K. Saha
Director,
School of Planning and Architecture Vijayawada,
Survey No.71/1;NH-5, Nidamanuru,
Vijayawada – 521 104.

Registrar

Phone No.: 040 - 23232069 (Office) E-mail : agauandhrapradesh2@cag.gov.in Fax No. : 040 - 23232294

सत्यमेव जयते

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद - 500 004.
OFFICE OF THE
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD - 500 004.

No.PDA(C)/CAB/U.III/PA/SAR-SPAV/C266/2013-14/53 **Date: 17.10.2013**

To

The Secretary to Government of India,
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
128, 'C' wing, Shastri Bhavan,
NEW DELHI-110 001

Sir,

I forward herewith the Separate Audit Report of School of Planning and Architecture Vijayawada, for the year 2012-13, along with the Annual Accounts for placing before the Parliament.

The date of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of the Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

Yours faithfully,

Sd/-

Principal Director of Audit (Central)

Endt. No.PDA(C)/CAB/U.III/SAR-SPAV/C266/2013-14/55 **Date:17.10.2013**

Copy to the Director, School of Planning and Architecture Vijayawada, Survey No.71/1; NH-5, Nidamanuru, Vijayawada – 521 104 with a request to furnish the Hindi version of the approved Annual Accounts (4 sets) to this Office.

Deputy Director (Admn,DT & CAB) I/c

Phones Nos. : 23236811 to 23236819 Fax No. : 040-23232294

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of School of Planning and Architecture Vijayawada for the year ended 31 March 2013

We have audited the attached Balance Sheet of **School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV)** as at 31 March 2013, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account for the year ended on that date under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 23(b) of Rules and Regulations of School of Planning and Architecture. The audit has been entrusted for the period up to 2012-13. These financial statements are the responsibility of the School's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn based on the uniform format of accounts as prescribed by the Ministry of Finance.

(iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that:

A. Balance Sheet

A.1 Liabilities

A.1.1 General Fund – ₹ 24.58 crore

This includes an amount of ₹ 18.83 crore, being the Plan grants received for construction of School Building, which are to be disclosed specifically under Earmarked Fund, resulting in overstatement of General Fund and understatement of Earmarked Fund by ₹ 18.83 crore.

B Income and Expenditure Account

B.1 Expenditure

B.1.1 This includes an amount of ₹ 51.03 lakh being the retainer fee paid to an architect firm for providing the consultancy services for preparation of Architectural & Engineering designs for Buildings/Facilities/Services for SPAV campus which is to be capitalised, resulting in overstatement of deficit with consequent understatement of General Fund and Fixed Assets (Capital-Work-in-Progress) by ₹ 51.03 lakh.

C General

C.1 'Corpus/Capital Fund' was indicated as 'General Fund' in the Annual Accounts which is not in conformity with the Uniform Format of Accounts.

D Grants- in-aid

Out of total grants-in-aid of ₹ 22.83 crore received during the year (No grant received in March 2013), together with unspent balance of ₹ 4.79 crore and other receipts of ₹ 1.34 crore totaling ₹ 28.96 crore, the School utilized ₹ 27.57 crore leaving unspent balance of ₹ 1.39 crore as on 31 March 2013.

E Management letter

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Director, SPAV through a Management letter issued separately for remedial/corrective action.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the SPAV as at 31 March 2013; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***deficit*** for the year ended on that date.

(SADU ISRAEL)
Principal Director of Audit (Central)

Annexure

1. **Adequacy of Internal Audit System:**
   Internal Audit was entrusted to an Internal Auditor appointed on outsourcing basis and was found to be adequate.

2. **Adequacy of Internal Control System:**
   The Internal Control System is adequate and commensurate with the size and nature of the Institute in areas seen by Audit.

3. **System of Physical verification of Fixed Assets:**
   Physical Verification of Fixed Assets was not conducted for the year 2012-13.

4. **System of Physical verification of Inventory:**
   Physical verification of Inventory was not conducted for the year 2012-13.

5. **Regularity in payment of Statutory dues:**
   Statutory dues are being paid regularly.

Deputy Director (ADMN, DT & CAB) I/c

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE: VIJAYAWADA

FINANCIAL STATEMENTS
FOR THE YEAR ENDED
2012-13

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2013

(Amount)

SOURCES OF FUNDS	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
GENERAL FUND	1	245,823,046	85,467,972
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	2	25,411,353	21,289,375
TOTAL		**271,234,399**	**106,757,347**
APPLICATION OF FUNDS			
FIXED ASSETS	3	24,663,323	17,672,282
CURRENT ASSETS	4	48,702,197	83,959,241
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	5	197,868,879	5,125,824
TOTAL		**271,234,399**	**106,757,347**

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts 16

REGISTRAR

Checked pl

DIRECTOR

निदेशक / Director
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे सं. 71/1, रा.रा. 5, निडमानूरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

Name of Educational Institution : **SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA**

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2013

Revised

(Amount in ₹.)

	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
INCOME			
Academic Receipts	6	85,08,683	69,47,150
Grants & Donations	7	4,00,00,000	2,00,00,000
Other Incomes	8	49,04,937	42,33,336
TOTAL (A)		5,34,13,620	3,11,80,486
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits	9	1,58,43,211	1,62,82,819
Academic Expenses	10	68,00,796	66,07,377
Administrative and General Expenses	11	4,88,49,881	3,59,49,715
Transportation Expenses	12	12,39,223	68,095
Repairs & maintenance	13	6,43,226	48,59,174
Finance & costs	14	12,326	23,991
Other Expenses	15	40,26,420	44,06,952
Depreciation		50,08,812	60,27,469
TOTAL (B)		8,24,23,895	7,42,25,592
Balance being Excess of Expenditure over Income (A-B)		**2,90,10,275**	**4,30,45,106**

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts 16

Checked by

REGISTRAR

DIRECTOR

School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

Name of Educational Institution : **SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA**			
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2013			
			(Amount in Rs.)
	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
INCOME			
Academic Receipts	6	8,508,683	6,947,150
Grants & Donations	7	40,000,000	20,000,000
Other Incomes	8	-	-
TOTAL (A)		48,508,683	26,947,150
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits	9	15,843,211	16,282,819
Academic Expenses	10	6,800,796	6,607,377
Administrative and General Expenses	11	48,849,881	35,949,715
Transportation Expenses	12	1,239,223	68,095
Repairs & maintenance	13	643,226	4,859,174
Finance & costs	14	12,326	23,991
Other Expenses	15	4,026,420	4,406,952
Depreciation		5,008,812	6,027,469
TOTAL (B)		82,423,895	74,225,592
Balance being Excess of Expenditure over Income (A-B)		**29,010,275**	**43,045,106**
Significant Accounting Policies and Notes on Accounts	16		

Registrar
REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, एन.एच.-5, निडमानुरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

SAO / CAB

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, VIJAYAWADA

RECEIPTS & PAYMENTS A/C FOR THE PERIOD FROM 01/04/2012 To 31/03/2013

Receipts		Rs.	Payments	Sch	Rs.
To StudentsDeposits :			**By Student Deposits Refunded to withdrawn**		
- Security Deposit (Library)		625,000	- Security Deposit (Library)		220,000
- Security Deposit (School)		600,000	- Security Deposit (School)		210,000
- Security Deposit (Hostel)		660,000	- Security Deposit (Hostel)		234,000
- Mess Security Deposit		271,500	- Mess Security Deposit		85,000
- Personal Deposit		1,217,700	- Personal Deposit		1,217,700
To Advances adjusted during the Year		9,006,853	By Advances given during the Year		5,863,845
To Earnest Money Dep. Received :		475,465	By Earnest Money Dep. repaid		451,891
To Statutory Liabilities			**By Statutory Liabilities**		
TDS / Income Tax		3,425,739	TDS / Income Tax		3,425,739
Professional Tax		156,352	Professional Tax		156,352
New Pension Scheme		2,312,520	New Pension Scheme		4,525,116
			CGHS		1,000
To Recovery of excess amounts paid to staff in the F.Y 2011-12		129,395	By Timebarred Cheques adjusted		173,061
To Income Tax Staff of F.Y 2011-12		22,996	By Construction Advance to CPWD		193,255,000
To Mess Advance collected from students		10,786,630	By Mess advance of students adjusted		6,905,744
To Excess Fee paid by students		225,500	By Excess Fee returned to students		36,600
To Fee Receivable of F.Y.2011-12		14,600	By Prepaid Expenses		2,051,833
			By Closing Balance :		
			Bank		17,375,079
		357,979,105			**357,979,105**

Registrar
REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
[illegible]

Place : Vijayawada.
Date :

DIRECTOR

निदेशक / Director
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, एन.एच-5, निडमानूरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

Checked ok
SAO/ CAB-I

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2013

SCHEDULE - 1 : GENERAL FUND

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balance as at the beginning of the year	85,467,972	98,513,078
Add: Contributions towards General Fund	188,300,000	
Add: Prior Period excess payments recovered during the year	165,348	
Add: Prize Money paid to the Architects in the Year 2011-12 which is to be adjusted against future payments was treated as expenditure.	900,000	
Add: Capital Grants Received during the year		30,000,000
Add/(Deduct): Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	-29,010,275	-43,045,106
BALANCE AT THE YEAR -END	**245,823,046**	**85,467,972**

REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada - 521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, एन.एच.-5, निडमानुरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada - 521 104

SCHEDULE 2 - CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Deposits from students	7,813,500	6,406,000
2. Sundry Creditors		
a) For Goods & Services		
b) Others	1,841,563	2,204,478
3. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC Tax, CPF, GIS, NPS)		
a) Overdue		
b) Others	993,240	3,206,836
4. Other Current Liabilties		
i) Security Deposits / Retention Money	501,442	477,868
ii) Alumni Association Fees	133,200	30,000
iii) NASA Fees	321,070	171,938
iv) NOS Plan Fees	127,586	35,586
v) SPA Stores Association Fees	235,000	184,000
vi) Student Aid Fund	171,126	109,800
vii) Student Association Fees	591,128	638,243
viii) Fees refundable to Students	270,255	81,355
ix) Scholarships	750,700	192,000
x) Timebarred Cheques	117,890	290,951
xi) Mess Advance	3,134,370	
xii) Mess Advance		2,513
TOTAL (A)	**17,002,070**	**14,031,568**
B. Provisions		
1. Gratuity	3,658,142	3,024,213
2. superannuation/Pension	401,856	401,856
3. Accumulated Leave Encashment	2,196,560	1,430,523
4. Expenses payable	2,152,725	2,401,215
TOTAL (B)	**8,409,283**	**7,257,807**
TOTAL (A+B)	**25,411,353**	**21,289,375**

REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

SCHEDULE - 3 :STATEMENT OF FIXED ASSETS AND DEPRECIATION RESERVE

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/valuation As at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/valuations at the year end	As at the beginning of the year	On additions during the year	On deductions during the year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
I. Land:										
a) Freehold	1			1					1	1
b) Leasehold										
II. Buildings:										
III. Plants, machinery & equipment		256,539		256,539		6,575		6,575	249,964	-
IV. Vehicle	155,725	-		155,725	48,308	16,013		64,321	91,404	107,417
V. Furniture & fixtures	12,853,840	4,477,699		17,331,539	1,859,663	1,380,793		3,240,456	14,091,083	10,994,177
VI. Office Equipment	1,810,521	319,165	106,458	2,023,228	535,517	198,419	11,200	722,736	1,300,492	1,275,004
VII. Computer/peripherals	14,150,667	824,528	31,579	14,943,616	11,268,681	2,018,542	19,695	13,267,528	1,676,088	2,881,986
VIII. Electric Installations	495,208	2,332,335	17,868	2,809,675	35,577	159,324	1,125	193,776	2,615,899	459,631
IX. Library Books	3,784,855	3,654,988	15,493	7,424,350	2,828,803	1,120,905	-	3,949,708	3,474,642	956,052
X. Tube wells & water supply										
XI. Other fixed assets										-
Constructions	1,117,938	251,537		1,369,475	152,164	102,090		254,254	1,115,221	965,774
Sports	43,776	22,440		66,216	11,536	6,151		17,687	48,529	32,240
TOTAL	34,412,531	12,139,231	171,398	46,380,364	16,740,249	5,008,812	32,020	21,717,041	24,663,323	17,672,282

REGISTRAR

DIRECTOR
निदेशक / Director
School of Planning and Architecture

SCHEDULE - 4 : CURRENT ASSETS

	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
1. Sundry Debtors:				
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months (CCB)		50,000		64,600
b) Others				
i) Income Tax from Staff				22,996
ii) Mess Fees from Students				746,516
2. Bank Balances (to be further classified as pertaining to earmarked fund or otherwise)				
With Scheduled Banks:				
- In Term Deposit Accounts		31,277,118		-
- In Savings Accounts		17,375,079		83,125,129
TOTAL	-	**48,702,197**	-	**83,959,241**

Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, एन.एच-5, निडमानूरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

SCHEDULE - 5 : LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Advances to employees: (Non-interest bearing)		
a) Salary		
b) Festival		
c) LTC	86,990	-
d) Medical	100,000	100,000
e) Other (to be specified)		
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)		
a) Vehicle loan		
b) Home loan		
c) Others (to be specified)		
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received		
a) On Capital Account	193,255,000	629,002
b) to suppliers		
c) Others	1,020,206	2,835,772
4. Prepaid Expenses		
a) Insurance		
b) Other expenses	2,051,833	
5. Deposits:		
a) Telephone		
b) Lease Rent	1,271,890	1,561,050
c) Electricity	27,960	
d) AICTE, if applicable		
e) MCI, if applicable		
f) Others (to be specified)		
i) NASA Caution Deposit	5,000	
ii) The K.D.L.O.Mutually Aided Co-Op Stores, VJA	50,000	
TOTAL	**197,868,879**	**5,125,824**

Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru,
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना संकाय एवं वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, एन.एच-5, निडामानूरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

SCHEDULE - 6 : ACADEMIC RECEIPTS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
FEE FROM STUDENTS		
Academic		
1. Tuition fee	3,118,200	2,570,400
2. Admission fee		-
3. Enrolment fee	57,000	51,000
4. Library and Audio Visual Fee	862,000	714,000
5. Laboratory Fee		-
6. Art & Craft fee		-
7. Registration fee (Ph.D. Only)	1,500	-
8. Magazine Fee	129,750	107,100
9. Printing & Stationary Fee	215,500	178,500
10. Academic Support Fees (Ph.D. Only)	6,000	
TOTAL (A)	**4,389,950**	**3,621,000**
Examinations		
1. Admission test fee		-
2. Annual Examination fee	862,000	714,000
3. Mark sheet, certificate fee		-
TOTAL (B)	**862,000**	**714,000**
Other fees		
1. Identity Card fee	10,200	10,200
2. Fine/Miscellaneous fee	66,027	-
3. Medical fee	43,100	35,700
4. Transportation fee		-
5. Games Fee	129,750	107,100
6. Hostel fee		
a) Electricity Charges	660,644	536,850
b) Medcial Fees	147,400	119,400
c) Room Rent	2,199,612	1,789,500
7. Application Fee		13,400
TOTAL ©	**3,256,733**	**2,612,150**
Sale of Publications		
1. Sale of syllabus and Question Paper, etc.,		
2. Sale of prospectus including admission forms		
TOTAL (D)	-	-
GRAND TOTAL (A+B+C+D)	**8,508,683**	**6,947,150**

REGISTRAR
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

SCHEDULE - 7 : GRANTS & DONATIONS (Irrevocable Grants & Subsidies Received)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1) Central Government	40,000,000	20,000,000
2) State Government (s)		
3) Government Agencies		
4) Institutions/Welfare Bodies		
5) International Organisations		
6) Others (specify)		
TOTAL	40,000,000	20,000,000

SCHEDULE - 8 : OTHER INCOME

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
A. Interest on Term Deposits:		
a) With Scheduled Banks	2,132,424	
B. Interest on Savings Accounts:		
a) With Scheduled Banks	2,418,082	3,281,061
C. Others		
1. Income from consultancy		262,500
2. RTI Fees	50	
3. Income from Royalty		
4. Sale of application form (recruitment)	76,700	383,251
5. Misc. receipts (Sale of tender form, waste paper, etc.)	226,122	306,524
6. Prior Period Incomes	51,559	
TOTAL (C)	**354,431**	**952,275**
GRAND TOTAL (A+B+C)	**4,904,937**	**4,233,336**

Registrar
REGISTRAR
School of Planning and Architecture

DIRECTOR
निदेशक / Director
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada - 521 104

SCHEDULE - 9 : STAFF PAYMENTS & BENEFITS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Salaries and Wages		
1) Faculty	8,528,194	10,039,029
2) Non-Faculty	2,600,747	2,031,671
b) Allowances and Bonus		
1) Faculty	1,244,949	1,482,874
2) Non-Faculty	433,109	352,226
c) Contribution to Provident Fund		
1) Faculty	-	
2) Non-Faculty		
d) Contribution to Other Fund (NPS)		
1) Faculty	895,782	
2) Non-Faculty	260,478	1,549,776
e) Staff Welfare Expenses		
1) Faculty		
2) Non-Faculty		
f) Retirement and Terminal Benefits		
1) Faculty		164,236
2) Non-Faculty		
g) LTC facility		
1) Faculty	288,917	349,805
2) Non-Faculty	88,618	
h) Medical facility		
1) Faculty	216,283	87,478
2) Non-Faculty	45,134	95,225
i) Children Educaiton Allowance		
1) Faculty	118,500	115,599
2) Non-Faculty	27,000	14,900
j) Honorarium		
1) Faculty		
2) Non-Faculty		
k) TA/DA Expenses		
1) Faculty		
2) Non-Faculty		
l) Additional Remuneration		
1) Faculty	1,095,500	-
2) Non-Faculty		
m) Leave Encashment		
1) Faculty		
2) Non-Faculty		
TOTAL	**15,843,211**	**16,282,819**

REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, एन.एच-5, निदमानुरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

SCHEDULE - 10 : ACADEMIC EXPENSES

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Laboratory expenses		
b) Field work/Participation		
c) Seminar/Workshop		
d) Payment to Visiting Faculty	5,108,338	4,620,715
e) Examination		
f) Student Welfare expenses	1,178,150	1,806,155
g) Admission expenses	76,000	
h) Convocation expenses		
i) Publications		
j) stipend/means-cum-merit scholarship		
k) Subscription Expenses		
l) Others (specify)		
Prizes/Awards/Medals	30,500	60,800
Exp. For Games	407,808	119,707
TOTAL	**6,800,796**	**6,607,377**

SCHEDULE - 11 : ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Electricity and power	1,850,469	1,519,777
b) Water charges	306,618	167,878
c) Insurance	-	-
d) Rent, Rates and Taxes (including property tax)	20,392,773	11,405,748
e) Postage & telegram	41,662	
f) Telephone and Internet charges	1,450,376	1,701,146
g) Printing & Stationary	418,655	561,439
h) Travelling and Conveyance Expenses	4,161,879	5,972,858
i) Expenses on Seminar/Workshops	59,724	
j) Hospitality	184,100	240,322
k) Auditors Remuneration	75,000	259,888
l) Professional Charges	195,655	430,042
m) Advertisement and Publicity	1,239,649	1,090,942
n) Magazines & Journals	312,230	26,181
o) Others (specify)		
i) Accommodation Charges	534,222	1,324,864
ii) Campus Development Expenses	5,102,576	2,418,204
iii) Consumables (Printers/Xerox)	491,921	
iv) Cumulative Prof. Dev. Allowance	757,866	1,609,117
v) Housekeeping	2,948,061	1,418,334
vi) Annual Maintenance Contract	190,714	49,086
vii) Software	38,190	
viii) Contingencies	479,132	229,627
ix) Diesel Expenses	118,346	
x) Rajbhasha Expenses	11,540	4,350
xi) Outsourcing Staff Salaries	6,001,847	5,084,772
xii) Sitting fee	293,000	
xiii) Website Development Charges	37,416	
xiv) NPS Management Contribution	1,156,260	
xv) Stamp duty & Registration	-	375,140
xvi) Life Membership		60,000
TOTAL	**48,849,881**	**35,949,715**

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHEDULE -12 : TRANSPORTATION EXPENSES

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Vehicles (owned by educational institution)		
a) Running expenses		
b) Repairs & Maintenance		
c) Insurance expenses		
2. Vehicles taken on rent/lease		
a) Rent/lease expenses	1,239,223	68,095
TOTAL	**1,239,223**	**68,095**

SCHEDULE - 13 : REPAIRS & MAINTENANCE

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Building	577,101	4,859,174
b) Furniture & Fixture		
c) Plant & Machinery		
d) Office Equipments		
e) Cleaning material & services	66,125	
f) Others (specify)		
TOTAL	**643,226**	**4,859,174**

SCHEDULE - 14 : FINANCE COSTS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Interest on fixed loans		
b) Interest on other loans		
c) Bank charges	12,326	23,991
d) Others (specify)		
TOTAL	**12,326**	**23,991**

SCHEDULE - 15 : OTHER EXPENSES

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances		
b) Irrecoveerable Balances Writeen-off		
c) Others (specify)		
i) Provision for EL Encashment	798,499	1,382,739
ii) Provision for Gratuity	633,929	3,024,213
iii) Prior Period Expenses	2,593,992	
TOTAL	**4,026,420**	**4,406,952**

REGISTRAR
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, एन.एच-5, निडमानूरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

Name of Educational Institution : SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA		
CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2013		
Cash Flow from Operating Activities:		
Surplus/(deficit) for the year		-29,010,275
Add : Prior Period Excess Payments recovered		165,348
Add : Prior period Prize Money Adjusted		900,000
		-27,944,927
Adjustments for the non-operating incomes/expenses		
Depreciation		5,008,812
(Interest Income)		-4,550,506
Surplus/(deficit) before changes in the Current Assets/Current Liabilities		-27,486,621
(Increase)/Decrease in Current Assets	784,112	
Increase/(Decrease) in Current Liabilities	4,121,978	
		4,906,090
Net Cash from Operating Activities (A)		-22,580,530
Cash Flow from Investing Activities:		
Sale of fixed assets	139,378	
(Purchase) of fixed assets	-12,139,231	
Interest received	4,550,506	
(Increase)/Decrease in Loans, Advances & Deposits	-192,743,055	
Net Cash from Investing Activities (B)		-200,192,402
Cash Flow from Financing Activities:		
Additions to general fund during the year	188,300,000	
Net Cash Flow From Financing Activities (C)		188,300,000
Net Increase/Decrease in Cash equivalents (A+B+C)		-34,472,931
Cash and Cash equivalent at the beginning of the period		83,125,129
Cash and Cash equivalent at the end of the period		48,652,198

School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, Nibe-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

REGISTRAR

DIRECTOR

निदेशक / Director

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय

School of Planning and Architecture

S.No. 71/1, Nibe-5, Nidamanuru

विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, VIJAYAWADA

Schedule : 16 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES & NOTES ON ACCOUNTS

1 **Accounting Convention:**
The financial statements are prepared on accrual basis.

2 **Fixed Assets :**
Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties & taxes
and direct expenses related to acquisition.

3 **Depreciation :**
Depreciation is provided on WDV method as per rates specified in the Income Tax Act,1961 .
In respect of additions /deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered on pro-rata basis.

4 **Government Grants/Subsidies :**
General purpose grants are treated as revenue grants and shown under Incomes.
Capital purpose grants are treated as capital grants and shown under corpus/capital fund.

5 The following Fees collected from students are treated as Income :
Enrolment Fees, Examination & Evaluation Fees, Library/Audio Visual Fees, Printing & Stationery Fee, Tution Fees, Games Fees, Identity Card Fees, Students Magazine Fees Medical Fees, Accademic Support Fee, Hostel Electricity charges, Hostel Medical Fee and Hostel Room Rent.

6 The following Fees collected from students are shown under Current Liabilities as the amounts are to be spent for the purpose for which they were collected. Student Aid Fund, NASA Fees, NOSPLAN Fees, Students Association Fees , Alumini Ass. Fee and stores Society Association Membership Fee

7 The school had been alloted 2.66 acres of land at Government Polytechnic college, Vijayawada by the Government of Andhra Pradesh in addition to 7.0 acres of land alloted in the previous years. The value of land is taken as Re.1 in the books as it is alloted at free of cost. The demarcation of boundaries for that land is under process.

8 The Income of Educational Institution which is wholly or substantially financed by Government are exempt from Income Tax as per Section 10(23C)(iiiab) of IT Act 1961. Hence the Income of the school is exempted from Income Tax.

9 The School had invested the funds in Fixed Deposits and the school have no Investments. Hence Accounting Standard 13 not applicable.

10 Details of Prior Period Items :

a) Prior Period Expenses

Accomidation Charges	76,711
Advertisement Charges	49110
Catridges	17,300
Electricity Charges	433,253
Flat Maintenance	16545
Hostel Rent	620800
Library Books	15,493
Local Conveyance	10,286
News Paper Charges	710
Postage & Courier	40
Printing & Stationery	7665
Refreshment Charges	30830
Remuneration	57799
Rennovations	129822
Students Association Fee	11790
TA	751,898
Telephone Charges	477
Transport Charges	127500
Water Charges	1490
Others	234473
Prior Period Depreciation included in Depreciation	189853

b) Prior Period Incomes

Plotter Charges collected from Students	49046
Interest on NPS Savings a/c	2513

11 Previous Year figures have been regrouped and reclassified wherever necessary.

12 Figures are rounded off to the nearest rupee.

REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, Kh-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, खं.नं. 5, निडमानुरु
S.No. 71/1, Kh-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

List of Bank Accounts

Name of the Bank	Branch	Account No.	Balance Outstanding	Name of the Holder
UCO Bank	Governorpet, Vijayawada	18200110003602	20,841	SPA, Vijayawada
UCO Bank	Governorpet, Vijayawada	02220110017111	9,618,957	SPA, Vijayawada
State Bank of India	Nidamanuru	31022276463	7,735,281	SPA, Vijayawada
TOTAL			**17,375,079**	

REGISTRAR
Registrar
School of Planning and Architecture
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
Vijayawada-521 104

DIRECTOR
निदेशक / Director
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय
School of Planning and Architecture
सर्वे नं. 71/1, एन.एच.-5, निडमानूरु
S.No. 71/1, NH-5, Nidamanuru
विजयवाड़ा / Vijayawada-521 104